HVS/Lib/8 15-11-99

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

Haryana Vidhan Sabha Secretariat * Chandigarh
LIBRARY

2 फरवरी, 1999
खण्ड-1 अंक-4
अधिकृत विवरण

विषय-सूची

मंगलवार, 2 फरवरी, 1999

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)1
वाक-आउट	(4)10
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(4)10
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(4)15
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)22
स्थगन प्रस्ताव/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों/अल्पावधि चर्चा की सूचनाएं	(4)25
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)28
सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन	(4)40
वाक-आउट	(4)41
सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन	(4)41
वाक-आउट	(4)42
सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन	(4)43
बैठक का स्थगन	(4)46
सदन से सदस्यों निलम्बन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिए अनुरोध	(4)46
सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन	(4)48

मूल्य : 105

Haryana Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Chandigarh

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 2 फरवरी, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चंडीगढ़ में दोपहर 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Laying of Sewerage System

***802. Shri Dev Raj Dewan :** Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) the time by which the laying of Sewerage work in Adrash Nagar of Sonepat City is likely to be completed; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to lay the Sewerage in Prem Nagar of Sonepat City ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्री जगन नाथ) :

(क) आदर्श नगर में सीवरेज बिछाने का कार्य प्रगति पर है और मार्च, 2000 तक पूर्ण होने की आशा है।

(ख) जी हां।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि आदर्श नगर, सोनीपत में सीवरेज बिछाने के लिए 17.32 लाख रुपये मन्जूर हुए थे लेकिन सरकार ने वहां पर आधा ही काम किया है, 9 लाख रुपये सरकार ने रोक लिये। अध्यक्ष महोदय, वहां पर पिछले दो साल से काम रुका हुआ है और जो आधा काम हुआ है उसका भी लोग फायदा नहीं उठा पा रहे हैं क्योंकि वहां पर एक छोटा सा गंदा नाला निकालने के लिए सिर्फ 20 हजार रुपये की आवश्यकता है लेकिन वह नाला भी पूरा नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि सोनीपत में प्रेम नगर में सीवरेज बिछाने के लिए सरकार ने अढ़ाई लाख रुपये की पेमैंट भी कर दी थी लेकिन फिर भी वहां काम शुरु नहीं हुआ, सरकार ने उसके लिए जो साढ़े सात लाख रुपये मन्जूर किए थे उसको भी रोक दिया है।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि कभी-कभी एस्टीमेटस पास हो जाते हैं लेकिन पैसे की कमी के कारण काम शुरु होने में कुछ समय लग जाता है। मैं माननीय साथी को आदर्श नगर में सीवरेज बिछाने के बारे में बताना चाहूंगा कि यह काम मार्च, 2000 तक पूरा हो जायेगा और जहां तक प्रेम नगर में सीवरेज बिछाने का सवाल है यह काम दिसम्बर, 1999 तक पूरा हो जायेगा।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि इस काम के लिए तो टैंडर भी हो चुका था।

श्री अध्यक्ष : दीवान साहब अगर आपने कोई सवाल पूछना है तो पूछिये, आपने बताना नहीं।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैंने मेरे माननीय साथी को तारीख बता दी है कि प्रेम नगर में सीवरेज बिछाने का कार्य दिसम्बर, 1999 तक पूरा हो जायेगा।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, आदर्श नगर में पिछले दो साल से काम रुका हुआ है और मैं यह पूछना चाहता हूं कि प्रेम नगर में काम कब शुरु होगा। कृपया मंत्री महोदय मुझे यह जानकारी दें कि इन दोनों जगह काम कब शुरु होगा ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, काम शुरु होने में महीना-बीस दिन आगे पीछे हो सकते हैं इन दोनों जगह काम जल्दी ही शुरु कर दिया जायेगा। आदर्श नगर में सीवरेज बिछाने का कार्य मार्च, 2000 तक तथा प्रेम नगर में सीवरेज बिछाने का कार्य दिसम्बर, 1999 तक पूरा कर दिया जायेगा।

Samples of Drinking Water

***835. Shri Sampat Singh :** Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) the number of samples of drinking water taken from the water works tanks and from consumers separately in the state during the years 1996-97, 1997-98 and 1998-99;

(b) the number of samples out of those referred to in Part (a) above were found sub-standard (unfit for drinking);

(c) the total number of sanctioned laboratories in the State; and

(d) the number of laboratories out of those as referred to in part (c) above are in working condition ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

(क) वर्ष 1996-97, 1997-98 तथा 1998-99 के दौरान जल घरों के तालाबों तथा

उपभोक्ताओं से अलग-अलग नमूनों का विवरण निम्नलिखित है :—

वर्ष	जलघरों के तालाबों से लिए गए नमूनों की संख्या	उपभोक्ताओं से लिए नमूनों की संख्या
1996-97	6584	11832
1997-98	27256	63919
1998-99 (दिसम्बर तक)	19857	51278

(ख) पीने के पानी के अयोग्य नमूनों की संख्या निम्नलिखित है :—

वर्ष	अयोग्य पाये गये नमूनों की संख्या	
	जलघरों के तालाबों से	उपभोक्ताओं की सीमा से
1996-97	140	1032
1997-98	323	1816
1998-99 दिसम्बर तक	136	651

(ग तथा घ) 7 प्रयोगशालाएं स्वीकृत की गई हैं तथा सभी चालू हालत में हैं।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो विवरण पटल पर रखा है उसके अनुसार जो सैम्पल इन्होंने वाटर वर्क्स टैंक्स के लिये थे उनमें आलमोस्ट 600 फेल हुए हैं और फेल क्या हुए वे सारे के सारे अनफिट फार ड्रिंकिंग वाटर हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा जो सैम्पल कंज्यूमर एंड पर लिये हैं वे लगभग साढ़े तीन हजार के करीब हैं और वे भी अनफिट फार ड्रिंकिंग वाटर हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक तो मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जो ये सैम्पल लेते हैं और लैबोरेट्री में टैस्ट करवाते हैं तो उसमें भी अलग-अलग ग्रेडेशन होती होगी। अनफिट फार ड्रिंकिंग वाटर तो लास्ट स्टेज होती है। अनफिट फार ड्रिंकिंग वाटर जो है इससे पहले भी तो पानी के तत्व होने चाहिएं उसके हिसाब से भी आपकी ग्रेडेशन होती होगी और उस ग्रेडेशन में जो ड्रिंकिंग वाटर फेल हुआ है वह 100% पीने के लिए अनफिट था, या कुछ कम था। दूसरा अध्यक्ष महोदय जो सैम्पल लिये गये फेल हुए हैं इसका मतलब यह है कि वाटर वर्कस से जो पानी गया है उसमें वाटर वर्कस की लास्ट स्टेज पर एक डोजिंग पम्प लगा हुआ होता है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने लिये और हाउस की जानकारी के लिये मंत्री महोदय से पूछना चाह रहा हूं कि मैंने तो यह सुना है बाकी मंत्री जी जानकारी देंगे कि जैसे पहले छानने की विधि हो गई, फिर फिल्टर हो गया और लास्ट में जब कन्जयूमर ऐंड तक पानी सप्लाई करते हैं उससे पहले तो वहां डोज़िंग पम्प लगा होता है जो कि पानी को टैस्ट करके पानी आगे भेजता है कि क्या वाकई पीने लायक पानी है या नहीं और कन्जयूमर ऐंड पर फेल होने का मतलब हुआ कि डोज़िंग पम्प है नहीं या फिर काम नहीं कर रहे हैं। इस सम्बन्ध में मेरा पूछना यह है कि कितने वाटर वर्क्स ऐसे हैं जहां डोज़िंग पम्प नहीं हैं या हैं तो खराब हैं ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, जो सैम्पल लिये गये हैं उस हिसाब से सालाना आंकड़े देखे जायें तो काफी सुधार हुआ है। माननीय सदस्य ने जो पूछा है उस हिसाब से साल वाइज जो सैम्पल लिये गये

[श्री जगन नाथ]

हैं उसमें 1996-97 में तालाबों के टैंकों से 6584 सैम्पल लिये और उसमें से 140 फेल हुये यानी केवल 2% है और 1997-98 में 27256 सैम्पल लिये गये जिनमें से 323 फेल थे और कुल 1% ही बनते हैं। इसी तरह 1998-99 में 19857 सैम्पल लिये और 136 फेल थे यानी केवल 0.6% फेल थे। जहां तक उपभोक्ताओं की बात है तो वर्ष 1996-97 में 11832 सैम्पल लिये गये और 9% फेल हुये। इसी तरह से 1997-98 के 63919 में से 1816 सैम्पल फेल हुये जो कि 2% हैं और 1998-99 में 51218 सैम्पल लिये गये जिनमें से मात्र 651 फेल हुये जहां तक फेल होने की बात है उसका कारण यह है कि पीने के पानी में क्लोरिन की कमी हो जाये तो पानी खराब हो जाता है और क्लोरिन की कमी का कारण वहां पर उस टाइप छोटी मशीनें होती हैं जिनकी सहायता से वहां पर मौजूद जे०ई० या दूसरे वाटर वर्क्स के जो कर्मचारी होते हैं, यह पता लगाते हैं कि क्लोरिन की कितनी कमी है। इस छोटे से इन्सट्रूमैन्ट में कुछ कैमिकल डालने के बाद यह पता लगाया जाता है और जल्दी ही उसका समाधान हो जाता है। अगर पानी के अन्दर जीवाणु पाइप वगैरह टूटने या बाहर का गन्दा पानी मिल जाने से ज्यादा हो जाते हैं तो उनका टैस्ट लैबोरेट्री में किया जाता है। इसके अलावा कुछ ग्राउन्ड वाटर होता है और ग्राउन्ड वाटर के हिसाब से उसमें कैमिकल ज्यादा हो जायें उस परिस्थिति में फलोरिन, कलोराइड, हार्डवाटर भी कैमिकल वगैरह से लैबोरेट्री में पास करते हैं। अगर उस जगह का ग्राउन्ड वाटर ठीक न हो तो दूसरी जगह दूसरे ट्यूबवैल लगाते हैं या दूसरी कैनाल पर पानी दिया जाता है और माननीय सदस्य जो बता रहे हैं कि मशीन वगैरह कहीं-कहीं खराब हैं तो हो सकता है कि किसी गांव में कहीं पर किसी वाटर वर्कस के ट्यूबवैल वगैरह पर कोई मशीन खराब हो और पानी सीधा चला गया हो। बाकी ऐसी कोई भी बात नहीं है और पिछले तीन सालों में तो काफी सुधार हुआ है और मात्र 0.6% पर हम पहुंच गये हैं। इसके इलावा हर जिले में सरकार ने एक कमेटी बनाई हुई है जिसमें एक्सीयन, कार्यकारी अधिकारी, नगरपालिका और सी०एम०ओ० होते हैं और हर माह कहीं भी खराबी हो जाये तो उसे ठीक करने के आदेश देते हैं और नीचे से महकमें को भी रिपोर्ट भेजते हैं। मुख्य मंत्री तक हर हफ्ते रिपोर्ट जाती है। हम पीने के पानी का हर प्रकार से सुधारीकरण कर रहे हैं। मशीन खराब हो जाती है या कोई जानबूझ कर गड़बड़ कर देता है लेकिन हमारी पूरी कोशिश रहती है कि लोगों को साफ सुथरा पीने का पानी मिले। हमारी यह पूरी कोशिश रहती है कि कहीं पर किसी प्रकार की बीमारी पानी के कारण न हो। यदि कहीं पर वाटर सप्लाई की पाईप टूट जाती है उसके अन्दर बाहर का गंदा पानी चला जाता है तो उससे बीमारी फैलने का डर रहता है। हमारी पूरी कोशिश रहती है कि लोगों को पीने का पानी साफ सुथरा मिले।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, वैसे तो मंत्री जी ने मेरी सप्लीमैंटरी की डिटेल रिप्लाई दी है और इस रिप्लाई से हमें बहुत सी जानकारी मिली है। मैं जानकारी के लिए दो बातें मंत्री जी से जानना चाहता था और इनसे मैं दोबारा उस बारे में जानकारी लेना चाहूंगा। पहला सप्लीमैंटरी तो मैंने यह पूछा था कि जो पानी पीने के अनफिट था वह हन्डर्ड परसैंट अनफिट था इसलिए उन्हीं सैम्पल्ज का मंत्री जी ने बताया है। जो आप लैबोरेटरी में सैम्पल टैस्ट करवाते हैं उसमें भी अलग-अलग ग्रेडेशन हैं। मुझे नहीं मालूम वे ग्रेडेशन कितनी हैं बी०ओ०डी०, सी०ओ०डी० तीन चार किस्म की ग्रेडेशन हैं वे सैम्पल उस लैवल पर कितने फेल हुए हैं। स्पीकर साहब, दूसरा सवाल मैंने यह किया था कि क्या आपने डोजिंग पम्पस का सर्वे करवाया है क्योंकि बिना डोजिंग पम्प के खराब हुए या डोजिंग पम्प न होने की वजह से कंज्यूमर ऐंड पर पानी खराब नहीं जा सकता। यदि टैंक में पानी खराब आ गया तो कंज्यूमर ऐंड पर जाने से पहले डोजिंग पम्प बाकायदा यह बताएगा कि यह पानी ड्रिंकिंग के लिए फिट है या नहीं है। मैं मंत्री जी से यह

जानना चाहता हूं कि क्या आपने यह सर्वे करवाया कि कितनी ऐसी वाटर सप्लाई स्कीम्ज हैं जहां पर डोजिंग पम्प नहीं थे और थे तो क्या वे वर्किंग कंडीशन में थे ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, तीन कैटेगरी के हिसाब से पीने का पानी खराब हो जाता है। पानी में क्लोरिन कम होने की वजह से बैक्टीरिया पैदा हो जाता है और बैक्टीरिया उन हालात में पैदा होता है यदि पाइप टूटी हुई है और उसमें बाहर का गंदा पानी चला जाता है उस पानी को पीने से बीमारी पैदा हो जाती है। दूसरा कारण यह है कि यदि ग्राउंड वाटर में कैमिकल मिला हुआ पानी चला जाता तो भी पानी खराब हो जाता है। जहां तक डोजिंग पम्प की बात है, गांवों की वाटर सप्लाई स्कीम्ज पर गांवों के लड़के लगाए हुए हैं वे गड़बड़ी कर देते हैं इस बिनाह पर उनकी बदलियां भी की जाती हैं लेकिन समस्या का समाधान फिर भी नहीं होता है। गंदा पानी सीधा सप्लाई न हो इस बारे में महकमा पूरी कार्यवाही करता है। स्पीकर साहब, पिछले दिनों नवम्बर में बेमौसमी बरसात हुई उसके कारण खेतों में बरसात का पानी जमा हो गया और उस पानी को खेतों से बाहर निकालना था क्योंकि जमीन बोने के लायक बनानी थी। उस पानी को निकालने के लिए ज्यादा से ज्यादा मोटरें लगानी पड़ी। दूर दूर तक बिजली ले जानी पड़ी और उस पानी को नहरों में डालना पड़ा। जो बरसात का पानी नहरों में डाला गया वह वाटर वर्क्स में भी गया हो सकता है उससे भी बीमारी हो गई हो लेकिन हमारी पूरी कोशिश है कि लोगों को पीने का पानी साफ सुथरा मिले।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मेरे सवाल का तो जवाब नहीं आया। जिन तीन सालों का मैंने अपने सवाल में जिकर किया है उन्हीं के बारे में बता दें कि कितने डोजिंग पम्प काम कर रहे हैं। अगर इनके पास सूचना है तो बता दें अगर नहीं है तो वह भी बता दें क्योंकि जो जवाब इन्होंने दिया है उससे हम सैटीसफाई नहीं हैं। दूसरा सवाल मैं एक यह करना चाहता हूं कि पानी के सैम्पल चैक करने के लिए हमारे यहां पर जो 7 लैबोरेटरीज हैं क्या ये काफी हैं, इनको बढ़ाने के बारे सरकार की कोई योजना है ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर इस समय स्टेट के अन्दर 7 लैबोरेटरीज काम कर रही हैं, ये हैं फरीदाबाद, हिसार, भिवानी, करनाल, गुड़गांव और अम्बाला। सेन्ट्रल गवर्नमैंट के तो आदेश हैं कि ऐसी लैबोरेटरीज प्रत्येक जिले में होनी चाहिए। हमारे यहां पर 19 जिले हैं। लेकिन हमारे यहां पर 19 लैबोरेटरीज की आवश्यकता नहीं। हमारे जिलों का फासला कम है इसलिए यह तो हो सकता है कि 7 लैबोरेटरीज की जगह 10 हो जाएं। यह बात भी ठीक है कि ऐसी लैबोरेटरीज बनाने के लिए पैसा भारत सरकार से मिलता है लेकिन उसका बाकी स्टाफ आदि का खर्चा स्टेट गवर्नमैंट को बहन करना पड़ता है। चाहे हमारा कैथल, महेन्द्रगढ़ या रिवाड़ी या दूसरा जिला है सभी जिले जहां पर हमने लैबोरेटरी खोल रखी हैं एक दूसरे से अधिक फासले पर नहीं है। यदि हम सभी 19 जिलों में ऐसी लैबोरेटरीज खोल देंगे तो उससे बेवजह स्टेट एक्सचेकर पर बोझ पड़ेगा।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मेरा जो सवाल डोजिंग पम्प वाला है उसका जवाब मंत्री महोदय की तरफ से नहीं आया।

श्री जगन नाथ : स्पीकर साहब, इनका सवाल था कि राज्य में वर्ष 1996-97, 1997-98 के दौरान जल घर टैंकों तथा उपभोक्ताओं से पीने के पानी के पृथक-पृथक नमूने लिए गए, जो सवाल इन्होंने पूछा था उसका जवाब मैंने दे दिया।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, हमारे सवाल का जवाब नहीं आया।

श्री जगन नाथ : जो ये पूछना चाहते हैं उसके लिए सैपरेट नोटिस दे दें।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि सम्पत सिंह जी ने वर्ष 1996 से लेकर 1998 तक हमारे जो वाटर वर्क्स हैं उनके कितने डोजिंग पम्प काम करते रहे और कितने काम नहीं करते रहे के बारे में पूछा है। (शोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, आप मंत्री महोदय को कहें कि वे हमारा जवाब दें। लोग गन्दा पानी पीकर मर रहे हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही कहा है कि इस बारे में हर सप्ताह सी०एम० साहब के पास रिपोर्ट आती है और हर महीने उसकी मीटिंग होती है। इसके अलावा सी०एम०ओ० की अध्यक्षता में भी एक कमेटी बनी हुई है। सारी स्टेट में जो पानी दिया जाता है उसकी सूचना सी०एम० तक आती है और उसको एग्जामिन करते हैं। सभी जगह पानी ठीक दिया जा रहा है। कभी-कभी कहीं पर गड़बड़ हो जाती है तो उसके लिए भी ध्यान रखा जाता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, लगता है कि मंत्री जी पूरी तरह से इस सवाल की तैयारी करके नहीं आये। कभी तो ये कह रहे हैं कि पीने के पानी के अन्दर कभी वाढ़ का पानी आ जाता है तो कभी पाईप टूट जाती हैं जिस कारण पानी ठीक नहीं मिल पाता। हमारे सम्मानित सदस्य ने डोजिंग पम्प की बात करके सवाल पूछा था। पीने के पानी के लिए जो डोजिंग पम्प है वह आखिरी स्टेज है और उसके बाद कन्जयूमर ऐण्ड तक पानी जाने में कोई रुकावट नहीं है क्योंकि जो पाईप लाईन है वह जमीन के अन्दर दबी हुई है जिसके कारण गांव के लड़के उसको खराब नहीं कर सकते हैं। स्पीकर सर, आप इनसे कहिए कि ये तैयारी करके आया करें और सीधा जवाब दें। हमारे साथी ने एकदम सीधा और स्पष्ट सवाल किया है कि कितने पम्प वर्किंग आर्डर में हैं, कितने खराब हैं और आगे स्थिति को सुधारने के लिए ये क्या कार्यवाही कर रहे हैं ? (विघ्न एवं शोर)

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि यह सवाल मेन सवाल से अराईज नहीं होता। इनका सवाल था कि तीन साल में कितने सैम्पल्ज लिए गए। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल इन्सानी जिन्दगी के साथ जुड़ा हुआ है। अगर लोगों को पीने का पानी ठीक नहीं मिलेगा तो उससे कितनी ही प्रकार की बीमारियां पैदा हो सकती हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने निवेदन करता हूं कि आप मन्त्री जी से कहिए कि वे पूरी तैयारी करके बताएं कि इस बारे में वे क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं ?

श्री जगन नाथ : स्पीकर साहब, जो सवाल किया गया था उसका जवाब मैंने दे दिया है। जो ये पूछ रहे हैं वह उस सवाल से रिलेटिड नहीं है इस सप्लीमैंट्री के लिए अलग सवाल दें इनको जवाब दे दिया जाएगा।

Leakage of Question Paper

***808. Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Minister for Education be pleased to state whether the Government is aware of the fact that the Question Paper of the J.B.T. Entrance Examination held during the year 1998-99 has been leaked out, if so, the action taken against the officials held responsible for the said leakage ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : हां, श्रीमान्, इस विषय में जांच चल रही है और इसके लिये जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जे०बी०टी० में दाखले के लिए हुई परीक्षा के प्रश्न पत्रों की जो लीकेज हुई, वह कौन से महीने में हुई, क्या इस बारे में कोई इन्क्वायरी कण्डक्ट की जा रही है और यदि हां, तो वह कब से की जा रही है और उसको खत्म होने में कितना समय लगेगा ? क्या इस बारे में कोई प्रिलिमिनरी इन्क्वायरी की गई है और क्या कोई अफसर मौके पर पकड़ा गया है और यदि पकड़ा गया है तो उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई ? इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहूंगा कि परीक्षाओं के सिस्टम को फुलप्रूफ बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं जिससे आगे से इस प्रकार की घटनाएं न हों। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं मन्त्री महोदय से यह भी जानना चाहूंगा कि क्या यह बात इनके नॉलेज में है कि इन पेपरज की जो लीकेज हुई है वे पेपरज खेतों में ट्यूबवैल पर बिके हैं। क्या उनके नॉलेज में यह बात है कि बुटाना के पास एक गांव में गाड़ी नं० डी एल 3 सी ओ 4346 पकड़ी गई है, यदि गाड़ी पकड़ी गई है तो दोषियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है ?

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो सवाल पूछा है उसके बारे में मैं उनको बताना चाहूंगा कि 3-9-1998 को रात्रि को एक बजे गोहाना से गाड़ी पकड़ी गई जिसका नम्बर श्री अजय सिंह जी ने बताया है वह मारुति गाड़ी डी० एल० 3 सी० ओ० 4346 है। यह गाड़ी रात को एक बजे गोहाना से जीन्द जा रही थी। इसके बारे में गोहाना पुलिस को सूचना मिली कि इसके साथ कई और गाड़ियां थी। अगले दिन परीक्षा शुरु होनी थी और कुछ ही घण्टे बाकी थे। पेपर शुरु होने में कुछ घण्टे रह गए थे तो पुलिस को पता लगा कि पेपरज की नकल की जा रही है और उनकी फोटोस्टैट करके उनको बेचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने तुरन्त उस गाड़ी के ड्राईवर महावीर सिंह को गिरफ्तार किया तथा धर्मपाल गांव पूथर पुलिस स्टेशन इसराना, रोहतास पुत्र मूला राम निवासी आदर्श नगर गोहाना, राम गोपाल पुत्र महा सिंह निवासी बहरान पुलिस स्टेशन मदम को हिरासत में लिया। महावीर सिंह ड्राईवर से इस बारे में पूछताछ की गई। अध्यक्ष महोदय, जैसे कि माननीय साथी ने एक बात जाननी चाही है तो मैं उनको बताना चाहता हूं कि उसके बाद एक लाख तीन हज़ार बच्चों ने यह परीक्षा दी। यह परीक्षा अलग-अलग कैटेगरीज़ जे०बी०टी०, ओ०टी०-पंजाबी, उर्दू और हिन्दी की थी और उसमें 1 लाख 3 हज़ार बच्चों ने परीक्षा देनी थी और कुछ घण्टे पहले ही ये फोटोकॉपी करते हुए पकड़े गए। हमने यह परीक्षा पोस्टपोन की और दिनांक 4-10-98 को यह परीक्षा दोबारा हुई। अध्यक्ष महोदय, कुछ बच्चे हाई कोर्ट में गए और यह केस चीफ जस्टिस के बैंच में लगा। मैं इस सदन में बताना चाहूंगा कि हमारे जो पेपर्ज होते हैं वे कम्प्यूटराईजड होते हैं और एक पेपर दूसरे से और दूसरा पेपर तीसरे पेपर से नहीं मिलता है। यह बहुत ही अच्छा सिस्टम है। अध्यक्ष महोदय, नैशनल कौंसिल औफ टीचर्ज में तो यह कहा है कि जिस तरह का सिस्टम हमारे यहां पर दाखिले का है वैसे ही सिस्टम से सारे देश में दाखिला दिया जाए। यह उन्होंने रिकोमैंड किया है। इस मामले में जो इन्क्वायरी है वह चल रही है। इस मामले की इन्क्वायरी सिरे तक पहुंचाने के लिए हमने दिल्ली के लोगों को भी इसमें शामिल किया है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरे पूरे प्रश्न का जवाब नहीं आया है। मैंने यह पूछा था कि यह इन्क्वायरी कब आर्डर हुई, इसको कौन कंडक्ट कर रहा है। यह इन्क्वायरी कब तक चलेगी अगर जस्टिस समय पर नहीं होगा तो इस इन्क्वायरी का क्या फायदा होगा। आपको इस इन्क्वायरी की कोई समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए ताकि कम्पलेंट करने वाले को समय पर इन्साफ मिल सके।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, उसी दिन रात को एक बजे कमिशनर व सैक्रेटरी एजुकेशन विभाग ने इन्क्वायरी शुरु की है और उसी हिसाब से हमने एग्जाम पोस्टपोन किया है। पहले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था और उनकी सूचना के आधार पर बाकी लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह रिपोर्ट हमारे पास पिछले महीने के आखिर में आई थी और इस इन्क्वायरी को हम एक महीने में पूरा करेंगे।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि हमारे प्रश्न पेपरज अलग अलग होते हैं और यह हरियाणा में पहली बार ही हुआ है। अध्यक्ष महोदय, राम बिलास जी राजस्थान में जाते रहते हैं और वहां पर पब्लिक सर्विस कमिशन का एग्जाम भी इसी तरह से होता है। यह पहले से ही सिस्टम चला आ रहा है। जहां तक इन्होंने इस घटना को छोटी सी घटना कहा है तो मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि ये छोटी सी घटना कैसे हो सकती है। इन्होंने एफ०आई०आर० दर्ज करवाई और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि इन्होंने लास्ट लोगों को गिरफ्तार किया है। लेकिन यह क्राईम आरीजनेट कहां से हुआ है। अध्यक्ष महोदय, महकमे के आदमी ने 100 परसैंट यह पर्चा किसी को दिया होगा बगैर उसके पर्चा दिए वह पर्चा बाहर नहीं आ सकता है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या इन्होंने डिपार्टमैंट के उस आदमी का पता किया कि वह कौन है और क्या उसके खिलाफ कार्यवाही हुई है ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, 13-9-98 को रात नौ बजे पेपर लीक हुआ। इस बारे में एक जगह से सूचना मिली और उस सूचना के आधार पर जब लड़के पकड़े गए तो किसी के पास से आरिजनल पेपर की फोटो स्टेट कापी नहीं मिली। उस आरिजनल पेपर को कुछ लोगों ने अपने हाथों से लिख करके बाहर भेजने का प्रयास किया था। वह प्रश्न पत्र 150 प्रश्नों का होता है। कहीं से 35, कहीं से 70 और कहीं से 80 इस तरह के कुछ हस्तलिखित प्रश्न थे लेकिन वह भी हू ब हू नहीं थे। स्पीकर सर, जैसा मैंने बताया कि परीक्षा की प्रकिया ही ऐसी है कि इस बारे में ज्यादा नहीं कहा जा सकता। वहां पर कोई एक परचा दूसरे से नहीं मिलता था। उसमें 150 सवाल थे और इतने सारे सवाल की पूरे प्रदेश में कहीं पर भी ओरिजनल रूप से फोटो स्टेट कापी नहीं मिली। कहीं पर 75 सवाल उससे मिलते जुलते थे। जैसे ही विभाग को यह सूचना मिली तो उसके बाद विभाग के अधिकारियों ने बहुत मुस्तैदी से काम किया और तुरन्त उस परचे को रद्द करके 4-10-98 को दोबारा से परीक्षा ली। इस परीक्षा के बारे में फिर कहीं से भी कोई शिकायत नहीं मिली। अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई भी विभाग का अधिकारी संलिप्त नहीं है। परीक्षा को लेने वाली हमारे विभाग की एक कमेटी बनी हुई है। हमारे विभाग में एक कम्प्यूटराइजड सिस्टम है उसके हिसाब से ही यह परीक्षा ली जाती है। सम्पत सिंह जी, मुझ से जो कहलवाना चाहते हैं वह मुझे बता दें और फिर मैं इस सवाल का जवाब दे दूंगा। (विघ्न) सम्पत सिंह जी, जानना चाहते हैं कि इसमें क्या कोई विभाग का अधिकारी भी सम्मिलित पाया गया है या नहीं और क्या किसी की कनाईवैन्स से यह पेपर लीक हुआ था नहीं। अध्यक्ष महोदय, एस०सी०ई०आर०टी० का ओफिस गुड़गांव में है। कुछ घंटे पहले ही यह पेपर परीक्षा केन्द्र में पहुंचा था। स्पीकर सर, हर जिले में हमारे परीक्षा केन्द्र होते हैं। ये परचे गोहाना से जींद के लिए ले जाये जा रहे थे। जैसे ही रात को एक बजे इस बात की सूचना मिली उसके बाद तुरन्त कार्यवाही हुई इसलिए स्पीकर सर, इसमें किसी भी अधिकारी की संलिप्तता नहीं है।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, ऐसे ही कोई भविष्यवाणी करना ठीक नहीं है क्योंकि किसी न किसी मुलाजिम चाहे वह सुपरिटैन्डैन्ट लेवल का हो, चाहे वह सुपरवाईजर लेवल का हो या चाहे किसी

ऑफिस का बाबू हो, की मिलीभगत जरूर रही है क्योंकि यह पेपर किसी न किसी की मिलीभगत से ही बाहर आया है। किसी न किसी लेवल पर जरूर कोताही बरती गयी है। स्पीकर सर, आप तो स्वयं प्रोफैसर रहे हैं इसलिए आपको तो पता ही है कहीं किसी सरकारी कर्मचारी की कनाईवैन्स के बगैर यह पेपर लीक हो सकता है ? मैं यह नहीं कह रहा हूं कि इसमें आपके विभाग का कोई कर्मचारी शामिल है। (विघ्न) आपने तो खुद हमें ऐग्रीशिएट किया है। (विघ्न) सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इनके महकमे की मिलीभगत के बिना क्या यह काम संभव है ? अगर संभव नहीं है तो फिर ये दोषी लोगों के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं कर रहे हैं इन्हें कार्यवाही करने में किस बात की झिझक है ?

श्री राम विलास शर्मा : स्पीकर सर, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि सी०डब्ल्यू०पी० नं० 15661/98 एवं 15416/98 की ये दो रिट पैटीशंज माननीय उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस की डिवीजन बैंच में डिसाईड हुई लेकिन इसमें कहीं पर भी कोई अधिकारी संलिप्त नहीं है। कहीं पर भी पूरा पेपर लीक नहीं हुआ ?

श्री सम्पत सिंह : फिर वह पेपर आउट कैसे हुआ ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अब अगला सवाल होगा।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, इसका मतलब तो आप सरकार को बचाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि आप ही हमें बताईये कि क्या आप मंत्री जी के जवाब से सैटिसफाईड हैं ? सर, मैं आपकी इस बारे में रूलिंग चाहता हूं। क्या आप इस जवाब से संतुष्ट हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, माननीय मंत्री जी ने इस बारे में आपको जो बताया है तो वह आपको मानना ही पड़ेगा।

श्री सम्पत सिंह : सर, इनकी बात माननी पड़ेगी वह अलग चीज है लेकिन आप ही हमें बता दें कि क्या आप मंत्री जी के जवाब से संतुष्ट हैं ? अगर आप कह देंगे कि मैं संतुष्ट हूं फिर हम मान लेंगे। If you are satisfied, then I am satisfied. Alright, I will sit down. It means you are not satisfied but you are not saying so because you don't want to expose the Government. (Interruptions) This is most unfortunate situation in the House, Sir, when the Speaker is not satisfied.

श्री अध्यक्ष : आप अपनी बात मेरे ऊपर न लादें। (विघ्न)

Shri Sampat Singh : Sir, you are the custodian of our rights in this House.

Mr. Speaker : That is another thing. (Interruptions).

Shri Sampat Singh : Speaker Sir, you are the custodian of our rights. हम यह बात चौधरी छत्तर सिंह पर नहीं डाल रहे हैं स्पीकर साहब पर डाल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) You can direct the Minister to give a satisfactory reply.

श्री राम विलास शर्मा : स्पीकर सर, हम एक-एक बात का जवाब दे रहे हैं। उसके बावजूद ये कनाइवैंस की बात कह रहे हैं। ये इनके पार्ट पर ठीक नहीं है।

Mr. Speaker : When he has denied categorically that कोई ऑफिसर संलिप्त नहीं है, इससे ज्यादा आप और क्या चाहते हैं।

Shri Sampat Singh : Whether it is possible without the connivance of the department, Sir. (Interruptions) ?

Mr. Speaker : Take your seat, please. Shri Jai Singh Rana, next question. (Interruptions) Sampat Singh Ji, please take your seat. (Interruptions) Sampat Singh Ji, I warn you, please take your seat. (Interruptions). Sampat Singh Ji, please take your seat, otherwise, I will have to name you.

वाक-आउट

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम शिक्षा मंत्री जी के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं इसलिए ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक-आउट करते हैं।

(इस समय हरियाणा लोकदल (राष्ट्रीय) पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक-आउट कर गए।)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कहने का मौका दें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठ जाइए। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इस विषय पर हाफ ऐन ऑवर की डिसकशन अलाऊ करें।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाइए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यदि आप इस मुद्दे पर आधा घंटे की चर्चा का समय नहीं देते हैं तो हम ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय श्री जय सिंह राणा को छोड़कर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक-आउट कर गए।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

Deaths Occurred on Account of Pneumonia

***825. Shri Jai Singh Rana :** Will the Minister for Health be pleased to state the number of deaths of children occurred due to Pneumonia in the state during the last three years togetherwith the steps taken to prevent the said disease ?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) : राज्य में निमोनिया से बच्चों की मौतों का ब्यौरा निम्न प्रकार है :

1996-97	10
1997-98	10
1998-99	5
(दिसम्बर 1998 तक)	

निमोनिया की रोकथाम के लिए उठाए गए पग :

1. राज्य में राष्ट्रीय श्वासनली संक्रमण नियन्त्रण कार्यक्रम लागू किया गया है।
2. जन-समुदाय विशेषकर माताओं को निमोनिया के प्रारम्भिक लक्षणों बारे जागरूक किया जाता है।
3. मैडीकल तथा पैरा-मैडीकल कार्यकर्ताओं को श्वासनली संक्रमण की रोकथाम व उपचार हेतु प्रशिक्षित कर उनकी कार्यकुशलता को बढ़ावा दिया जाता है।

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि निमोनिया से मरने वाले बच्चों की आयु क्या है और जो राज्य में राष्ट्रीय संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम लागू किया गया है, इसके लागू करने के बारे में विस्तार से बतायें कि यह प्रोग्राम क्या है और किस-किस स्तर पर लोगों को इसका लाभ देने वाले हैं तथा निमोनिया की रोकथाम के लिए जो प्रोग्राम है उसको कैम्प लगाकर बता रहे हैं या घर-घर जाकर लोगों को इस बारे में बता रहे हैं। इसके बारे में विस्तार से बतायें।

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, निमोनिया बच्चे को तीन साल की आयु के बीच में ज्यादा होता है। जब निमोनिया होना होता है उससे पहले थोड़ी सी खांसी होती है अगर उस समय माता समझदार हो या जागरूक हो तो उस समय तुलसी, अदरक और निम्बू के रस को गरम पानी में मिलाकर पिला दे तो आराम आ जाता है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल पूछा है मैं उसका विस्तार से जवाब दे रहा हूं। निमोनिया के केसिज 1996-97 में ज्यादा थे अब उनमें काफी कमी आई है। स्वास्थ्य विभाग क्या करता है कि एक विटामिन-ए की गोली बच्चे को नौ माह का होने से पहले दे देता है उसके बाद एक गोली नौ महीने से 12 महीने के बीच में दे दी जाती है उसके बाद 15 महीने से 18 महीने के बीच में एक विटामिन-ए की गोली दे दी जाती है। तीन साल का बच्चा होने के बाद छः महीने के अन्तर पर एक गोली और दे दी जाती है। इस गोली को खाने के बाद बच्चे में निमोनिया के किटाणुओं के साथ लड़ने की शक्ति आ जाती है और उस बच्चे को निमोनिया होने की संभावना कम हो जाती है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : प्रो० सम्पत सिंह जी, जो नुस्खे महाजन साहब बता रहे हैं वे आपने लिख लिये। महाजन साहब आपने अपने जवाब में कुछ और कहना है या पूरा जवाब दे दिया है।

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी मेरे विभाग से संबंधित जो भी जानकारी लेना चाहेंगे वह मैं इनको दूंगा।

श्री अध्यक्ष : महाजन साहब, जो नुस्खे बता रहे हैं ये भी प्रश्न का एक पार्ट है और महाजन साहब बड़ी स्टैप्स बता रहे हैं। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, अब तो सारे स्टैप्स आ चुके हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप लोग बैठिये। श्री जय सिंह राणा आप कुछ और भी जानना चाहते हैं।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो कुछ मंत्री महोदय से जानना चाहा था उसका जवाब तो इन्होंने दिया नहीं। ये दवाइयों के बारे में बता रहे हैं, इन्होंने तो यहीं पर हॉस्पिटल खोल दिया।

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : राणा साहब, क्या आपको देसी नुस्खों में विश्वास नहीं है ?

श्री जय सिंह राणा : शर्मा जी मुझे तो देसी नुस्खों में बहुत ज्यादा विश्वास है। अध्यक्ष महोदय, मैंने मंत्री महोदय से जानना चाहा था कि जो बच्चे मरे हैं उनकी आयु क्या थी और मेरा दूसरा सवाल यह था कि इन्होंने राज्य में राष्ट्रीय श्वासनली संक्रमण नियन्त्रण कार्यक्रम लागू किया है जिसमें महिलाओं को जागरूक किया जायेगा। इस कार्यक्रम पर सरकार कितना पैसा खर्च कर रही है ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को इनके पहले सवाल के जवाब में बताना चाहता हूं कि जो बच्चे निमोनिया की वजह से मरे हैं उनकी आयु तीन साल से कम थी। जो इन्होंने दूसरा सवाल किया है उसके जवाब में मैं बताना चाहूंगा कि हमारे प्रदेश में गांव में जो महिलाएं आंगनवाड़ी चलाती हैं उनको मालूम होता है कि उस गांव में कौन-कौन महिला मां बनने वाली है इसलिए वह उन महिलाओं को, जो मां बनने वाली हैं, समझाती हैं कि छोटे बच्चों को निमोनिया या खांसी हो जाये तो उपचार कैसे किया जाये और इस बारे में मैंने आपको पहले बता दिया कि यह सब कुछ देसी नुस्खे से इलाज किया जाता है। जब बच्चे को निमोनिया या खांसी होती है तो उसको शहद, अदरक तथा तुलसी आदि की खुराक दी जाती है अगर तब भी ठीक न हो तो उसे कोटामौसा नामक गोली देते हैं अब इतनी सी बात को मेरे भाई समझते नहीं तो मैं क्या करूं।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने बताया कि 1996-97 में 10, 1997-98 में भी 10 और 1998-99 में 5 छोटे बच्चों की मौतें निमोनिया की वजह से हुई हैं। इनके अनुसार पिछले तीन साल में टोटल 25 मौतें हरियाणा प्रदेश में निमोनिया की वजह से हुई हैं क्या ये आंकड़े सही हैं। अध्यक्ष महोदय, एक गांव में ही छोटे-छोटे बच्चों की मौतें बहुत ज्यादा होती हैं। मुझे तो इनका रिकार्ड ठीक नहीं लगता।

श्री अध्यक्ष : श्री भागी राम जी, आप केवल सवाल पूछिये।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या ये हरियाणा के सभी अस्पतालों से या जो चौकीदार की किताब वगैरा होती हैं, उनसे दोबारा इन्कवायरी करवायेंगे कि पिछले एक साल में निमोनिया की वजह से कितने बच्चों की मृत्यु हुई है ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, यदि माननीय सदस्य की जानकारी में कोई स्पैसिफिक केस हो जो हमारी रिपोर्ट में एन्टर न हुआ हो तो बता दें।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी बहुत अनुभव रखते हैं और हर जगह जाते हैं तथा हर आदमी से मिलते हैं और मैं इनसे आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि क्या ये केसिज़ केवल मात्र वही केसिज़ है जिनकी निमोनिया से अस्पतालों में मृत्यु हो जाती है और डाक्टरों के पास रिकार्ड में आ जाती है क्योंकि जैसा भागी राम जी भी बता रहे थे और मैं स्पष्ट रूप से सवाल पूछ रहा हूं कि कुछ ऐसे भी गरीब परिवार होते हैं जो कि डाक्टरों के पास नहीं पहुंच पाते।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, स्टेटमैन्ट न दें, केवल सवाल पूछिये।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं सवाल यह पूछ रहा हूं कि क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि इनके पास कोई ऐसा पैमाना या तरीका है जिससे कि अस्पतालों के अलावा और जो बच्चे निमोनिया से मर जाते हैं उनका पता लगाया जा सके और जो मंत्री महोदय बता रहे थे कि पिछले तीन साल में जो तीन महीने, छः महीने या साल महीने के बाद जो गोलियां देते हैं, इन गोलियों पर कितना खर्च हुआ है ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, हमने 54 लाख खुराकें अपनी स्टेट के अन्दर बांटी हैं और ये गोलियां भारत सरकार देती है। माननीय सदस्य ने अस्पतालों में होने वाले बच्चों की मृत्यु के सम्बन्ध में जो पूछा है कि इसके अलावा जो बच्चे मर जाते हैं उनका कैसे पता लगाया जाता है। इस बारे में आपके माध्यम से मैं इनको बताना चाहूंगा कि हर गांव में ए०एन०एम० होती है और जिस ए०एन०एम० के नीचे जो गांव होता है उस गांव में कोई 1000-2000 की आबादी होती है और अगर किसी बच्चे की मृत्यु होती है तो उसे पता लग जाता है जिसकी रिपोर्ट वह सी०एच०सी० में देती है और सी०एच०सी० से अस्पताल में आती है और फिर वे यह रिपोर्ट गवर्नमैंट को भेजते हैं।

Opening of a Government College in Yamuna Nagar

***839. Shri Ramji Lal :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government, to open a Govt. College in District Yamuna Nagar;

(b) whether the Govt. has introduced any policy to provide free Education to the Girls upto B.A. level; if so, the details thereof; and

(c) the number of posts of teachers lying vacant in Govt. Primary Schools, Middle, High and Senior Secondary Schools in District Yamuna Nagar at present together with the time by which these are likely to be filled up.

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) :

(क) जी नहीं।

(ख) जी हां। हरियाणा राज्य में स्नातक स्तर तक लड़कियों से ट्यूशन फीस नहीं ली जाती।

(ग) जिला यमुनानगर में 517 पद रिक्त हैं जिनका विवरण निम्न अनुसार है :

(1) प्राईमरी स्कूल्ज	298 पद
(2) मिडल स्कूल्ज	30 पद
(3) हाई स्कूल्ज	50 पद
(4) हायर सैकेण्डरी स्कूल्ज	139 पद

इन पदों को शीघ्र भरने बारे पूरे प्रयत्न किये जा रहे हैं।

एस०एस०एस० बोर्ड से कुछ सूचियां हमारे पास आ गई हैं और एच०पी०एस०सी० से कुछ सूचियां भी हमारे पास आ गई हैं। हम निकट भविष्य में रिक्त स्थानों को भरने जा रहे हैं।

श्री रामजी लाल : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेरे सवाल के जवाब में कहा है कि हरियाणा राज्य में स्नातक स्तर तक लड़कियों से ट्यूशन फीस नहीं ली जाती जबकि हरियाणा सरकार की यह घोषणा है कि हरियाणा राज्य में लड़कियों को बी०ए० तक मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। मंत्री जी ने जो मेरे सवाल

[श्री रामजी लाल]

का जवाब दिया है वह हरियाणा राज्य के उन बच्चों के साथ कोरा मजाक है। मैं जानना चाहता हूं कि जब हरियाणा सरकार की यह घोषणा है कि बी०ए० तक लड़कियों को मुफ़्त शिक्षा दी जाएगी तो इस ट्यूशन फीस का क्या मतलब है। लड़कियों से किस परपज के लिए फीस नहीं ली जाती ?

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा राज्य में लड़कियों की बी०ए० तक शिक्षा फ्री है।

श्री रामजी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेन सवाल के जवाब में यह दर्शाया गया है कि हरियाणा राज्य में स्नातक स्तर तक लड़कियों से ट्यूशन फीस नहीं ली जाती। यदि हरियाणा राज्य में लड़कियों को बी०ए० तक मुफ़्त शिक्षा दी जाती है तो इन्होंने जवाब में ट्यूशन फीस क्यों कहा है ?

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जैसे सवाल पूछा है उसका वैसा ही जवाब दिया गया है। हरियाणा राज्य में राजकीय महाविद्यालय, विद्यालय और प्राथमिक विद्यालय किसी में लड़कियों से फीस नहीं ली जाती है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, ये दो अलग अलग बातें हैं कि हरियाणा राज्य में लड़कियों को बी०ए० तक की शिक्षा फ्री दी जाती है और ट्यूशन फीस नहीं ली जाती। मंत्री जी यह मानते हैं कि लड़कियों से ट्यूशन फीस नहीं ली जाती। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि कालेज में बी०ए० पार्ट-I यानि 13वीं क्लास के लड़कों से दूसरे फण्ड जैसे बिल्डिंग फण्ड, कल्चरल फण्ड इस तरह के कई फण्डज हैं उनको ट्यूशन फीस के साथ मिला कर कितना पैसा लिया जाता है और उसमें ट्यूशन फीस का पैसा शामिल न करके कितना पैसा लिया जाता है ?

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, रामजी लाल जी का सवाल लड़कियों को शिक्षा के बारे में था लेकिन मैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को बताना चाहूंगा कि फीस के कुछ स्वरूप फण्डज भी होते हैं जो फीस नहीं कहलाते। हरियाणा राज्य में लड़कियों से मंथली कोई फीस नहीं ली जाती।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 13वीं जमात के बच्चे से दूसरे फण्डज को ट्यूशन फीस में इनकल्यूड करके कितने पैसे लिए जाते हैं और ट्यूशन फीस इनकल्यूड न करके कितने पैसे लिए जाते हैं ?

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि फ्री एजुकेशन के मायने हैं कि कॉलेजिज में लड़कियों से किसी तरह की कोई फीस नहीं ली जाती है। कुछ फण्डज ऐसे होते हैं जैसे साईकिल स्टैंड फण्ड है बिल्डिंग फण्ड है उनके बारे में यदि ये जानकारी चाहते हैं तो अलग से नोटिस दे दें इनको बता दिया जाएगा।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य रामजी लाल जी ने साफ पूछा है कि—

> "Whether the Govt. has introduced any policy to provide free Education to the Girls upto B.A. level; if so, the details thereof; and"

It is very simple.

श्री राम विलास शर्मा : मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि लड़कियों को मुफ़्त शिक्षा देने के मायने हैं। (शोर) अगर आप सुनना नहीं चाहते तो आपकी मर्जी है। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : मायने नहीं आप सही जवाब दें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी आप प्रोफैसर रहे हैं इसलिए आप जानते है कि ट्यूशन फीस और दूसरे फण्डज में क्या फर्क है। (शोर)

Shri Sampat Singh : I know, Sir.

श्री अध्यक्ष : आप भी वहां रहे हैं और हम भी वहां रहे हैं।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, दाखिले के समय लड़कियों से कोई पैसा नहीं लिया जाता है और न ही उनसे कोई फीस ली जाती है। अनुसूचित जातियों और जनजातियों के बच्चों को और घुमन्तु परिवारों के बच्चों को उपस्थिति का एक रुपया प्रोत्साहन के रूप में दे रहे हैं।

15.00 बजे **Mr. Speaker :** Questions Hour is over.

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Quota of Kerosene Oil

***846. Shri Krishan Lal :** Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state—

(a) the quota of Kerosene Oil received to State during the year 1997 and 1998 separately;

(b) whether the State Government has made any correspondence with the Central Government to increase the quota of Kerosene Oil; if so, the details thereof;

(c) whether any raids on the depot holders were conducted in the State during the year 1998; if so, the districtwise number thereof, and

(d) whether any depot holders out of those referred to in part (c) above were found selling kerosene oil in black marketing; if so, the action taken against them ?

Food and Supplies Minister (Shri Ganeshi Lal) :

(a) to (d) : A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) the details of quantity of kerosene oil allotted and lifted/distributed in the State during the year 1997 and 1998 are as follows :

(Fig. in Kilo litres)

Year	Quantity allotted	Quantity lifted/ distributed
1997-98	2,13,635	2,12,183
1998-99 (upto December, 1998)	1,64,385	1,63,503

[Shri Ganeshi Lal]

(b) Yes, Sir. The State Govt. wrote to the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Govt. of India on 5-3-97 to increase the monthly quota to 28,000 K.L. On 12-5-98 the matter was again taken up with Govt. of India for increase of monthly quota to 30,000 K.L. This demand was also pressed for acceptance in Chief Minister's conference held on 27-11-98 at New Delhi. So far, the Govt. of India has not responded.

(c) 983 raids/surprise checks of the depot holders were conductd during the year 1998.

(d) 169 depot holders were found over-charging/doing black marketing of kerosene oil. The details of actiou taken against the defaulting depot holders are given below :—

(1)	FIRs lodged	— 22
(2)	Supplies suspended	— 60
(3)	Depots cancelled	— 32
(4)	Secuity forfeited	— 143 (No. of depot holders)
(5)	Amount of security forfeited	— Rs.1,54,643

Panchayati Raj

***867. Shri Kailash Chander Sharma :** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to empower the Panchayati raj in accordance with the Haryana Panchayati Raj Act, 1994; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to give the facilities of Traveling Allowance to the members of Zila Parishad ?

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह) :

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) हरियाणा पंचायती राज वित्त, बजट, लेखा, आडिट, कार्यान एवं संकर्म नियम, 1996 के तहत जिला परिषद के सदस्य पहले से ही यात्रा भत्ता के पात्र हैं।

Construction of By-pass, Ambala Cantt.

***854. Shri Anil Vij :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to

construct a by-pass at Ambala Cantt. connecting Ambala-Jagadhri road with National Highway No. I; if so, the time by which it is likely to be constructed ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : नहीं, श्रीमान जी।

Allocation of Sugar Cane Area

***882. Shri Ashok Kumar :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any criteria to allocate cane growing area to Sugar Mills for purchasing of sugar cane has been fixed; if so, the details thereof; and

(b) whether it is a fact that the area of Badshami, Jandhera, Sura, Mehra, Alipur, Prahlad Pur and some other villages have been included in the Piccadily Sugar Mill, Bhadson after excluding from Saraswati Sugar Mill of Yamuna Nagar; if so, the reasons thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) :

(क) तथा (ख) : सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

(क) जी हां, श्रीमान जी। जब भी कोई नई चीनी मिल लगाई जाती है, तब इस चीनी मिल के लिए एक निश्चित क्षेत्र निर्दिष्ट करना जरूरी होता है। इस क्षेत्र को चीनी मिल की पिराई क्षमता को ध्यान में रखते हुये निर्दिष्ट किया जाता है ताकि पिराई मौसम में इसकी आवश्यकतानुसार गन्ने की पर्याप्त आपूर्ति को सुनिश्चित बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त क्षेत्र निर्दिष्ट करते समय निर्दिष्ट प्रस्तावित क्षेत्र की फैक्टरी से दूरी, गन्ने के लिए यातायात सुविधाओं तथा पहले से कार्यरत फैक्टरी क्षेत्रों के बीच मण्डलीय प्रबन्धों को भी ध्यान में रखा जाता है। हरियाणा गन्ना (खरीद एवं आपूर्ति का नियमन) अधिनियम, 1992 के नियम 10 के अधीन गन्ना नियन्त्रण बोर्ड, हरियाणा को किसी विशेष फैक्टरी के लिए क्षेत्र निर्दिष्ट करने या पहले से निर्दिष्ट क्षेत्र की सीमा को संशोधित करके और निर्दिष्ट किये गये क्षेत्र बारे पहले के आदेशों को रद्द करने की शक्तियां प्रदान की गई हैं।

(ख) जी हां, श्रीमान् जी। वर्ष 1995-96 के पिराई मौसम में चीनी मिल, यमुनानगर, करनाल तथा शाहाबाद के सीमावर्ती जिला करनाल के भादसों गांव में 2500 टन की प्रतिदिन पिराई क्षमता वाली नई चीनी मिल स्थापित की गई थी। भादसों चीनी मिल अर्थात पिक्काडली एग्रो इन्डस्ट्रीज लि० भादसों के चालू होने से पहले इस मिल के आसपास वाले क्षेत्रों में उगाया जाने वाला गन्ना इन सीमावर्ती चीनी मिलों द्वारा खरीदा जाता था। भादसों में चीनी मिल लगने के बाद इस चीनी मिल की 12.5 किलोमीटर परिधि क्षेत्र में पड़ने वाले क्षेत्र को विकसित करने के उद्देश्य से गन्ना नियन्त्रण बोर्ड, हरियाणा द्वारा इस मिल के लिए क्षेत्र निर्दिष्ट किया गया तथा तदनुसार विकास गतिविधियां आरम्भ की गई थी। तत्पश्चात इस चीनी मिल ने अपनी पिराई क्षमता 2500 टन से बढ़ाकर 3500 टन प्रतिदिन कर दी। चीनी मिल की पिराई क्षमता में हुई वृद्धि को मद्देनजर रखते हुये पहले से निर्दिष्ट क्षेत्र में गन्ने की उपलब्धता, आगे के लिए काफी नहीं थी। इसलिये हरियाणा गन्ना खरीद एवं आपूर्ति अधिनियम, 1992 के नियम 10 के अधीन

[श्री बंसी लाल]

प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गन्ना नियन्त्रण बोर्ड, हरियाणा ने सरस्वती चीनी मिल, यमुनानगर के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र के 21 गांव जिसमें बड़शामी, जन्धेड़ा, सूरा, मेहरा, अलीपुर, प्रहलादपुर गांव शामिल थे, को पिंकाडली चीनी मिल, भादसों के लिए निर्दिष्ट कर दिया।

Opening of Bus Depot at Jhajjar

***891. Shri Dhir Pal Singh :** Will the Minister for Transport be pleased to State whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Bus Depot at Jhajjar; if so, the time by which it is likely to be opened ?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण पाल) : नहीं, श्री मान जी।

Link Drain

***885. Shri Siri Kishan Hooda :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to dig out a link drain from villages Chirri, Gharothi to Bhagwatipur for draining out the rainy water ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : नहीं, श्रीमान जी।

Cancellation of Notification

***904. Shri Nafe Singh Rathee :** Will the Minister for Town & Country Planning be pleased to state whether it is a fact that the notification issued under sections 4 & 6 for acquisition of land for the construction of Auto-Market in Bahadurgarh has been cancelled; if so, the reason thereof ?

नगर तथा ग्राम आयोजना मन्त्री (सेठ सिरी किशन दास) : हां, यह तथ्य ठीक है कि बहादुरगढ़ में आटो मार्किट की स्थापना के लिये भूमि को अधिग्रहण करने हेतू भूमि अभिग्रहण एक्ट, 1894 के अन्तर्गत धारा-4 व 6 की अधिसूचनायें क्रमशः 26-10-94 तथा 25-10-95 को जारी कराई गई थी। तदोपरान्त भू-स्वामियों के प्रतिवेदन पर सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि इस भूमि को उपरोक्त उद्देश्य के लिये अभिग्रहण ना किया जाये, क्योंकि यह भूमि सामान्यतः अनुसूचित जाति/पिछड़ी जातियों के गरीब वर्ग से सम्बन्धित थी तथा इस भूमि को अधिग्रहण करने उपरान्त भू-स्वामियों के पास आजिविका कमाने का कोई दूसरा साधन नहीं रह जाता। परिणाम-स्वरूप यह भूमि अधिग्रहण अधिसूचना रद्द कर दी गई थी।

Providing of Bus Route Permits to Cooperative Societies

***888. Shri Ram Pal Majra :** Will the Minister for transport be pleased to state—

(a) whether any decision has been taken by the Government to allot bus Route Permit to the Co-operative Societies; and

(b) if so, the criteria adopted for the purpose ?

परिवहन मन्त्री (श्री कृष्ण पाल गुर्जर) :

(क) हां, श्रीमान् जी।

(ख) परमिट मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 71(3)(घ) के अन्तर्गत दी गई प्रक्रिया के अनुसार अलाट किये जायेंगे।

Completion of Water Works of Saman Village

***897. Shri Balbir Singh :** Will the Minister for Public Health be pleased to state whether there is any proposal to construct a water course from Jui feeder to water works of Saman Village of district Rohtak; if so, the time by which it is likely to be completed ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : जी हां। जुई फीडर से गांव सीमण जिला रोहतक के जलघर तक विकल्प इनलैट चैनल बनाने का एक प्रस्ताव विभाग के विचाराधीन है। इस कार्य के लिए 35.00 लाख रुपये की योजना तैयार की गई है। यह कार्य केवल तभी आरम्भ किया जा सकेगा जब सिंचाई विभाग 4.7 क्यूसिक नहरी पानी जुई फीडर से आवंटित करेगा।

Providing of Compensation

***911. Shri Balwant Singh :** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the farmers of Beri & Hassangarh constituencies could not sow their crops due to the rainy/flood water still standing in their fields; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to give compensation to these farmers as referred to in part (a) above ?

राजस्व मंत्री (कंवर सूरजपाल सिंह) :

(क) बेरी निर्वाचन क्षेत्र में केवल 210 एकड़ तथा हसनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में 105 एकड़ भूमि में वर्षा/बाढ़ का पानी खड़ा होने के कारण फसलों की बुआई नहीं हो सकी। शेष क्षेत्र में कोई समस्या नहीं थी।

(ख) जी, नहीं।

Number of ITIs in the State

***917. Smt. Kartar Devi :** Will the Minister for Industrial Training be pleased to state—

(a) the number of ITIs opened in the State during the year 1996-97 and 1998 together with the names of the places where these have been opened; and

[Smt. Kartar Devi]

(b) the time by which the construction work of the sanctioned building of ITI in Kalanaur will be started ?

औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा मंत्री (श्री वृज मोहन सिंगला) :

(क) 1996-97 में राज्य में कोई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नहीं खोला गया। 1997-98 में 3 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (महिला) कैथल, आदमपुर (जिला फतेहाबाद) एवं रिवाड़ी में खोले गये थे।

(ख) इस समय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कलानौर के भवन निर्माण का कार्य करवाने का प्रस्ताव नहीं है।

Persons Living below Poverty Line

***929. Shri Ramesh Kumar**
Shri Ram Pal Majra } : Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state whether any survey has been conducted in the State during the current year to find out the persons living below poverty line; if so, the criteria adopted for the purpose ?

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री (श्री गणेशी लाल) : हां, श्री मान् जी।

जिस व्यक्ति की मासिक आय ग्रामीण क्षेत्र में 289.31 रुपये है और शहरी क्षेत्र में 337.42 रुपये है, उसे गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाला विचारा गया है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों की पहचान करते समय उपरोक्त आय मापदण्ड से अलग मापदण्ड भी विचारा गया है। ग्रामीण क्षेत्र में उस परिवार को गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाला नहीं विचारा जायेगा यदि वह :

(क) 2 हैक्टेयर से अधिक जमीन प्रचालन करता है,

या

(ख) इन्दिरा आवास योजना या ग्रामीण गरीब के लिए अन्य कोई राजकीय स्कीम के तहत पक्के मकान के अतिरिक्त उसका अपना पक्का मकान है,

या

(ग) टेलीविजन, रैफ्रिजरेटर, मोटर साईकिल/स्कूटर या श्री व्हीलर में से कोई एक रखता है,

या

(घ) ट्रैक्टर, पावर टिल्लर या कम्बाईंड थ्रेशर/हारवेस्टर में से कोई एक रखता है।

Vacant Post of Teachers

***935. Shri Jaswinder Singh Sindhu :** Will the Minister for Education be pleased to state the number of posts of teachers lying vacant in Primary Schools and High Schools in Pehowa constituency at present togetherwith the time by which the abovesaid posts are likely to be filled up ?

शिक्षा मन्त्री (श्री गम बिलास शर्मा) : सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

पिहोवा विधानसभा क्षेत्र में अध्यापकों के वर्ग-वार रिक्त पदों की संख्या इस प्रकार से है :—

क्रम संख्या	शिक्षक वर्ग	रिक्ति संख्या	
1.	मुख्याध्यापक	2	
2.	सामाजिक अध्ययन अध्यापक	8	
3.	विज्ञान अध्यापक	2	
4.	गणित अध्यापक	2	27 (उच्च विद्यालयों में)
5.	पी०टी०आई० अध्यापक	2	
6.	आर्ट एण्ड क्राफ्ट अध्यापक	4	
7.	हिन्दी अध्यापक	4	
8.	संस्कृत अध्यापक	3	
9.	हैड टीचर प्राथमिक	19	71 (प्राथमिक विद्यालयों में)
10.	जे०बी०टी० अध्यापक	52	

रिक्त पदों को पदोन्नति एवं सीधी भर्ती द्वारा शीघ्र भर दिया जाएगा।

Supply of Electricity

***947. Rao Narinder Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state the total hours in a day electricity being supplied to the farmers of district Mohindergarh ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : श्रीमान जी, जिला महेन्द्रगढ़ के किसानों को कृषि सम्बन्धी नलकूपों को चलाने के लिए एक दिन में औसतन 8 से 10 घंटे बिजली दी जाती है।

Construction of a New Road from Chattana to Khirajpur Jat Majra

***793. Shri Dev Raj Dewan :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new road from village Chattana to village Khirajpur Jat Majra in Sonipat district; and

(b) if so, the time by which it is likely to be constructed ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : नहीं, श्रीमान जी।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Realisation of House Tax

63. Shri Anil Vij : Will the Minister for Local Government, be pleased to state—

(a) whether it is a fact that amount of House Tax, Rent and Tehbazari is pending for realisation in Municipal Committees of the State; and

(b) if so, the amount as referred to in (a) above is pending with class 'A' Municipal Committees on 31-12-98 together with the time by which above said amount will be realised ?

स्थानीय शासन मंत्री (डा० कमला वर्मा) :

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) नगरपरिषदों में दिनांक 31-12-1998 को गृहकर तथा किराया की 1374.90 लाख रुपये की राशि वसूली के लिए लम्बित है। गृहकर तथा किराया के बकाया की वसूली एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है तथा यह आशा की जाती है कि इस बकाया की वसूली शीघ्र ही कर ली जायेगी।

Strength of Science Students

64. Shri Anil Vij : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the strength of science students is decreasing gradually in govt. and private schools of the State; if so, the reasons thereof.

(b) the percentage of science students out of total students who passed matric in the years 1976-77, 1981-82, 1986-87, 1991-92 and 1996-97; and

(c) the steps taken or proposed to be taken to improve the number of science students ?

शिक्षा मन्त्री (श्री राम विलास शर्मा) :

(क) यह सत्य है कि राज्य के राजकीय विद्यालयों में साईंस पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या धीरे-धीरे कम होती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में व्यापार व उद्योगों में काफी व्यवसाय होने से विद्यार्थी वाणिज्य एवं मानविकी विषयों की ओर आकर्षित हुये हैं क्योंकि व्यापार व उद्योगों आदि में व्यवसाय मिलने के अधिक अवसर इसका मुख्य कारण रहे हैं। दूसरी ओर साईंस के विद्यार्थियों को व्यवसाय के अवसर इन्जिनियर, मैडिकल विषय एवं खोज तथा तकनीकी क्षेत्रों में हैं।

इन्जिनियरिंग, मैडिकल कालेज तथा तकनीकी संस्थाओं में प्रवेश के लिये कठिन प्रतियोगिता होने की वजह से साईंस के विद्यार्थी उचित व्यवसाय प्राप्त करने में कठिनाई

का सामना कर रहे हैं। यद्यपि साईंस के अध्ययन के लिये काफी मेहनत, कठिन परिश्रम तथा अधिक खर्चीला होने पर भी व्यवसाय के अवसर कठिन प्रतियोगिता होने के कारण कम हैं। इसलिये विद्यार्थियों में साईंस की बजाय वाणिज्य विषय लेने की सादृश्य प्रवृत्तियां पाई गई हैं। साईंस के विद्यार्थियों को नियमित रहना पड़ता है जबकि तकनीकी एवं वाणिज्य विषयों को पढ़ने वाले विद्यार्थी अपनी योग्यता पत्राचार व प्राईवेट अध्ययन तथा घर पर रह कर भी प्राप्त कर सकते हैं इसलिये यह तथ्य भी नान-साईंस विषयों में जाने से सम्बन्धित है।

(ख) दसवीं कक्षा के विज्ञान के छात्रों के सम्बन्ध में व्यक्त किया जाता है कि दसवीं कक्षा में अलग साईंस ग्रुप नहीं हैं। इसके अतिरिक्त साईंस विषय दसवीं कक्षा के अध्ययन स्कीम में एक अनिवार्य विषय है। फिर भी वर्ष 1976-77, 1981-82, 1986-87, 1991-92 व 1996-97 की दसवीं कक्षा की परीक्षाओं में बढ़ने वाले परीक्षार्थियों का ब्यौरा इस प्रकार से है :—

वर्ष	परीक्षा में बैठने वाले नियमित विद्यार्थियों की संख्या	पास विद्यार्थी	पास प्रतिशतता
1976-77	65887	25726	39.05
1981-82	82938	56038	67.57
1986-87	109158	80666	73.90
1991-92	192057	146314	76.18
1996-97	212020	111298	52.49

(ग) साईंस विषय को अधिक लोकप्रिय एवं आकर्षित बनाने हेतु निम्न पग उठाये गये हैं :—

1. विद्यालयों में अलग से विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना। विज्ञान के विषयों जैसे भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव-विज्ञान के लिये वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में अलग से प्रयोगशालायें स्थापित की गई हैं।
2. विज्ञान अध्यापकों की नियमित आधार पर नियुक्तियां की गई हैं तथा जिन विद्यालयों में विज्ञान के विद्यार्थी हैं उनमें विज्ञान अध्यापकों को उपलब्ध करवाने के प्रयत्न किये गये हैं।
3. हर वर्ष उपमण्डल, जिला एवं राज्य स्तर पर साईंस प्रदर्शनी आयोजित की जाती है और विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को प्रशंसा पत्र व ईनाम दिये जाते हैं।
4. शैक्षिक वर्ष 1997-98 के दौरान राज्य में राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसमें विज्ञान के विद्यार्थी तथा अध्यापकों ने सारे भारतवर्ष से अपने नमूनों सहित भाग लिया और यह प्रदर्शनी एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई, सचिव साईंस एवं टैक्नालोजी, भारत सरकार इसके उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे।

[श्री राम बिलास शर्मा]

5. विद्यालय पुस्तकालयों को भौतिकी, रसायन शास्त्र, जीव-विज्ञान, गणित, भू-गर्भ विज्ञान विषयों की अच्छी तथा व्यापक पुस्तकों से सुदृढ़ किया गया है।

6. प्रयोगों पर विशेष बल दिया गया। सभी विद्यार्थियों के लिये साईंस की प्रयोगशाला में प्रयोग करने आवश्यक हैं। एक परीक्षार्थी को तभी साईंस विषय में उत्तीर्ण किया जाता है जब वह थ्योरी के साथ साथ प्रायोगिक परीक्षा में भी पास होता है।

7. विज्ञान अध्यापकों को पढ़ाने की नई तकनीक जैसे कि डैमोंस्ट्रेशन विधि आदि द्वारा पढ़ाने के लिये जोर दिया जाता है।

8. हर वर्ष राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का एन०सी०ई०आर०टी० द्वारा आयोजन किया जाता है जिसमें वर्ष 1997-98 के दौरान हरियाणा के विद्यार्थियों को एस०सी०ई०आर०टी० गुड़गांव द्वारा प्रशिक्षित करने उपरान्त भाग लेने पर महाराष्ट्र के विद्यार्थियों सहित उत्कृष्ट घोषित किया गया है।

9. साईंस शिक्षा के अध्ययन को उन्नत करने हेतु हर जिले में एक जिला साईंस विशेषज्ञ का पद बनाया गया है।

Alternative Source for Supply of Electricity to Ambala Cantt.

65. Shri Anil Vij : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide another alternative source for supplying of electricity to Ambala cantt. other than the BBMB 220 KVA Dhulkote sub-division; and

(b) if so, the details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) :

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) अम्बाला कन्टोनमैंट तथा उसके आसपास के क्षेत्र की बिजली की आपूर्ति की समस्या 220 के०वी० भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड से मुख्यतया ब्यास इन्डियन आयल कार्पोरेशन तथा औद्योगिक क्षेत्र, अम्बाला कन्टोनमैंट में स्थित वर्तमान 66 के०वी० उपकेन्द्र को बिजली देने की क्षमता/फीडिंग की बाधाओं के कारण है। उपरोक्त उपकेन्द्रों को बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए टेपला, अम्बाला कन्टोनमैंट में एक 220 के०वी० उपकेन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव है जिससे अम्बाला कैन्टोनमैंट के आसपास के क्षेत्रों को बिजली देने की उपलब्धता तथा उसकी विश्वसनीयता दोनों में सुधार आएगा।

हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम द्वारा प्रस्तावित 220 के०वी० उपकेन्द्र के लिए 17 एकड़ भूमि का अभिग्रहण पहले ही कर लिया गया है। प्रस्तावित उपकेन्द्र की स्थापित क्षमता 200 एम०वी०ए० है तथा इस परियोजना की अनुमानित लागत 3.37 करोड़

रुपए है जिसमें अब्दुलाहपुर/समीप यमुनानगर से टेपला तक लगभग 45 किलोमीटर 220 के०वी० लाइन की लागत भी शामिल है। यह कार्य विश्व बैंक के द्वितीय चरण के वित्तीय पैकेज के अन्तर्गत किया जाना है जिसे दिसम्बर 2001 तक चालू किया जाना निर्धारित है।

स्थगन प्रस्ताव/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों/अल्पावधि चर्चा की सूचनाएं

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने तथा 14 अन्य विधायकों ने एक स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। मैं आपकी मार्फत सदन का ध्यान एक ऐसे विषय की तरफ दिलाना चाहूंगा जिसका पिछले अधिवेशन में भी जिकर आया था। अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में मैंने पर्टिकुलर इसी धौतड़ गांव का मामला उठाया था। लेकिन उस वक्त भी कोई संतोषजनक ढंग से सरकार इसका उपचार नहीं कर पाई। उसी का परिणाम है कि उस धोतड़ गांव में जहां पहले 32 लोग पीलिये की बीमारी के कारण मरे थे अब फिर वहां पर 5 लोग मर चुके हैं। एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री महोदय ने बताया कि पूरे प्रदेश में जो हम पानी सप्लाई कर रहे हैं उसमें कहीं पर बाढ़ का पानी आ जाता है तो कहीं पर पाईप टूट जाते हैं जिस कारण गन्दा पानी लोगों को पीने को मिलता है। आज ये खुले खालों के द्वारा पीने का पानी लोगों को दे रहे हैं। यह बड़ा अहम मुद्दा है कि हमारे जो वाटर वर्क्स हैं वे ठीक नहीं हैं।

श्री अध्यक्ष : आपने जो एडजर्नमैंट मोशन दिया है that has been converted into calling attention motion No. 13 and fixed for 5th of this month. Now, please take your seat.

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अयक्ष महोदय, लीडर ऑफ दि अपोजीशन ने जो बात कही है वह ठीक है। धौतड़ गांव का मामला बड़ा सीरियस मामला है। इसके लिए पिछले साल भी हमने कोशिश की थी। इसके लिए हमने आल इण्डिया मैडिकल इन्स्टीच्यूट से डाक्टर भी भेजे थे। हमने वहां पर रिसर्च करवायी थी कि किस कारण वहां पर लोगों में पीलिये की बीमारी फैली। अब फिर मैंने एक दिन इसी गांव के बारे में अखबार में देखा कि वहां पर फिर लोगों में पीलिया हो गया है। यह सीरियस बात है। हम इसका हल निकालेंगे और इसमें हम लीडर आफ दी अपोजीशन को भी शामिल करेंगे या ये अपना कोई आदमी भेज दे। हम पूरी सैटीसफैक्शन से काम करेंगे।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार के ध्यान में लाना चाहूंगा कि पंजाब की फैक्टरियों का गन्दा जहरीला उबलता हुआ पानी घग्गर से होता हुआ सिरसा जिले में पहुंच रहा है। इतना ही नहीं यह पानी ओटू नहर में भी जाता है। इस गन्दे पानी के कारण जो हमारी नहरों में भी जाता है पीने का पानी खराब होता है और दूसरे हमारी खेती की जो जमीन है वह भी इस पानी के आने के कारण खराब हो रही है। इसी गन्दे पानी की वजह है कि मंत्री महोदय ने जो पानी के सैम्पल लिए थे वे भी फेल हुए। मैं जानना चाहूंगा कि क्या घग्गर में जो गन्दा पानी पंजाब का आ रहा है उसकी रोकथाम के लिए कोई पग सरकार ने उठाये हैं ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी बात से सहमत हूं कि घग्गर में कन्टैमिनेटिड वाटर बहुत आता है। पहले यह बनूर से आता था और अब भी आ रहा है। इस बारे में हमने पंजाब सरकार को चिट्ठी भी लिखी है और उनसे बात भी की है। अब कई और स्थानों से उनकी फैक्टरियों का पानी

[श्री बंसी लाल]
घग्गर के माध्यम से हमारे यहां पर आ रहा है। परवाणू से भी आ रहा है इसी प्रकार से मारकण्डा में कालाआम के पास से भी आ रहा है। इस मामले को हमने भारत सरकार के साथ टेकअप किया है। इसके साथ-साथ हिमाचल सरकार और पंजाब सरकार के साथ भी टेकअप किया है। इस गंदे पानी की वजह से अकेले धौतड़ में ही नुकसान नहीं हुआ बल्कि इस गन्दे पानी ने तो हनुमानगढ़ में भी तबाही मचायी है। हम इसे बड़ा सीरियस मामला समझते हैं और इसके हल के लिए हम इसमें अपोजीशन को इन्वाल्व करके कोई समाधान निकालने की कोशिश करेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह गन्दा पानी केवल घग्गर में ही नहीं जाता बल्कि आगर कैनाल, जमुना कैनाल और जितनी भी हमारी दूसरी नदियां हैं उन सभी में आता है। * * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी आप बैठिये। आप बगैर परमिशन के बोल रहे हैं। आप बैठें। चौटाला साहब जो बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

Shri Bhagi Ram : * * * * * * *

Mr. Speaker : Bhagi Ram ji, your calling attention motion has been sent to the Government for comments. Nothing to be recorded.

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह मामला आपने गवर्नमैंट को भेज दिया है इस पर भी डिस्कशन हो जाएगी। इसके साथ ही मैंने एक और अहम मुद्दे पर कॉलिंग अटैंशन मोशन दिया था। हरियाणा प्रदेश के प्लेयरज़ एशियन गेम्ज़ में गोल्ड मैडल ले कर आए हैं। अध्यक्ष महोदय, खेल प्रेमी बहुत ही चिन्तित हैं कि जो हमारे प्राईमरी खेल हुआ करते थे जैसे कबड्डी, हाकी, वॉलीबाल और रैस्लिंग जैस खेल हमारी स्टेट से खत्म होते जा रहे हैं। आप स्वयं इस लाईन से जुड़े हुए हैं। पहले ऐशियन गेम्ज़ में 6-7 गोल्ड मैडल्ज़ केवल रैस्लिंग में ही हुआ करते थे लेकिन आज रैस्लिंग का खेल बिल्कुल खत्म हो गया है और नक्शे से रैस्लिंग की स्कीम ही खत्म हो गई है। (विघ्न एवं शोर)

Mr. Speaker : Your calling attention motion has been disallowed.

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, बच्चे मेहनत करते हैं, आप खुद इस फील्ड से जुड़े रहे हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपने पहले भी यह मुद्दा उठाया था और वह रिकार्ड पर आ गया है इसलिए आप अब अपनी सीट पर बैठें (विघ्न एवं शोर) Do not try to speak without permission of the Chair. Now Shri Ashok Kumar will speak.

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक कॉलिंग अटैंशन मोशन था। सात तारीख को शाहबाद के अन्दर एक लड़के की हत्या हो गई थी और रोष स्वरूप जो लोग प्रदर्शन कर रहे थे उनके ऊपर डकैती और राजद्रोह जैसे संगीन मुकद्दमें बनाए गए हैं। आज शाहबाद के लोगों में पूरी तरह से दशहत छाई हुई है। जिनके खिलाफ मुकद्दमें बनाए गए हैं उनमें 10 के नाम और बाकी अन्य लिखा गया है। बाकी अन्यों के बारे में कुछ निश्चित नहीं है अन्यों के नाम पर पुलिस लोगों को तंग कर रही है और लोगों पर पुलिस द्वारा ज्यादतियां की जा रही हैं और लोगों को पुलिस द्वारा लूटा जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चाहूंगा कि सरकार इस पर अपना ध्यान दे। (विघ्न एवं शोर)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

Mr. Speaker : Ashok Kumar ji, your calling attention motion regarding atrocities by police in Shahabad, Distt. Kurukshetra, has been disallowed.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरी तीन कालिंग अटैंशन मोशन्ज़ थीं। (विघ्न एवं शोर)

Mr. Speaker : Capt. Ajay Singh ji, your all the three calling attention motions had been disallowed. Zero hour is over.

Hon'ble Members, now discussion on Governor's Address will be resumed and I request Mr. Risal Singh to speak. (Interruptions).

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह जीरो आवर है। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Now, Zero Hour is over. Please take your seat.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने की परमिशन दी थी। (शोर)

Mr. Speaker : Capt. Sahib, your Calling Attention Notice has been disallowed. Please take your seat. (Interruptions). अब रिसाल सिंह जी बोलेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी एक सबमिशन सुन लें। सर, आपको पूरा अधिकार है कि आप किसी की बात सुने या न सुने। किसी की काल अटैंशन मोशन को अलाऊ करें या डिसअलाऊ करें। लेकिन इसका आप कोई क्राईटेरिया फिक्स करें कि आप किस हिसाब से अलाऊ करते हैं और किस हिसाब से डिसअलाऊ करते हैं ताकि हम उस हिसाब से आपको लिखकर भेज सकें। आप कृपा करके इस बारे में गौर करें। (विघ्न) इसके साथ ही मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि आप सतपाल सांगवान को अध्यक्ष बना दें। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Now, I again request Mr. Risal Singh to speak.

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन है।

श्री अध्यक्ष : बीरेन्द्र सिंह जी कल आपको 64 मिनट दिए थे और इतना समय किसी को नहीं दिया गया है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : * * * * * * * *।

श्री अध्यक्ष : जो कुछ भी बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं व्यवधान) सुर्जेवाला जी आप बैठ जाएं। आपने जो शार्ट डूरेशन डिस्कशन का नोटिस 3 बजे दिया था वह डिसअलाऊ हो गया है। (शोर एवं व्यवधान) आप सब बैठ जाएं। सुर्जेवाला जी बैठ जाओ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बीरेन्द्र सिंह : * * * * * * * *।

Mr. Speaker : Please take your seat. Now, Shri Risal Singh will speak. (Interruptions) बीरेन्द्र सिंह जी, अब आप बैठें और श्री रिसाल सिंह जी को बोलने दें।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री रिसाल सिंह (मुलाना, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के अभिभाषण में जो कुछ दर्शाया गया है उसमें से बहुत सी बातें मैंने पढ़ी हैं। बहुत सी बातें इसमें ऐसी हैं जो तत्वों से बहुत दूर हैं। जैसा कि अभिभाषण में बिजली के बारे में बताया गया है कि डेली बिजली की उपलब्धता पिछले साल 348 लाख यूनिट थी जबकि इस साल ये बढ़कर 371 लाख यूनिट हो गयी है। अगर इस तरह से बिजली बढ़ी है तो बिजली के कनैक्शंज भी बढ़ने चाहिए थे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, 30-4-96 को ऐग्रीकल्चर के 3,75,902 कनैक्शंज थे जो घटकर अब 3,60,697 रह गए हैं यानी ये कम हुए हैं। इसके अलावा बिजली के कनैक्शंज लेने के लिए जो ऐप्लीकेशंज पैंडिंग थीं वह 30-4-96 को 72,207 थीं और 30-11-98 को यह 76,142 थीं यानी यह ऐप्लीकेशंज बढ़ी ही हैं। इसका मतलब यह हुआ कि जो कुछ भी राज्यपाल के अभिभाषण में दर्शाया गया है कि बिजली की बढ़ोत्तरी हुई है वह सरासर झूठ है। अध्यक्ष महोदय, पिछले तीन सालों से सरकार ने कोई ऐग्रीकल्चर के लिए कनैक्शन नहीं दिया है यहां तक जो प्रायोरिटी बेसिज पर एस०सीज० या हैन्डीकैप्ड लोगों को ऐग्रीकल्चर के लिए कनैक्शंज दिए जाने चाहिए थे, वह भी पिछले 3 सालों से नहीं दिए गए हैं इसलिए यह एक बहुत ही अन्याय की बात है। इसके साथ ही जनाब अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में भी यह बात उठी थी कि हमारे सारे इलाके में स्लैब प्रणाली लागू कर दी गयी है। उस समय हमारे अम्बाला के एक साथी ने कहा था यह स्लैब प्रणाली अम्बाला जिले में लागू कर दी गयी है लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि हमारे सढौरा में जहां पर डीप ट्यूबवैल्ज होते हैं, वहां पर यह स्लैब प्रणाली लागू नहीं है। मैंने पहले भी कहा था कि हमारे यहां पर डीप ट्यूबवैल्ज होते हैं। यह ट्यूबवैल्ज 200 फुट से लेकर 250 फुट तक होते हैं। हमारे साथ के लगते हुए हल्के के गांवों में ऐसा नहीं है। अध्यक्ष महोदय, अगर हमारे यहां पर किसी का ट्यूबवैल 200 फुट से ऊपर का है तो उससे 20/- रुपये और अगर किसी का ट्यूबवैल 150 फुट से 200 फुट तक है तो उससे 40/- रुपये एवं 100 फुट से 150 फुट ट्यूबवैल वाले से 50/- रुपये और बाकी से 65/- रुपये प्रति हार्स पावर के हिसाब से लिए जा रहे हैं जो कि हमारे इलाके के लोगों के साथ अन्याय है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक डैपुटेशन के साथ मुख्य मंत्री महोदय से इस बारे में मिला था और अब मैं फिर उनसे कहना चाहता हूं कि जिला अम्बाला एवं सढौरा हल्के में पहले की तरह से ही बिजली की स्लैब प्रणाली लागू की जानी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं ऐग्रीकल्चर के बारे में कहना चाहूंगा। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में दर्शाया गया है कि बेमौसमी बारिश की वजह से ऐग्रीकल्चर का बहुत नुक्सान हुआ है जिसकी वजह से फूड ग्रेन प्रोडक्शन 29.77 लाख टन ही रह गया है। इसी तरह से कॉटन की फसल को भी बारिश से नुक्सान हुआ। कपास की गांठों का प्रोडक्शन 15 लाख टन होना चाहिए था वह घटकर 8.63 आर०पी०एम० आ गई है। गुड़ नौ लाख टन होना चाहिए था वह घटकर 7.20 लाख टन हो गया है इसका मतलब यह है कि बरसात की वजह से किसानों को बहुत ज्यादा क्षति झेलनी पड़ी है। सरकार इस बात को मानती है कि क्षति हुई है लेकिन सरकार ने मुआवजा देने के बारे में कोई कदम नहीं उठाए हैं। मैं मुख्य मंत्री महोदय से माफी चाहूंगा, टोहाना में जब वे गए तो कुछ लोगों ने उनसे कहा कि बेमौसमी बरसात की वजह से बाढ़ जैसी स्थिति हो गई है और फसलों का काफी नुकसान हुआ है इसलिए कुछ मुआवजे की बात करो तो मुख्य मंत्री जी ने कहा कि यह तो बहुत अच्छा हो गया इससे तो फायदा हुआ है ज्यादा बारिश होने से मुझे राहत मिली है एक तो अब बिजली ज्यादा मिलेगी। बिजली न मिलने पर

लोग जाम लगाते, रास्ता रोकते, दूसरे इससे यह फायदा हुआ है कि वाटर लेवल ऊपर आ गया है तो मुख्य मंत्री जी यह कोई जवाब नहीं है। मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि किसानों की तरफ ध्यान देकर उन्हें मुआवजा दिलाया जाए।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक नये जिलों का सवाल है, गवर्नर महोदय के अभिभाषण में मैंशन किया गया है कि हर जिले में नये सैक्रेटेरियट बन रहे हैं, झज्जर में बन रहे हैं, फतेहाबाद में बन रहा है। मेरे हल्के मुलाना को 4-5 साल पहले सब डिवीजन डिक्लेयर किया गया था इस सरकार ने पता नहीं क्यों उसको कैंसिल कर दिया है। मेरे हल्के में दो याने हैं, दो चौकियां हैं 30 हजार की आबादी है इसके बावजूद मेरे हल्के के साथ जो अन्याय किया जा रहा है इसे वापस लिया जाए और वहां सब डिवीजन बनाई जाए। इसके साथ ही इरीगेशन की बात है जो भी सरकार आती है वह दादूपुर नलवी नहर को अपने मैनीफैस्टो में जरूर रखती है। नहरों पर करोड़ों रुपया खर्च हो रहा है लेकिन दादूपुर नलवी नहर को बनाने की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। दादूपुर नलवी नहर बन जाए तो इससे अम्बाला और सढौरा इलाके का जल स्तर ऊपर आ जाएगा और जो ट्यूबवैल बेकार हो गए हैं वह चालू हो जाएंगे। मैं अनुरोध करूंगा कि इस ओर ध्यान दिया जाए। दूसरी बात मैं एक और कहना चाहूंगा कि जो ओल्ड एज पेंशन चौधरी देवी लाल जी के समय में 1977 में 100/- रुपये प्रति मास मुकर्रर की गई थी उसके बाद से मुलाजिमों के वेतन व फसलों के रेट सब कुछ बढ़ लिया लेकिन ओल्ड एज पेंशन वही 100/- रुपये ही है इसे 100/- रुपये प्रति मास से बढ़कर 200/- रुपये किया जाना चाहिए। इसके साथ ही जो बेरोजगारी भत्ता मिलता है वह भी 75/- और 100/- रुपये ही है यह भी 1977 से अब तक ज्यों की त्यों ही है इसे भी बढ़ाकर कम से कम दुगुना किया जाना चाहिए। पिछले दो साल से कहीं भी पेंशन के नये फार्म नहीं भरे गए हैं और यदि भरे भी गए हैं तो उनको मिली नहीं है। बिलो पॉवर्टी लाइन के बारे में जो फार्मूला अपनाया गया है उसके बारे में कई माननीय सदस्यों ने कहा है जो फार्मूला अपनाया गया है उससे गरीबी तो नहीं लेकिन गरीब जरूर खत्म हो जाएगा। जो लोग गरीबी रेखा में आने चाहिए थे वह नहीं आए हैं इसका दोबारा से सर्वे करवाना चाहिए। अब मैं आपके माध्यम से मेरे एरिये के साथ जो भाईसाफी की गई है उसकी ओर ध्यान दिलाना चाहूंगा। हमारे कुछ एरिया में शिवालिक बोर्ड के माध्यम से डिवैल्पमैंट होती है व मुख्य मंत्री महोदय की देखरेख में होती है लेकिन बड़ी अजीब बात है कि शिवालिक बोर्ड का पैसा किसी विशेष जगह पर खर्च किया जा रहा है। यह पैसा कहां पर खर्च होना चाहिये और कहां पर नहीं होना चाहिये यह देखने की बात है। अभी माननीय सदस्य श्री रामजी लाल जी ने ट्यूबवैल्ज का मामला उठाया था कि ट्यूबवैल्ज का पैसा पार्कों पर लगाया जा रहा है। लेकिन पैसा वहां लगाना चाहिये जहां पर इसको लगाने की जरूरत है। लेकिन उनके सवाल का जवाब देते हुये मंत्री जी ने जवाब दिया कि मनोरंजन भी तो जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो नसैसटी की बात है और दूसरी तरफ मनोरंजन की। जिन लोगों के लिए एजूकेशन के लिए स्कूल नहीं हैं, चलने के लिए रास्ते नहीं हैं, पीने के लिए पानी नहीं है, उनके लिए इनकी ज्यादा जरूरत है न कि मनोरंजन की। यह अन्याय नहीं है तो और क्या है ? शिवालिक बोर्ड की एक्शन प्लान में 30 सड़कें बनाने का प्रावधान रखा गया है लेकिन इस एक्शन प्लान में 28 सड़कें दर्शाई गई हैं। इन 28 सड़कों में से 16 सड़कें सिर्फ अम्बाला सिटी में ही बनाने का कार्यक्रम है जिसके लिए 30 लाख रुपये का खर्चा होना है इस तीस लाख रुपये में से 20 लाख 74 हजार 80 रुपये सिर्फ अम्बाला सिटी पर खर्च हो रहे हैं। तब तो यह शिवालिक बोर्ड का विकास होने की बजाये अम्बाला सिटी विकास बोर्ड हो गया। यह भी अन्याय की बात है। मेरे हल्के के लिए चार करोड़ रुपये के बजट में से अब तक केवल दो लाख रुपये रखे गये हैं लेकिन अभी तक कोई काम नहीं हुआ है।

[श्री रिसाल सिंह]

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक बात और कहना चाहूंगा। सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को पांचवें वेतन आयोग की सिफारिशों का लाभ दिया है लेकिन इसमें जो डायरेक्ट भर्ती वाले कर्मचारी हैं और जो प्रोमोट हुए हैं उनमें अन्तर रखा गया है। जो डायरेक्ट भर्ती वाले कर्मचारी हैं उनको ज्यादा लाभ दिया गया है। इसका मैं एक उदाहरण देता हूं। जैसे एक डायरेक्ट भर्ती का कर्मचारी है उसका पे-स्केल 950-1500 रुपये है और प्रोमोट हुआ कर्मचारी है उसका भी यही स्केल है। इसके बाद दस वर्ष के बाद डायरेक्ट भर्ती वाले कर्मचारी का पे-स्केल 1200-2040 है और प्रोमोटिड कर्मचारी का भी दस वर्ष बाद पे-स्केल 1200-2040 का है और 20 वर्ष के बाद डायरेक्ट भर्ती वाले कर्मचारी का पे-स्केल 1400-2600 है और प्रोमोटिड कर्मचारी है उसको भी 1400-2600 का स्केल दिया है। परन्तु अब जो पे-कमीशन की रिपोर्ट लागू की है उसमें बीस साल के बाद डायरेक्ट भर्ती वाले कर्मचारी को 5000-7850 का स्केल दिया गया है और प्रोमोटिड कर्मचारी को 3050-4500 का पे-स्केल दिया गया है जिसमें दो हजार का अन्तर है। यह कितना बड़ा अन्याय है क्योंकि दोनों कर्मचारी एक जैसा काम करते हैं। पुलिस विभाग ने शायद यह मामला सुधार लिया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि जिन कर्मचारियों के साथ यह अन्याय हो रहा है उनका स्केल भी ठीक तरह से फिक्स किया जाये जिस प्रकार डायरेक्ट भर्ती वाले कर्मचारियों का स्केल फिक्स किया गया है। (घण्टी) अध्यक्ष महोदय, मैंने पिछले सैशन में भी अनुसूचित जातियों के आरक्षण के बारे में बात की थी लेकिन उसमें कोई सुधार नहीं किया गया। जहां तक आरक्षण की बात है 16-6-1998 को आरक्षण से संबंधित एक पत्र मुख्य सचिव महोदय ने जारी किया है। अध्यक्ष महोदय, उनका रिजर्वेशन पूरा किया जाये और प्रमोशन में भी रिजर्वेशन के हिसाब से उनको प्रमोशन दी जायें। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : रिसाल सिंह जी आप अपनी सीट पर बैठें।

श्री रिसाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं रिजर्व कैटेगरी के प्रमोशन की बात कह रहा था। जब इन लोगों के प्रमोशन की फाईल डी०जी०पी० के पास जाती है तो डी०जी०पी० गोलमोल जवाब दे देता है कि यह कोर्ट का फैसला है कि आपको प्रमोशन नहीं दी जा सकती। अध्यक्ष महोदय, मैं बताता हूं कि कोर्ट का क्या फैसला है। कोर्ट का फैसला यह है कि अब इन लोगों को कंडीशनल प्रमोशन दे दी जाये लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट का, हाई कोर्ट का फैसला आने के बाद इन पर वही फैसला लागू होगा। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ आपका थोड़ा सा समय और लूंगा, मैं आपको पुलिस महकमें के बारे में बताना चाहता हूं कि पुलिस महकमें में दो कैडर होते हैं एक तो अकाऊंटस ब्रांच और दूसरी इंगलिश ब्रांच। अध्यक्ष महोदय, इन दोनों ब्रांचों में भी रिजर्वड कैटेगरी की पोस्टें हैं लेकिन उनको रिजर्वड कैटेगरी से न भरकर जनरल से भरा हुआ है। उदाहरण के तौर पर अम्बाला में 9 अकाऊंटस क्लर्क की पोस्टें हैं लेकिन उनमें कभी भी रिजर्वड कैटेगरी की पोस्ट नहीं रही। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : रिसाल सिंह जी आप कृपया अपनी सीट पर बैठें। अब श्री बंता राम जी बोलेंगे।

श्री बंता राम बाल्मिकी मथाना (रादौर, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए मौका दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण सरकार की नीतियों और नीयत का हिस्सा होता है। अध्यक्ष महोदय, मुझे इस अभिभाषण में सरकार की धुंधली तस्वीर नजर आती है। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं अपने अनुभवी साथी पर किसी तरह का कटाक्ष नहीं करना चाहता लेकिन इन्होंने इस विधान सभा का ऐसा हाल कर दिया जैसे "मां गाण आली और बाप-बेटा बराती"। अध्यक्ष महोदय, अभी थोड़े दिन पहले मुझे महाराष्ट्र और कर्नाटका स्टेटस की विधान सभाओं में जाने का अवसर मिला था

था। वहां की विधान सभाओं में भारत रत्न डा० भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा लगी हुई थी लेकिन हमारी विधान सभा में उनकी प्रतिमा नहीं लगी हुई। मेरा आपसे अनुरोध है कि हमारी विधान सभा में भी भारत रत्न डा० भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा लगाई जाये। अध्यक्ष महोदय, कूड़ा-कचरा अधिनियम महात्मा गांधी की 50वीं पुण्य तिथि पर लागू किया गया है लेकिन इस अधिनियम के लागू होने से दलित वर्ग के लोगों को अपनी जीविका से हाथ धोना पड़ रहा है। अब उनकी जीविका का कोई दूसरा साधन नहीं है, वे अपने बच्चों का पालन पोषण करने में असफल हो जायेंगे इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि उनको ऐसी ट्रेनिंग दी जाये जिससे वे अपनी रोजी रोटी कमा सकें और अपने बच्चों का पालन पोषण कर सकें। माफिया गिरोह बना हुआ है जैसे कि नशा बन्दी में हुआ था। अध्यक्ष महोदय, यह एक अहम मुद्दा है और हमारी कोई नैगेटिव अपरोच नहीं है। हमें इस बात की खुशी है कि सरकार का एक अच्छा कदम है लेकिन जिन लोगों के पास कोई दिमाग नहीं है, कोई धन्धा नहीं है, उनके बारे में भी सरकार को सोचना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में भी मुझे एक बात और देखने को मिली है। कृषि उपयोगी पदार्थ, उन्नत किस्म के बीज, खाद, दवाईयां और कृषि संबंधी औजार अनुसूचित जाति के किसानों के लिये मिलने चाहिये क्योंकि उनके पास केवल छः प्रतिशत भूमि है और बड़ी मुश्किल से किसी-किसी आदमी के पास भूमि है। हैरो टीलर, स्प्रे पम्प, ट्रैक्टर आदि भी आधे दामों पर उनको मिलनी चाहियें। यह मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है। इसके अलावा सहकारी बैंकों से जो कृषकों को क्रॉप लोन मिलता है वह भी अनुसूचित जाति के लोगों को बिना ब्याज के मिलना चाहिये और उसकी रिकवरी का तरीका भी सरल होना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, सरकार द्वारा बिजली और सिंचाई के ऊपर 45% खर्च किया जाता है और मैं बिजली के बारे में भी कहना चाहूंगा कि अनुसूचित जाति के लोग जिनके पास जमीन है उनको इस 45% में से कुछ नहीं मिलता है इसलिये मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि अनुसूचित जाति के लोगों को बिजली मुफ्त मिलनी चाहिये और मेरा आपके माध्यम से सरकार के साथ-साथ श्री कर्ण सिंह दलाल जो कि सीनियर मंत्री हैं, से भी अनुरोध है कि वे अपने मुख्य मंत्री जी पर जोर देकर यह सब करायें। अध्यक्ष महोदय, जहां तक बागवानी के महकमें का सम्बन्ध है इस बारे में भी मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि अनुसूचित जाति के लोगों को घरों में लगाने के लिये फलदार पौधे मुफ्त दिये जायें और उन्नत किस्म की सब्जियों के बीज भी उन्हें मुफ्त मुहैया कराये जायें। अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा सरकार से मेरा अनुरोध है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत जो डिपो खोले हुए हैं उनमें भी अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमारे भाई जगन नाथ जी सदन से बाहर जा रहे हैं ये हरिजनों के नेता होने का दम भरते हैं, इनको मेरी बातें सुननी चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि प्राइमरी क्लास के अनुसूचित जातियों के बच्चों को 25/- रुपए महीना, मिडल क्लास के बच्चों को 40/- रुपए महीना और हाई क्लास के बच्चों को 50/- रुपए महीना के हिसाब से 1990 से आज तक वही मिल रहे हैं। सभी के टी०ए०/डी०ए० बढ़े हैं। हमारे भी टी०ए०/डी०ए० बढ़े हैं, कर्मचारियों के भी बढ़े हैं इसलिए इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए क्या उनके लिए अखबारों में खाली ड्रामा ही आता है और क्या उनके बारे में गवर्नर एड्रैस में खाली जिक्र है कि हम उनके लिए यह कर रहे हैं और यह करेंगे। अध्यक्ष महोदय, अनुसूचित जातियों के बच्चों के साथ मजाक न किया जाए, मैं सरकार से अपील करूंगा कि उनको बजीफे के रूप में जो पैसा दिया जा रहा है उसको डबल नहीं बल्कि तीन गुणा कर देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार से अनुरोध करूंगा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा जो पांच हजार रुपए मकान बनाने के लिए अनुसूचित जातियों के लोगों को ग्रांट

[श्री बंता राम बाल्मिकी]
के रूप में दिए जाते हैं वह 1977 से आज तक वही पैसे दिए जा रहे हैं। मैं आपके द्वारा सरकार से पूछना चाहूंगा कि क्या आज के जमाने में पांच हजार रुपए में मकान बन जाएगा। पांच हजार रुपए में कुछ नहीं बनता। अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में भी मैंने इस बारे में कहा था कि इस पांच हजार रुपए से कुछ नहीं बनता इसको बढ़ा कर कम से कम 25 हजार रुपया किया जाए ताकि हरिजन भाई अपने लिए कोई छोटा सा मकान बना सकें। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, समाज कल्याण विभाग हरिजन महिलाओं और विधवाओं को उनकी लड़कियों की शादियों के लिए 10 हजार रुपए अनुदान के रूप में देता है वह पैसा बैकवर्ड क्लासिज की महिलाओं को भी मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जहां तक कानून व्यवस्था की बात है, हरियाणा प्रदेश में कानून व्यवस्था बिल्कुल ठप्प हो गई है। (घंटी)

स्थानीय शासन मंत्री (डा० कमला वर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि जो भी महिला गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली है उसको 10 हजार रुपए इस काम के लिए दिए जाएंगे।

श्री बन्ता राम बाल्मिकी : अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने जो आश्वासन दिया है उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। मैं इनकी बात से बड़ा प्रभावित हुआ हूं। ये मेरी बड़ी बहन के समान हैं।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक गरीबी की रेखा की बात है, उसके बारे में देहात में जो हकीकत में हो रहा है वह बताना चाहूंगा। (विघ्न) मेरा कोई बाप-दादा तो कभी मिनिस्टर नहीं रहा। यहां तो कई बाप-दादा के नाम से रोटी खा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मैं रोजाना 15-20 गांवों में जाता हूं और लोगों के बीच बैठकर उनकी बातों को सुनता हूं। आज हाल यह है कि जो असल में गरीबी की रेखा से नीचे आने वाले लोग हैं उनको तो इस लिस्ट में शामिल नहीं किया जाता बल्कि जिनकी हालत ठीक है उनको शामिल कर लिया जाता है क्योंकि जब सरपंची के इलैक्शन हों या दूसरे हों तो उनसे पूछते हैं कि क्या तुम हमें वोट दोगे। कहने का मतलब है कि जो लोग उनकी बात मानते हैं और उनको वोट देने की हां भरते हैं और जिनकी आर्थिक हालत भी ठीक है उनके नाम तो इस लिस्ट में डाल दिए जाते हैं लेकिन जो लोग उनकी हां में हां नहीं भरते उनको गरीबी की रेखा के नीचे आने वाली लिस्ट में शामिल नहीं करते, हालांकि उनके पास आय का कोई भी साधन नहीं होता। मेरा अनुरोध है कि जो लोग गरीबी की रेखा के नीचे आने वाली सूची में रह गए हैं उनको इसमें शामिल किया जाये ताकि उनको इन्साफ मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं सरकार ने जो लोकपाल की नियुक्ति की है उसके बारे में कहना चाहूंगा कि सरकार ने यह बहुत ही सराहनीय काम किया है। इस बारे में अखबारों में आया। इस संबंध में मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि आज करप्शन का बोलबाला है, भ्रष्टाचार अपनी चरमसीमा पर है। आज जंगल का राज होता दिखाई दे रहा है। (शोर एवं विघ्न) आज तो सतनारायण लाठर की चाल भी डुप्लीकेट हो चली है। (घन्टी) (शोर एवं विघ्न)

आवास राज्य मंत्री (श्री सतनारायण लाठर) : अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरे बारे में कुछ बात कही। आज ये ला एण्ड आर्डर की बात करते हैं। इन्होंने अपने समय में जिस तरह से दूसरे लोगों की जमीनों पर कब्जे किये हैं वह सभी को पता है, इनको अपने समय का भी ध्यान रखना चाहिए। (शोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान ओम प्रकाश चौटाला ने हरिजनों को कहा था कि हम कांशी राम को प्रधान मंत्री बनाएंगे इसलिए आप हमें वोट दें। लोगों ने वोट दिये। जब काऊंटिंग होने लगी तो इनको काऊंटिंग एजेंट नहीं मिले तो वे गरीब हरिजन

भाई कहने लगे कि क्या तुमने बना दिया कांशी राम को प्रधान मंत्री। इनको तो दूसरों पर लांछन लगाना नहीं चाहिए क्योंकि ये जैसे रहे हैं और हैं सबको पता है (शोर एवं विघ्न) ये मेरे बारे में बात करते हैं। इनको अपनी गरिमा में रह कर बात करनी चाहिए। ओम प्रकाश चौटाला कभी गरीबों का हितैषी हो नहीं सकता। इन्होंने तो अपने समय में लूट-खसूट का राज बनाया हुआ था। (शोर एवं विघ्न) ये गरीब लोगों की जमीन हड़प लिया करते थे। इन्होंने तो कृपा राम पुनिया का मुंह काला करवाया इतना ही नहीं श्री तपासे जो हमारे भूतपूर्व गवर्नर रह चुके हैं उनका काला मुंह करवाया और फिर उस आदमी को इन्होंने ईनाम दिया। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बन्ता राम जी आप अपनी बात एक मिन्ट में खत्म करें।

श्री बन्ता राम : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे एक मिनट में खत्म करने के लिए कह रहे हैं जबकि मेरा समय तो इस शोर शराबे में बर्बाद हो गया है। फिर भी मैं आपकी बातों को ध्यान में रखते हुए जल्दी ही अपनी बात समाप्त करूंगा। लाठर साहब ने जो कहा है उस बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा कि जब ये लैण्ड डिवैल्पमैंट बैंक के चेयरमैन थे तो मैं भी उस बोर्ड का मैम्बर था। इन्होंने क्या क्या किया मुझे सब पता है। मैं इनके बारे में सारी बातें जानता हूं।

श्री अध्यक्ष : बन्ता राम जी अब आप बैठिये।

श्री बन्ता राम : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने क्या क्या किया है आपकी इजाजत हो तो मैं कह दूं * * * * * *

श्री अध्यक्ष : श्री बन्ता राम जी आप बैठें। ये जो कह रहे हैं रिकार्ड न किया जाये।

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री (श्री गणेशी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल अपने सम्मानित साथी श्री बन्ता राम जी ने अपने वक्तव्य में जो इन्फर्मेशन दी है उसके बारे में बताना चाहता हूं। उन्होंने विशेष रूप से दो बातों का उल्लेख किया है। नम्बर-1 जो डिपोज़ की बात कही कि गरीब लोगों को, हरिजनों और शैडयूल्ड कास्ट के लोगों को डिपोज़ मिलने चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, हमारे पास 7695 डिपोज़ हरियाणा में हैं जिनमें से 944 डिपोज़ एक्सक्लूसिवली एस०सीज़० लोगों के लिए हैं और इनसे अलग अनइम्पलोइयड यूथस को 1980 डिपोज़ दिए हुए हैं उनमें से भी एस०सीज़० के लोगों के लिए डिपोज़ दिए हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात इन्होंने बी०पी०एल० की कही है और यह बात लगभग सभी लोगों ने कही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत से बताना चाहता हूं कि पूरा ढिंढोरा पीट कर 1997 में पांच लाख वासठ हज़ार फैमिलीज़ को गरीबी रेखा से नीचे इनलिस्ट किया गया है। हिन्दुस्तान की सरकार ने एक पक्का कमरा और एक सीलिंग फैन होने तक लोगों को गरीबी रेखा से नीचे माना है तो उस सर्वे के पश्चात् आज की तारीख में पांच लाख लोग गांवों में और एक लाख 95 हज़ार लोग शहरों में यानि कुल मिला कर 6 लाख 95 हज़ार लोग गरीबी रेखा से नीचे इनलिस्ट किए गए हैं। लेटैस्ट जितने भी आंकड़े हैं उसके हिसाब से आज हिन्दुस्तान के अन्दर गांवों में रहने वाले 289.31 रुपये पर कैपिटा जिसकी इन्कम है वह गरीबी रेखा से नीचे है और शहर की 337.42 रुपये पर कैपिटा जिसकी इन्कम है वह गरीबी रेखा से नीचे है। उसके बाद भी इतने विस्तृत काम में कुछ गलतियां हो सकती हैं (विघ्न) बिजिलैंस कमेटी, सरपंच, म्यूनिसिपल कमिश्नर और आप सभी लोग जो इस हाउस के सम्मानित सदस्य हैं, अगर उनको लगता है कि कहीं पर भी कोई व्यक्ति रह गया है या कोई ज्यादती हुई है, जिसको बी०पी०एल० में होना चाहिए था उसको ऊपर लिख दिया गया है, कृपया आप वह लिस्ट ए०डी०सी०

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री गणेशी लाल]

को दे सकते हैं। इसमें मोडिफिकेशन करने का, अमैंडमैंट करने का या वैरिऐशन का पूरा प्रावधान रखा गया है (विघ्न) इसलिए मैं बड़ी विनम्रता के साथ कहना चाहता हूं कि आप अगर कोई चेंज करने लायक मामला मानते हैं या बिजलैंस द्वारा किए गए कार्य में अगर किसी गांव में कोई व्यक्ति रह गया है, एक दो पांच-सात नाम रह गए हैं तो आप लोग उनके नाम लिख कर दे सकते हैं। वैसे विद दि बीट ऑफ ड्रम बलॉक समिति में अमैंडमैंट किया जाता है कि कोई बचा तो नहीं। पूरे धड़ल्ले के साथ हरियाणा में जो डी०आर०डी०ए० की संस्था है और स्वर्ण जयंती रोज़गार योजना है दोनों के माध्यम से कम्पलीट सर्वे किया गया है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहता हूं कि अगर उसमें कोई गलतियां हैं वैरियेशन हो सकता है, अगर इनको लगता है कि कहीं पर अन्याय हुआ है तो ये वह लिस्ट दे दें उनको जोड़ सकते हैं। (विघ्न)

(इस समय कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलने लगे)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी सीटों पर बैठें। बहन करतार देवी जी, आप क्या कहना चाहती हैं?

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी ने जो सुझाव दिया है वह बहुत ही अच्छा है। हमने ए०डी०सी० वगैरा से पूछताछ की है। हर गांव में दो चार नहीं बल्कि सैंकड़ों लोग रहे हैं, उनको केवल यह कर टाला गया है कि आपके दो कमरे पक्के हैं।

श्री गणेशी लाल : अध्यक्ष महोदय, गांव में जिसके पास एक कमरा पक्का है और सीलिंग फैन है वही गरीबी रेखा से नीचे माना गया है और जिसके पास इससे ज्यादा असैट्स हैं उसे शामिल नहीं किया गया है। (विघ्न)

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, अब नये कार्ड बनाए जा रहे हैं। जो व्यक्ति रह गए हैं सरकार को इनिशियेटिव ले कर उनके नाम जोड़ने चाहिएं। हमने सब लिस्टें ए०डी०सी० रोहतक को दे रखी हैं और सरकार को चाहिए कि और भी लिबरल हो कर इस कार्य को करे और अगर कोई व्यक्ति रह गया है तो जांच करके उसका नाम इन्कलूड किया जाना चाहिए।

श्री गणेशी लाल : स्पीकर सर, मैं बहन जी से निवेदन करना चाहता हूं कि जिनके पास एक कमरा पक्का और सीलिंग फैन है, इन को भी जोड़ लेंगे इससे ज्यादा प्रोपर्टी वाले की लिस्ट में नहीं जोड़ा जाएगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : श्री जय सिंह राणा।

श्री जय सिंह राणा (नीलो खेड़ी) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय, के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। यह जो अभिभाषण राज्यपाल महोदय, ने सदन में पढ़कर सुनाया उसको मैंने बहुत ध्यान से सुना और उसके बाद मैंने इसको पढ़ा। स्पीकर साहब, यह जो अभिभाषण सरकार ने और सरकार के अधिकारियों ने राज्यपाल महोदय, को पढ़ने के लिए सौंपा था इसमें जो सरकार की करतूतें हैं और आज जो सरकार कर रही है उससे अलग हटकर है। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह जी पदासीन हुए।)

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : सभापति महोदय, आप इस कुर्सी पर बैठे इसके लिए मैं आपका स्वागत करता हूं।

श्री जय सिंह राणा : सभापति महोदय, आज इस प्रदेश में जो मुख्य समस्याएं हैं उन समस्याओं की ओर अगर सत्ता पक्ष और विरोधी पक्ष विचार नहीं करेगा तो आने वाले समय में इस प्रदेश के हालात

बहुत ही खराब होंगे। सभापति जी मेरे से पहले कई मैम्बर्ज बोले और राज्यपाल महोदय, के अभिभाषण पर तीन दिन से चर्चा चल रही है। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)** उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रदेश में बड़ी भारी समस्याएं हैं। उन समस्याओं के बारे में हमें सबको मिलकर विचार करना चाहिए। यह जो सदन चल रहा है इसको पूरा करके इसके बाद दो दिन का इन समस्याओं पर विचार करने का समय रख लें। हमें सबको मिल कर उन समस्याओं पर विचार करना चाहिए और उनका समाधान करना चाहिए। उन समस्याओं में सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। आज 18 से 35 साल के पढ़े लिखे नौजवान घूम रहे हैं। अगर आज बेरोजगारी की समस्या के बारे में नहीं सोचा गया तो उसके बड़े गम्भीर परिणाम होंगे जोकि आज सामने आ रहे हैं। यह जो वर्तमान सरकार है इसके अस्तित्व में आने से पहले इन्होंने प्रदेश के नौजवानों से बड़े भारी वायदे किए थे। उनको इन्होंने कहा था कि जब हमारी सरकार आएगी तो इस प्रदेश के नौजवानों की बेरोजगारी दूर करने के लिए परमिट और एजैन्सीज दी जाएगी। चाहे वह पैट्रोल पम्प की बात हो, चाहे कार और ट्रैक्टर की एजैन्सी की बात हो, चाहे मोटर साईकिल की ऐजैंसी देने 16.00 बजे की बात हो या दूसरी अन्य बातें हों, इन्होंने जो भी वायदे किए थे वह पूरे नहीं किए। चाहे सड़कों का ठेका देने की बात हो, चाहे नहरों का ठेका देने की बात हो या चाहे पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट से संबंधित ठेके देने की बात हो, इन्होंने उस समय कहा था कि ये सभी तरह के ठेके उन पढ़े लिखे नौजवानों को दिए जाएंगे जो अपनी अपनी सोसायटीज़ बनाएंगे। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर सर, मैं इस सरकार से जानना चाहता हूं कि उस समय जो जो वायदे किए थे उनके बारे में ये हमें बता दें कि उनमें से इन्होंने अब तक कितने वायदे पूरे किए हैं ? आज प्रदेश में क्या हो रहा है, इसको कहने की जरूरत नहीं है, आज प्रदेश में बिल्कुल उल्टा हो रहा है, सारे काम बिल्कुल विपरीत हो रहे हैं। किसी भी नौजवान को कोई ठेका नहीं दिया जा रहा है। ये ठेके सरकार के चहेते लोगों को ही दिए जा रहे हैं। पता नहीं कहां कहां से लाकर ये लोगों को ठेके दे रहे हैं। मुझे तो करनाल के बारे में पता है क्योंकि मैं वहां का रहने वाला हूं। वहां पर भिवानी से या तोशाम से लाकर ठेके दिए गए हैं। वहां पर कोई मेहता नाम के हैं, उन्हीं को उस जिले के सारे ठेके दिए गए हैं। (विघ्न) मैं केवल प्रदेश की समस्याओं के बारे में ही कहूंगा। जब से यह सरकार आयी है तब से इन्होंने किसी भी नौजवान को बसिज के परमिट नहीं दिए हैं। अब सरकार कहती है कि अब हम बसिज के परमिट देने जा रहे हैं। आज नौजवान इनके पीछे घूम रहे हैं लेकिन किसी को भी ये परमिट नहीं मिल रहे हैं, इनमें भी सौदेबाजी शुरु हो गयी है। हमें इस बात का पूरा संदेह है कि इन परमिट्स का बंटवारा निष्पक्ष नहीं होगा। इनके बांटने का जो तरीका अपनाया जाएगा वह ठीक नहीं होगा। मैं सरकार से इस बारे में कहना चाहूंगा कि अगर इनकी नीयत ठीक है तो इनको इन परमिट्स बांटने का वही तरीका अपनाना चाहिए जो पहले कांग्रेस पार्टी के राज में अपनाया गया था। उस समय लोगों को चण्डीगढ़ बुलाकर लाटरी सिस्टम से परमिट दिए गये थे। अगर ये ऐसा करेंगे तो फिर कोई संदेह नहीं रहेगा। (विघ्न) गलत काम कोई भी करे जनता उसको बख्शा नहीं करती है। जनता की निगाह आप लोगों पर है। सर, आप जरा इनको समझाईये। जिन बातों को मैं कह रहा हूं अगर इनका समाधान नहीं किया गया तो फिर और नौजवान अपराधी बनते जाएंगे क्योंकि जब उनके पास अपनी जीविका चलाने के लिए कोई साधन नहीं होगा तो फिर वह कहां जाएंगे। आज प्रदेश में जो क्राईम बढ़ रहा है, जो अपराधी बढ़ रहे हैं वह क्यों बढ़ रहे हैं उसका कारण यही है और इसकी जिम्मेदार सरकार ही है। मैं केवल इसी सरकार को इसका दोष नहीं दूंगा बल्कि इससे पहले भी जो सरकारें रही हैं चाहे वह किसी की भी रही हो, उन्होंने इन समस्याओं के बारे में नहीं सोचा। अगर आगे भी इनके बारे में नहीं सोचा गया तो प्रदेश का बहुत बुरा हाल हो जाएगा क्योंकि किसी भी प्रदेश या देश का भविष्य नौजवानों के ऊपर ही होता है। अगर नौजवान का भविष्य अंधकारमय होगा तो फिर प्रदेश का भविष्य

[श्री जय सिंह राणा]

उज्ज्वल नहीं हो सकता। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि यदि सरकार में नैतिकता है अगर वह कुछ करना चाहती है तो इस पर विचार करे।

इसी तरह से आज प्रदेश में कृषि की बात है, किसान की बात है जो आये साल हर फसल में कृषि का उत्पादन घटता जा रहा है, किसान की जो आमदन है वह घट रही है, खर्च बढ़ रहे हैं, अगर इस समस्या के बारे में नहीं सोचा गया तो यह बहुत दुखद होगा। हरियाणा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है, इस प्रदेश में लोगों का गुजारा खेती से होता है, चाहे वह मजदूर हो या किसान हो, दुकानदार हो या व्यापारी हो यह सारा वर्ग आज दुखी है। इस प्रदेश में सेम की समस्या है और खेती करने की जो जमीन है वह दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है, उसमें सेम आ गई है, सरकार इस बारे में कहती है कि हमने एक वैज्ञानिकों की कमेटी गठित कर दी है वह रिपोर्ट देगी उसके बाद हम कुछ करेंगे। वह रिपोर्ट देगी उसके बाद एक और कमेटी गठित की जाएगी, अगर इस तरह से कमेटियां गठित होती रहीं और जल्द ही इस समस्या का समाधान न हो सका तो किसान तबाह हो जाएगा। किसान प्रदेश को छोड़ने पर मजबूर हो जाएगा। केवल बातों से काम नहीं चलता। कागजों में बड़ी भारी योजनाएं बन रही हैं सेम को खत्म करने के लिए। जिस हल्के नीलोखेड़ी से मैं संबंधित हूं वहां की जमीन कभी बिजाई के बगैर नहीं रही, वहां हमेशा बिजाई होती रही है लेकिन आज सिर्फ मेरे चुनाब क्षेत्र में हजारों एकड़ जमीन बगैर बिजाई के रह गई है। वहां अब भी बिजाई नहीं हो सकी, आगे भी नहीं हो सकती। अगर यह सरकार किसानों के बारे में नहीं सोचती तो मैं समझता हूं कि कुछ भी नहीं करती है। उपाध्यक्ष महोदय, आज कानून और व्यवस्था की बात है सभी साथियों ने कहा कि कानून और व्यवस्था की स्थिति बहुत बिगड़ चुकी है यह चिंता का विषय है सरकार को भी इसकी चिंता होनी चाहिए। केबल विपक्ष के लोगों को ही चिंता नहीं होनी चाहिए। कर्तव्य सरकार का है वह देखे कि इसके क्या कारण हैं जैसे मेरे साथियों ने अपने-अपने हल्कों की समस्या बताई मैं अगर अपने हल्के के एक थाने की भी बात बताऊं तो इतनी घटनाएं हैं कि मैं क्या कहूं और उनमें से कोई हत्यारा पकड़ा नहीं जा सका। शामगढ़ के सरदार सुरजीत सिंह का मर्डर हुआ, उसके हत्यारों का पता नहीं चला। ब्रह्मणभाजरा के राम स्वरूप शाम के साढ़े सात बजे नीलोखेड़ी से दस किलोमीटर दूर अपने गांव जा रहा था रास्ते में उसका ट्रैक्टर छीनकर ले गए और उसकी हत्या करके साथ के खेतों में डाल दिया, अपराधियों का कोई पता नहीं चला। समाना बहु से 18 भैंसें व साथ के गांव से 25 भैंसें जो कि लाखों रुपये की होंगी उनको ट्रक में चढ़ा कर ले गए और वहां जो लोग थे उनको बांधकर डाल गए। कोई उनको पूछने वाला नहीं। मैं वहां एस०पी० से मिला था। तीन दिन तक तो वहां पर एस०एच०ओ० भी पता करने के लिए नहीं गया। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : राणा साहब कंक्लूड करें।

श्री जय सिंह राणा : डिप्टी स्पीकर सर, सरकार को इन बातों की ओर ध्यान देना चाहिये कि आज प्रदेश की जनता क्यों दुखी है, आज इस प्रदेश का किसान दुखी है, इस प्रदेश का मजदूर दुखी है, इस प्रदेश का दुकानदार दुखी है, इस प्रदेश का व्यापारी दुखी है, इस प्रदेश का अधिकारी दुखी है, इस प्रदेश का कर्मचारी दुखी है, इस सरकार के मंत्री दुखी हैं, इस सरकार के एम०एल०ए० दुखी हैं और मैं तो यह कहूंगा कि इस प्रदेश का मुख्य मंत्री भी दुखी है। जहां सारे के सारे दुखी हों तो यह प्रदेश चल कैसे रहा है।

श्री उपाध्यक्ष : राणा साहब आपको काफी समय मिल चुका है। जल्दी खत्म करें।

श्री जय सिंह राणा : डिप्टी स्पीकर सर, मैं सरकार के ध्यान में एक बात और लाना चाहता हूं वह यह है कि जो पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम और हरिजन कल्याण निगम है उनके कर्मचारियों को सरकार ने अभी तक पांचवें वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर वेतन नहीं दिया है। उन कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन इस आधार पर नहीं दिया कि ये निगम घाटे में चल रहे हैं। वेतन देना तो कर्मचारियों के कल्याण की बात है फिर इसमें घाटे वाली बात क्या हुई। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि इन कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन दिया जाये जो राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों को दिया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं आपके माध्यम से और कहना चाहूंगा क्योंकि यह बात आपसे संबंधित है वह है दादुपुर नलवी नहर को पूरा करने की बात। आपने चुनाव से पहले यह वायदा किया था। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : राणा साहब जल्दी खत्म कीजिए।

श्री जय सिंह राणा : उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक लाडवा इरीगेशन स्कीम की बात है पिछले दिनों मैंने एक ध्यान पढ़ा था जो सरकार के मंत्री दलाल साहब ने शाहबाद में बैठकर दिया था कि दादुपुर नलवी नहर को जल्दी बनाने जा रहे हैं **(इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)** सरकार इस बात को स्पष्ट करे कि अम्बाला-कुरुक्षेत्र नहर को कब तक पूरा करने जा रहे हैं, कब जमीन को एक्वायर करेंगे।

श्री अध्यक्ष : राणा जी, कंक्लूयड कीजिए।

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर सर, अब मैं अपने हल्के की सड़कों के बारे में कहना चाहता हूं स्पीकर सर, सड़कें तो लगभग खत्म हो चुकी हैं। मैंने इस बारे में मंत्री जी से कई बार रिक्वैस्ट भी की है, लिखकर भी दिया है। सड़कों की इतनी खराब हालत है कि कोई भी व्हीकल नहीं चल सकता। अगर यही बात सोची जायेगी कि पहले नैशनल हाई-वे, फिर स्टेट हाई-वे और दूसरी सड़कें ठीक करने के बाद ही गांवों की सड़कें ठीक की जायेंगी तो गांवों की सड़कें तो कभी ठीक नहीं हो सकेंगी। बसें भी ठीक तरह से सड़कों पर नहीं चल सकती हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सरकार को कहना चाहता हूं कि इस प्रदेश की जनता की जो भी समस्याएं हैं उन पर सरकार दलगत भावना से ऊपर उठकर विचार करे और लोगों की समस्याएं दूर करे। अध्यक्ष महोदय, मैं तो कहता हूं कि सभी सदस्यों को इन समस्याओं पर विचार करने के लिए दो दिन का अधिवेशन बुलाकर इन समस्याओं को दूर करने की कोशिश की जाये। अध्यक्ष महोदय, देहात में हरियाणा सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा जो राशि विकास के लिए दी जाती है वह सभी गांवों तक नहीं पहुंचती। वह राशि बी०डी०ओ० उन्हीं सरपंचों को देता है जिनके साथ उसकी मिलीभगत है। विशेषतौर से मैं आपको नीलोखेड़ी के बी०डी०ओ० के बारे में बताना चाहूंगा कि वह बी०डी०ओ० उन्हीं सरपंचों को राशि देता है जिनके साथ उसकी मिलीभगत होती है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात इस सरकार को बदनाम करने के लिए नहीं कह रहा बल्कि जो सही है वही कह रहा हूं। (विघ्न)

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी ने यह आरोप लगाया है कि जिन पंचायतों की ग्रांट दी जाती है वह मिलीभगत से दी जाती है यह बिल्कुल गलत बात है क्योंकि ग्रांट बाकायदा अल्फाबैटीकली दी जाती है। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप हमें बोलने के लिए समय देंगे या नहीं।

स्थानीय शासन मंत्री (डा० कमला वर्मा) : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय, के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहुत से माननीय सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया। माननीय सदस्य अनिल विज ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि जो प्रोत्साहन राशि अनुसूचित जाति और विमुक्त जाति के छात्र/छात्राओं को दी जाती है उसका प्रचार अधिक होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से अनिल विज जी को बताना चाहती हूं कि प्रोत्साहन राशि ही नहीं बल्कि कई अन्य सहायतार्थ कार्य भी अनुसूचित जाति और विमुक्त जाति के छात्र/छात्राओं के लिए किए जा रहे हैं। हमने इसके प्रचार के लिए 6 प्रकार के पोस्टर छपवाए हैं जिनमें हमने अलग अलग विभागों के सारे कार्यक्रम और योजनाएं दी हुई हैं ताकि वह इसकी जानकारी से लाभ उठा सकें। हरियाणा प्रदेश के अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएं, अनुसूचित जाति और विमुक्त जाति के लोगों को दी जाने वाली सुविधाएं, हरियाणा प्रान्त में विधवा और बेसहारा महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाएं, हरियाणा प्रान्त में वृद्धों और वृद्ध महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाएं, हरियाणा प्रान्त में विकलांगों को दी जाने वाली सुविधाएं, हरियाणा प्रान्त में अनाथ व बेसहारा बच्चों को दी जाने वाली सुविधाएं। इस तरह के हमने 6 पोस्टर छपवाए हैं। ये 6 पोस्टर हमने 25-25 हजार की संख्या में छपवाए हैं। ये पोस्टर हम जिला समाज कल्याण अधिकारी, अधीक्षक संस्थान, जिला कल्याण अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर (आई०सी०डी०एस०), आंगनवाड़ी केन्द्र, महिला मण्डल, उपायुक्त, उपमण्डल अधिकारी (ना०), जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, जिला लोक सम्पर्क अधिकारी, समाज कल्याण सलाहकार बोर्ड, प्रबन्धक निदेशक, हरियाणा हरिजन कल्याण निगम और प्रबन्धक निदेशक, हरियाणा पिछड़े वर्ग कल्याण निगम को देंगे। इन पोस्टरों का सबसे ज्यादा प्रयोग, उपायुक्त के माध्यम से होगा, क्योंकि डी०सी० महोदय का दरबार लगता है, वहां पर ये पोस्टर लगाए जाएंगे ताकि लोगों को पता लगे कि समाज कल्याण विभाग का उनके लिए क्या कार्यक्रम है, क्या योजनाएं हैं, लोग उनका लाभ उठा सकें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। बहन जी ने दरबार शब्द का प्रयोग किया है। अध्यक्ष महोदय, दरबार तो बहुत पहले राजे महाराजाओं के लगते थे यह दरबार शब्द अच्छा नहीं लगता। बहन जी बहुत अच्छी हिन्दी जानती हैं इसलिए ये इस शब्द की जगह किसी और अच्छे शब्द का प्रयोग करें।

डा० कमला वर्मा : आप इस बारे में कोई अच्छा सुझाव दें यदि आपका सुझाव ठीक होगा तो उस पर हम विचार कर लेंगे। दरबार का दूसरा अर्थ जनता से सम्पर्क कर उनकी समस्याओं का समाधान करना है।

श्री अध्यक्ष : बहन जी चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी जो शब्द बता रहे हैं, आप उसका इस्तेमाल ना करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप प्रोफैसर रहे हैं आप ही कोई अच्छा सा शब्द बता दें।

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, सरकार अनुसूचित जाति की छात्राओं को बहुत सी योजनाओं के अन्दर लाभ दे रही है। जैसे अनुसूचित जाति की छात्राएं बी०एस०सी० होम साइंस में प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं उनको हम 125/- रुपए प्रतिमास की दर से उनके खाने पीने तथा रहने के खर्चे को पूरा करने के लिए छात्र सुविधा दे रहे हैं। हमने कई प्रशिक्षण केन्द्र खोले हुए हैं। जो अभिभावक व्यय नहीं कर सकते, उन अनुसूचित जाति के बच्चों की हायर एजूकेशन की प्राप्ति के लिए अम्बाला,

भिवानी, करनाल, रिवाड़ी, हिसार और रोहतक में प्रशिक्षण केन्द्र काम कर रहे हैं। इन केन्द्रों में अनुसूचित जातियों के बच्चों को हिन्दी, अंग्रेजी टाईप शोर्टहैंड के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है और इसके साथ ही बैंक भर्ती बोर्ड, एम०बी०ए०, रेलवे कमीशन, यू०पी०एस०सी० आदि की परीक्षा हेतु भी पूर्व प्रशिक्षण क्रैश कोर्स चलाया जाता है और इन छात्रों को 100/- रुपये छात्रवृत्ति देते हैं। इसी तरह से अनुसूचित जातियों के छात्रों को पुस्तकें व लेखन सामग्री खरीदने के लिए ब्याज रहित ऋण दिया जाता है। मैट्रिक के बाद 800/- रुपये, पोस्टग्रेजुएट को 150/- रुपये और व्यावसायिक कोर्स हेतु 2000/- रुपये दिए जाते हैं। इस पैसे को वापस करने की बड़ी छोटी सी किश्त होती है। इसके साथ ही कोचिंग क्लासिज भी लगाई जाती हैं जो छात्र, छात्राएं श्रेणी में पढ़ाई में कमजोर हों उन बच्चों को गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषय की कोचिंग दी जाती है। उनके बारे में बताना चाहूंगी कि जिस क्लास के अन्दर 5 अनुसूचित जाति के छात्र या छात्राएं हैं, वहां पर अध्यापकों द्वारा 15 नवम्बर से 15 फरवरी तक स्पेशल कोचिंग क्लासिज लगाई जाती हैं और हम उस संबंधित अध्यापक को 200/- रुपये प्रतिमास देते हैं। अनुसूचित जाति की लड़कियों को शिक्षा में प्रोत्साहन देने हेतु योग्यता छात्रवृत्ति दी जाती है। 9वीं कक्षा को 80/- रुपये, मैट्रिक वाली को 100/- रुपये, 11वीं वाली को 120/- रुपये और 12वीं वाली को 140/- रुपये प्रति मास छात्रवृत्ति दी जाती है। इनका चयन डी०सी० की अध्यक्षता में एक कमेटी को गठित करके किया जाता है और फिर वह लिस्ट जिला समाज कल्याण अधिकारी को दे दी जाती है ताकि वह उनको पैसा दे दे। कुछ अस्वच्छ कार्य करने वाले जैसे चमड़ा रंगने वाले हैं, चमड़ा उतारने वाले हैं या शौचालयों में काम करने वाले जिनके अभिभावक हैं उन छात्रों को भी हम छात्रावास में रहने के लिए 200/- रुपये मासिक तथा तीसरी क्लास में पढ़ने से लेकर 8वीं क्लास तक पढ़ने वालों को 200/- रुपया, छात्रवृत्ति देते हैं। इसके इलावा 8वीं के बाद 400/- रुपया छात्रवृत्ति देते हैं। लेकिन जो होस्टल में नहीं रह सकते और घरों में रहते हैं उन बच्चों को छठी क्लास तक 25/- रुपये, 8वीं तक 40/- रुपये और 8वीं से 10वीं तक 60/- रुपये प्रतिमास देते हैं। इसके अतिरिक्त 500/- रुपये उनको अनुदान के रूप में भी दिया जाता है जिससे वह अपनी अन्य जरूरतों को पूरा कर सकें। हम यह सहायता स्वैच्छिक संस्थानों में जो छात्र पढ़ते हैं उनको भी देते हैं। करतार देवी ने पूछा था कि आई०ए०एस०, आई०पी०एस० व आई०एफ०एस० आदि की प्रतियोगिताओं के लिए भी क्या पिछड़ी जातियों के छात्रों को भी कोई सहायता भी दी जाती है।

श्री अनिल कुमार विज : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि सरकार समाज सेवा के क्षेत्र में बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। मैंने जो प्रश्न उठाया था, उस बारे में मैं यह कहना चाहता था कि तमाम योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए कोई पोस्टर छपवा कर सरकार बांटेगी? मेरा कहना यह है कि इन तमाम योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए, बताने के लिए जैसा कि आदरणीय बहन जी ने बताया सरकार काफी काम कर रही है। मैं केवल इतना जानना चाहता हूं कि इसमें थोड़ी सी और एडीशन कर ली जाये ताकि यह आम आदमी तक जो जरूरतमंद लोग हैं उन तक ये योजनाएं पहुंच सकें। इन सभी लाभों को प्राप्त करने के लिए कौन से फार्म भरे जाने हैं, क्या क्या उनमें आवश्यकताएं पूरी की जानी हैं उनकी भी जानकारी उनको दी जाये। इसलिए ये जो ऐसी योजनाएं हैं जैसा अभी बताया कि ये सरकारी कार्यालयों में दी जाती हैं। मैं चाहता हूं कि इसके अतिरिक्त जो चुने हुए प्रतिनिधि हैं जैसे पंच, सरपंच, पार्षद, विधायक या सांसद हैं उन तक भी ये योजनाएं पहुंचानी चाहिएं क्योंकि वही जनता और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है।

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हुए और अध्यक्ष की आज्ञा के बिना बोलते रहे)

सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन

श्री अध्यक्ष : कैप्टन अजय सिंह मैं आपको वार्न करता हूं कि आप बैठ जायें। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, हम भी बोलना चाहते हैं। हमें भी टाईम दीजिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, कृपया आप हमारी बात तो सुनें। (विघ्न)

(इस समय इंडियन नैशनल कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे।)

Mr. Speaker : Again, I warn you Mr. Ajay Singh. Please take your seat.

(At this stage Shri Randeep Singh Surjewala continued speaking without the permission of the Chair).

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, हमें भी बोलने का हक है।

Mr. Speaker : I name Mr. Surjewala. He may please leave the House. (Mr. Surjewala did not leave the House) Mr. Surjewala, I would request you, please withdraw from the House. (Mr. Surjewala did not leave the House and continued speaking without the permission of the Chair). (Interruptions)

I warn you, Mr. Surjewala please leave the House. I again warn you, I warn you, I warn you. (Interruptions)

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

> That Shri Randeep Singh Surjewala, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That Shri Randeep Singh Surjewala, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Question is—

> That Shri Randeep Singh Surjewala, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

(At this stage Shri Randeep Singh Surjewala withdrew from the House.)

वाक आउट

(At this stage, all the members of the Indian National Congress Party except Shri Birender Singh, staged a walk-out as a protest against naming of Shri Randeep Singh Surjewala and carrying the motion for his suspension.) (Interruptions)

(इस समय हरियाणा लोकदल (राष्ट्रीय) पार्टी के कई सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे)

Mr. Speaker : I warn you Mr. Sampat singh, please take your seat.

(At this stage Shri Sampat Singh continued speaking without the permission of the Chair).

आवाजें : अगर आप हमें राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने नहीं देते हैं तो हम वाक आऊट करते हैं। (इस समय हरियाणा लोकदल (राष्ट्रीय) पार्टी के श्री सम्पत सिंह को छोड़कर, सभी उपस्थित सदस्य उनको समय न देने के विरोध में सदन से वाक आउट कर गए)

सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन

Mr. Speaker : Sampat Singh Ji, you please take your seat. (Interruptions). Kindly take your seat, otherwise, I will have to name you.

(At this stage Shri Sampat Singh continued speaking without the permission of the Chair and he did not resume his seat).

Mr. Speaker : Sampat Singh Ji, I name you. You kindly withdraw from the House. (At this stage Sh. Sampat Singh continued speaking)

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

> That Shri Sampat Singh, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That Shri Sampat Singh, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Question is—

> That Shri Sampat Singh, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the

[Mr. Speaker]

member of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now I request Shri Sampat Singh Ji, to please withdraw from the House.

(At this stage, Shri Sampat Singh withdrew from the House.)

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं एक क्लैरिफिकेशन चाहता हूं। मैं आपसे यह बात जानना चाहता हूं कि हमारे विपक्ष के दो सदस्यों प्रो० सम्पत सिंह और रणदीप सिंह सुरजेवाला को आपने नेम किया है। क्या उनकी नेमिंग केवल आज के लिए है या सारे सैशन के लिए उनको नेम किया गया है। उन्होंने क्या किया और उनका कण्डक्ट क्या था ? You are to assess the conduct of a particular member. Just by moving a motion from the Treasury Benches does not mean that there is a misconduct on the part of member. House does not mean brute majority.

Mr. Speaker : I had requested him to sit down again and again. I had given him warning and then I named him.

Shri Birender Singh : You have named him. That is why I am saying that he is out from the House for the rest of the day. It does not mean that he is suspended from the House for the remainder of the Session. It shows the intention of the Government.

वाक आउट

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपके सामने एक बात उठाई गई है, क्या उनका व्यवहार मिस कण्डक्ट का था या नहीं था यह देखना आपका अधिकार है। आपने इस अधिकार का इस्तेमाल जिस प्रकार से किया है क्या वह ठीक है ? हम सभी लोग इस सदन के सम्मानित सदस्य हैं। गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर बहस चल रही है। हैरानी की बात है कि श्री सम्पत सिंह उस वक्त सदन से जा चुके थे उसके बाद भी आपने उनको नेम कर दिया (विघ्न) आप अपने अधिकार का मिसयूज कर रहे हैं (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, आप किस प्रकार से कार्य कर रहे हैं। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : जहां तक बोलने की बात है, श्री सम्पत सिंह जी को बोलने के लिए 84 मिनट का समय दिया गया है क्या उसके बाद भी कोई चीज रह जाती है। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, उनको कहां बोलने दिया गया (विघ्न एवं शोर) वे चार लाईनें बोलते थे तो इस लाईन बीच में उनको इन्टरवीन किया जा रहा था, क्या यह कोई तरीका है। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप अपनी सीट पर बैठें (विघ्न एवं शोर) आप सभी लोग अपनी-अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अगर कोई बात कहना चाहे तो आप नेम कर देते हैं, क्या यह कोई डैमोक्रेटिक सिस्टम है, क्या यह कोई तरीका है (विघ्न एवं शोर) ओपोजीशन की बात को आप सुन ही नहीं रहे हैं। यह हमारी बदकिस्मती है कि इस हाउस में आप इस चेयर पर है (शोर एवं व्यवधान) ये आपकी रूलिंग मांग रहे हैं। (विघ्न) स्पीकर सर, आप हाउस के कस्टोडियन हैं आप जिस पर चाहें कुल्हाड़ा चलाएं जिस भी सदस्य को आप चाहें उसे ही नेम कर दें। आप जानते हैं कि यह गवर्नमैंट माईनोरिटी में है। (विघ्न एवं शोर)

Mr. Speaker : Please don't interrupt. I am not concerned with that. चौटाला साहब, मैं आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न एवं शोर) I request Mr. Chautala to take his seat. (Interruptions). I warn you. Please take your seat.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात को सुनना ही नहीं चाहते हैं तो फिर हमारे यहां पर बैठने का क्या फायदा है। (विघ्न एवं शोर) इसके विरोध में मैं सदन से वाक आउट करता हूं। (विघ्न एवं शोर)

(इस समय हरियाणा लोकदल (राष्ट्रीय) पार्टी के सदस्य, श्री ओम प्रकाश चौटाला सदन से वाक आउट कर गए)

सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जाएं। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी यह हाउस का रिकार्ड है कि एक आदमी 84 मिनट बोल चुका हो और 64 मिनट बोल चुका हो तथा जब कोई दूसरा आदमी बोल रहा हो तो उसको बोलने का अधिकार ही न दे तो यह ठीक बात नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) आप सब बैठ जाएं। (इस समय इंडियन नैशनल कांग्रेस और हरियाणा लोक दल राष्ट्रीय के सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्य सदन की वैल में आ गए और जोर जोर से नारे बाजी करने लगे।)

Mr. Speaker : Mr. Majra, I warn you. Please take your seat.

Shri Ram Pal Majra : Mr. Speaker Sir, I want to say * * * *

Mr. Speaker : Mr. Majra, I again warn you. (Interruptions) I again warn you.

Shri Ram Pal Majra : * * * *

Mr. Speaker : Nothing to be recorded I name Shri Ram Pal Majra. He may please leave the House.

(Shri Ram Pal Majra, did not withdraw from the House.)

Minister of State for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

> That Shri Ram Pal Majra, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

*Not recorded as ordered by the Chair.

Mr. Speaker : Motion moved—

That Shri Ram Pal Majra, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Questions is—

That Shri Ram Pal Majra, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Majra Ji, please leave the House.

(Sh. Ram Pal Majra, did not leave the House.)

Mr. Speaker : Marshal, take him out of the House with the aid of the Watch and Ward staff.

(At this stage, the Sergeant-at-Arms took the Hon'ble member out of the House.)

Shri Birender Singh : Mr. Speaker Sir, * * * * *

Mr. Speaker : Birender Singh Ji, please take your seat. I warn you. (Interruptions). I request you to take your seat.

Shri Birender Singh : * * * * *

(At this stage, Shri Birender Singh and Shri Virender Pal Ahlawat came to the well of the House and started arguing with the Speaker.)

Mr. Speaker : Nothing to be recorded. I name Shri Birender Singh. He may please leave the House.

I request you Mr. Birender Singh, please leave the House. I again warn you. (Interruptions) I warn you.

(Shri Birender Singh did not leave the House and he continued speaking without the permission of the Chair.) (Interruptions)

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

That Shri Birender Singh, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

*Not recorded as ordered by the Chair.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That Shri Birender Singh, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Question is—

> That Shri Birender Singh, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Birender Singh Ji, please leave the House.

(At this stage Shri Birender Singh withdrew from the House.)

Mr. Speaker : Ahlawat Ji, please go to your seat.

(At this stage Shri Virender Pal Ahlawat was continuously speaking without the permission of the Chair in the well of the House.)

Mr. Speaker : Shri Virender Pal Ahlawat Ji, please take your seat, otherwise I will have to name you.

(Shri Virender Pal Ahlawat did not take his seat and was continuously speaking without permission of the Chair).

Mr. Speaker : I name Shri Virender Pal Ahlawat. He may please leave the House.

(At this stage Shri Virender Pal Ahlawat did not withdraw from the House and was continuously speaking.)

Mr. Speaker : I have named you Mr. Ahlawat. Please leave the House. I again request you to please leave the House. (Interruptions)

I warn you Mr. Ahlawat. I warn you. I warn you.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

> That Shri Virender Pal Ahlawat, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Motion moved—

That Shri Virender Pal Ahlawat, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Question is—

That Shri Virender Pal Ahlawat, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Virender Pal Ahlawat ji, please leave the House.

(At this stage Shri Virender Pal Ahlawat withdrew from the House.)

बैठक का स्थगन

(There was turmoil in the House and many members were speaking without the permission of the Speaker. Some of them even came to the well of the House.)

*16.50 hours **Mr. Speaker :** Now, the House is *adjourned for 15 minutes.

(The Sabha then adjorned at 16.50 hours and re-assembled at 17.05 hours.)

सदन से सदस्यों के निलम्बन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिये अनुरोध

श्री अध्यक्ष : अब बहन कमला वर्मा जी बोलेंगी।

श्री खुर्शीद अहमद : स्पीकर साहब, मैं कुछ कहना चाहता हूं। क्या मुझे बोलने की इजाजत है ?

श्री अध्यक्ष : ठीक है, पहले खुर्शीद अहमद जी बोलेंगे।

श्री खुर्शीद अहमद : सर, अभी जो कुछ हाउस में हुआ है कई दफा ऐसी बातें हो जाती हैं लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण होगा कि विपक्ष टोटल बाहर रहे और हाउस चलता रहे। मैं आपसे यही कहूंगा कि जिन मैम्बर्ज को आपने सस्पैंड किया है उनको वापस बुला लिया जाए। गवर्नर ऐड्रस पर हुई चर्चा का जवाब भी आज आना है फिर बजट पेश होना है इसके अलावा साल में और कोई सैशन नहीं है। बजट सैशन से विपक्ष को दूर रखना इस हाउस की मर्यादा के खिलाफ जाएगा और हाउस की मर्यादा के आप कस्टोडियन हैं और इस तरह की बात में हम सभी भागीदार बनते हैं और आप हम सभी से ज्यादा भागीदार हैं। इसलिए मेरी आपसे यह दरखास्त है कि उन सबको वापस बुला लिया जाए। उनको हाउस की कार्यवाही में हिस्सा लेने दिया जाए। इस हाउस को चलाने की जिम्मेदारी आप पर ही रहेगी और जो

नयी ट्रेडीशंज हैं जिनसे हाउस ठीक तरह से चल सके, वह आपको कायम रखनी हैं। जो कुछ हुआ है उसे भूलिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, पिछली 28 तारीख से जब से यह सदन शुरु हुआ है आप बिना किसी भेदभाव के माननीय विपक्ष के सभी साथियों को बोलने का मौका देते हैं बल्कि मैं तो आपकी इस बात से लिए प्रशंसा करूंगा कि जो माननीय सदस्य नहीं बोलना चाहते हैं उनको भी आप नाम लेकर बोलने के लिए कहते हैं।

श्री अध्यक्ष : ये जो सदस्य यह कहते हैं कि हम बोलना चाहते हैं तो मैं हाउस के रिकार्ड को आपके सामने रखता हूं जितना समय पिछले तीन साल के दौरान बोलने के लिए मिला है उतना हमें पिछले पांच सालों में जब हम विपक्ष में बैठते थे, नहीं मिला था। चौधरी बंसी लाल जी को तो पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देने का टाइम भी नहीं दिया था और आज ये बात बोलने की करते हैं। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जो चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की पार्टी के सदस्य हैं उनमें एक सदस्य 84 मिनट बोला है और कांग्रेस के चौधरी बीरेन्द्र सिंह 64 मिनट बोले हैं और मैंने करतार देवी जी को भी कह दिया था कि अगर कोई सदस्य आपकी पार्टी का राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बोलने से रह जाता है तो बजट पर चर्चा के दौरान चाहे रात के एक बजे तक कार्यवाही चलानी पड़े, सबको बोलने का मौका जरूर मिलेगा। अगर आप चाहते हैं कि आप खुद बोलें और दूसरा कोई बोले उसे न सुनें तो यह हाउस की मर्यादा के विपरीत है और यह मैं कभी नहीं होने दूंगा।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, हर कोई सुनना चाहता है इसलिए मेरा फिर आपसे नम्र निवेदन है कि आप इस सस्पैंशन को वापस लें। आज तो हमारे पार्टी के सदस्यों व श्री सम्पत सिंह जी का ऐसा कोई कसूर नहीं है कि आप उन्हें नेम कर दें। हम विपक्ष में हैं कुछ थोड़ा वक्त हो सकता है कि हम बिना परमीशन के भी बोलते हों लेकिन ऐसा नहीं है कि किसी ने अनपार्लियामैंट्री बोला हो। तब तो सस्पैंड करें लेकिन आप टाईम मांगने के लिए ही सस्पैंड करने लग गये हैं यह तो लोकतांत्रिक मर्यादा का बिल्कुल उल्लंघन है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : पहले दलाल साहब को बोलने दें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, आपने सभी विपक्षी साथियों को बोलने के लिए कहा है और कई दफा तो यह देखने में आया कि जो सदस्य नहीं भी बोलना चाहते तब भी आपने उसको यह कहा कि बोलो। स्पीकर सर, पिछले अधिवेशन में भी इन विपक्ष के भाईयों की यही शिकायत रहती थी कि हमें बोलने नहीं दिया जाता। (विघ्न)

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, इस सदन में हरेक सदस्य का बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्ष : बहन जी, मैम्बर होने के नाते सभी सदस्यों को बोलने का अधिकार है लेकिन बहन जी यह होना चाहिये कि अपनी बात कहे तो फिर दूसरे सदस्यों की बात भी सुननी चाहिये। Now you please take your seat. (Noise & Interruptions).

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मैं इस सदन का पिछले साढ़े सात साल से सदस्य रहा हूं और मैंने प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाही में भाग लिया है। जब क्वैश्चन आवर होता है तो आपकी यह कोशिश रहती है जिन माननीय सदस्यों ने अपने प्रश्न पूछे हैं उन सभी का जवाब मिल जाये ताकि हरियाणा की जनता को पता चले कि हरियाणा सरकार किन-किन विभागों में क्या-क्या कार्य करने जा रही है।

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

लेकिन क्वैश्चन आवर में कभी चौधरी सम्पत सिंह खड़े हो जाते हैं कभी दूसरे विपक्षी सदस्य खड़े हो जाते हैं। लेकिन आपने फिर भी बरदाश्त किया है। (विघ्न) इसी तरह से कल हमारे आदरणीय राम विलास शर्मा जी ने हमारे हिसाब से कोई ऐसी बात नहीं कही थी लेकिन फिर भी उन्होंने हमारे विपक्षी भाईयों की भावनाओं की कदर करते हुए खेद प्रकट किया।

श्री धर्मबीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, इस बात को दोहराने की जरूरत नहीं है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का समय दिया है फिर ये बीच में क्यों खड़े हो रहे हैं। (विघ्न)

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, हमें समय कहां दिया गया है। (विघ्न)

Mr. Speaker : Rana Sahib, this is not good. You please take the seat. (Interruptions). मैं आपको भी बोलने के लिए समय दूंगा। अब दलाल साहब को बोलने दें।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी बाद में बोल लेंगे, पहले कमला वर्मा जी को बोलने दें। तीन दिन से ये विपक्षी सदस्य ही बोल रहे हैं सत्ता पक्ष के सदस्य तो बोले ही नहीं हैं।

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, तीन दिन से सदन की कार्यवाही बड़े ठीक ढंग से चल रही थी। आज जिस तरह से चौधरी सम्पत सिंह को और श्री रणदीप सुर्जेवाला जी को निकाला गया है यह एक गलत परम्परा है। एक सदस्य इस महान सदन से चला जाये और उसके बाद उस सदस्य को नेम किया जाये। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, आज सुबह से ही इन्होंने यह फैसला किया है कि आज सी०एम० ने बोलना है और हमको सी०एम० का रिप्लाई सुनना नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब और राणा साहब आप अपनी-अपनी सीटों पर बैठें।

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, आज राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर मुख्यमंत्री महोदय ने अपनी रिप्लाई देनी है और दूसरे सदस्यों ने भी बोलना है तथा कल बजट पेश होना है। बजट पर भी सभी सदस्य अपनी-अपनी बातें कहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे और लीडर ऑफ दि हाउस से प्रार्थना है कि जिन सदस्यों को सस्पैंड किया गया है उनको वापिस बुला लिया जाये। अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्यमंत्री साहब ने कहा कि हम विपक्ष के भाई उनकी बात नहीं सुनना चाहते ऐसी बात नहीं है। हम सब लोग उनकी बात सुनना चाहते हैं लेकिन मेरा आपसे फिर से अनुरोध है कि अध्यक्ष महोदय, आपने जिन सदस्यों को सस्पैंड किया है उनको हाउस में वापिस बुला लें। (विघ्न)

सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन

श्री अध्यक्ष : राणा साहब आप अपनी सीट पर बैठ जायें। (विघ्न) मेरी आप सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि आप सभी अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जायें वरना मैं आपको नेम कर दूंगा। यह कोई तरीका नहीं होता कि एक सदस्य तो 84 मिनट और 64 मिनट बोल ले और कोई दूसरा बोले तो शोर मचा दें। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नेशनल कांग्रेस और हरियाणा लोक दल राष्ट्रीय पार्टी के सभी उपस्थित माननीय सदस्य सदन की बैल में आ गए और जोर-जोर से नारे बाजी करने लगे।)

Shri Jai Singh Rana : Mr. Speaker Sir, * * * * *

Shri Satwinder Singh Rana : Sir, I want to submit * * * * *

Mr. Speaker : Nothing to be recorded. (Interruptions) I warn you. Please take your seat.

(At this stage Shri Jai Singh Rana and Satwinder Singh Rana, M.L.As. continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : I name Shri Jai Singh Rana and Shri Satwinder Singh Rana. They may please leave the House. (Interruptions).

(Shri Jai Singh Rana and Shri Satwinder Singh Rana did not leave the House and they continued speaking.)

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

That Shri Jai Singh Rana and Shri Satwinder Singh Rana, M.L.As. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and their grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Motion moved—

That Shri Jai Singh Rana and Shri Satwinder Singh Rana, M.L.As. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and their grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Question is—

That Shri Jai Singh Rana and Shri Satwinder Singh Rana, M.L.As. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and their grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Jai Singh Rana and Satwinder Singh Rana may please leave the House.

(These members did not leave the House.)

Mr. Speaker : If you do not go, then I will have to call the Marshal.

(At this stage, Shri Jai Singh Rana and Shri Satwinder Singh Rana, M.L.As. did not withdraw from the House and continued speaking without the permission of the Chair.)

---

*Not recorded as ordered by the Chair.

Haryana Vidhan Sabha Secretariat Chandigarh LIBRARY

Mr. Speaker : Marshal, take them out of the House, with the aid of the Watch and Ward staff, gracefully.

(At this stage, the Sergeant-at-Arms took the Hon'ble Members out of the House.)

Shri Krishan Lal : * * * * *

Shri Ashok Kumar : * * * * * * *

Mr. Speaker : Nothing to be recorded. I warn you, Mr. Krishan Lal. Please take your seat. I also warn you, Mr. Ashok Kumar.

(At this stage Shri Krishan Lal and Shri Ashok Kumar, M.L.As. continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : I name Shri Krishan Lal and Shri Ashok Kumar. They may please leave the House.

(At this stage, Shri Krishan Lal and Shri Ashok Kumar did not withdraw from the House and continued speaking without the permission of the Chair.)

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

That Shri Krishan Lal and Shri Ashok Kumar, M.L.As. be suspended from the service of the House, for the remainder of the present Session for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and their grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Motion moved—

That Shri Krishan Lal and Shri Ashok Kumar, M.L.As. be suspended from the service of the House, for the remainder of the present Session for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and their grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Question is—

That Shri Krishan Lal and Shri Ashok Kumar, M.L.As. be suspended from the service of the House, for the remainder of the present Session for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and their grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, Shri Krishan Lal and Shri Ashok Kumar may please leave the House.

(At this stage, Shri Krishan Lal and Shri Ashok Kumar, M.L.As withdrew from the House.)

*Not recorded as ordered by the Chair.

(There was grave disorder in the House as many members of the Opposition Benches were in the well of the House and speaking loudly.)

बैठक का स्थगन

Mr. Speaker : I request the leaders of all the political parties in the House to see me in my Chamber to discuss the matter.

17.27 hours] Now, the House is *adjourned for 15 minutes.

(The Sabha then *adjourned at 17.27 hours and re-assembled at 17.42 hours.)

सदस्यों का नाम लेना

श्री अध्यक्ष : अब बहन कमला वर्मा जी बोलेंगी।

श्रीमती कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, ...

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी एक मिनट के लिए प्रार्थना सुनें। अध्यक्ष महोदय, आप इस हाउस के कस्टोडियन हैं। हाउस की मर्यादा को कायम रखना आपका दायित्व बनता है। इसलिए आप हमारी प्रार्थना सुनें।

श्री अध्यक्ष : आपके जितने भी साथी प्रार्थना करने वाले हैं उन सभी को एक साथ बुला लें।

श्री बलवंत सिंह : हमारी प्रार्थना यह है कि इस हाउस की जो मर्यादा है उसको कायम रखना आपका फर्ज बनता है।

श्रीमती कमला वर्मा : आप इनको (विपक्षी भाईयों को) हाउस की मर्यादा कब तक समझाते रहेंगे ?

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए और हाउस में काफी शोर होता रहा।)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिये। अभी चैम्बर में जो हमारी और आपकी बातचीत हुई थी उसी के आधार पर मैं कह रहा हूं कि आप आराम से बैठें और कोआपरेट करें I shall be very thankful to you and I request you to kindly cooperate with me.

श्री बलवंत सिंह : स्पीकर साहब, इस हाउस की एक मर्यादा है। आप इस हाउस के कस्टोडियन हैं। यह बजट अधिवेशन है। यहां पर जो विधान सभा के मेम्बर हैं, जो चुनकर के सम्मानित सदस्य आये हैं वे अपनी बात कहेंगे सरकार को जो फायदे की बात नजर आये उसको माने अगर गलत हम कहें तो उसको न माने।

श्री अध्यक्ष : आप लोग 10 घंटे 35 मिनट बोले और अपनी बात कह ली। अब औरों की भी तो सुनें। और भी तो माननीय सदस्य हैं। वे भी तो इस हाउस के सदस्य हैं।

श्री बलवंत सिंह : स्पीकर साहब, मैं आपसे प्रार्थना कर रहा हूं कि आप हमारे माननीय सदस्यों को जो हाउस से निकाले गए हैं उनको वापस बुलाएं। मैं टाईम देने की बात नहीं कर रहा। बजट सैशन में ऐसा रवैया रहा तो फिर काम कैसे चलेगा। हमारे विपक्ष के सदस्य एक एक करके वाकर कर देंगे तो यह ठीक नहीं होगा। मुख्य मंत्री जी रिप्लाई देंगे। हम उनके रिप्लाई को ध्यान से सुनेंगे। हमारे जो विधायक साथी हाउस से निकाले गए हैं उनको वापस बुलाएं हम आराम से सुनेंगे। यदि उनको वापस न

[श्री बलवन्त सिंह]

बुलाया गया तो यह हरियाणा के इतिहास में लिखा जायेगा कि इस हाउस के अन्दर माननीय विपक्ष के नेता और अन्य कोई सदस्य सदन में मौजूद नहीं था। जब कोई विपक्ष का साथी ही मौजूद नहीं होगा तो फिर ये रिप्लाई किसको देंगे। मेरी आपसे सर्वमिशन है कि उनको आप वापस बुला लें। हमारी इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय से भी प्रार्थना है। हम भी चाहते हैं कि हाउस आराम से चले। मुख्य मंत्री जो रिप्लाई देंगे उसको हम सुनेंगे। (शोर)

श्रीमती कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, आप रिकार्ड मंगवा कर देख लीजिए इन्होंने कभी मुख्य मंत्री जी का जवाब बैठ कर सुना है ? (विघ्न) जब भी मुख्य मंत्री महोदय ने जवाब देना होता है ये लोग हाउस से निकले हुए होते हैं, वाक-आउट कर जाते हैं और इस बार भी इन्होंने कोई बात नहीं सुननी है। (विघ्न) अपनी सुनाकर, सुनने का साहस नहीं रखते।

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम सुनना चाहते हैं। मैं आपसे बार-बार प्रार्थना करता हूं कि उन सदस्यों को यहां पर बुलवाइये। (विघ्न)

Mr. Speaker : I would request all the members to please take their seats.

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी बात पर आप कुछ गौर करें। मुख्य मंत्री जी से तथा आपसे भी मैं प्रार्थना करता हूं कि उन सम्मानित सदस्यों को वापिस बुलाएं। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बताइये कि क्या कहना चाहते हैं ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि हम लोग जो चुनकर आए हैं किसी की मेहरबानी से नहीं आए हैं। हम लोग यहां पर हाउस में अपनी बात कहने के लिए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव ले कर आते हैं तो भी हमें बोलने का मौका नहीं मिलता है। इस अभिभाषण पर बोलने का एक मौका था लेकिन आप ने मुझे और रणदीप सिंह जी को बोलने के लिए समय नहीं दिया। हमने आपसे केवल एक बात कही थी कि हमें बोलने का मौका दीजिए। इस बात पर हमने कोई मिसकण्डक्ट नहीं किया। आप रिकार्ड निकलवा कर देख लीजिए हमने ऐसी कोई बात नहीं कही। अगर हमें यह भी अधिकार न हो कि हम ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर अपनी बात कह सकें पब्लिक इन्टरस्ट की कोई बात कह सकें तो फिर हमारे यहां पर आने का क्या फायदा है ? (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरी अर्ज यह है कि आप हाउस के कस्टोडियन हैं और आपका यह फर्ज बनता है कि जो हम अपनी बात कहना चाहते हैं हमें कहने दें, हमारे राईट्स को देखें तथा हम लोगों को बोलने का मौका दें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कलान साहब, आप एक मिनट के लिए बैठिए। (विघ्न) कलान साहब, माफ करना हरियाणा में एक कहावत है कि दादी सयाणी तो हुई लेकिन गण्ड हो कर हुई। (विघ्न एवं शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आप इस प्रकार की बात कहें यह शोभा नहीं देता है। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी सीटों पर बैठें (विघ्न) चौधरी खुर्शीद अहमद जी, मुझे पता है जब कलान साहब यहां होते थे तो हम लोगों को बोलने नहीं देते थे आपकी पार्टी के सदस्यों ने जो समय लिया है मैं उसके बारे में बता देता हूं। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी 64 मिनट बोले, क्या बोलने का हक केवल आपका ही है और दूसरों को कोई हक नहीं है ? और लोग भी चुनाव जीत कर आए हैं। (विघ्न) राव नरेन्द्र सिंह जो खड़े हैं, इनको टाईम दिया गया किसी ने इनको यह नहीं कहा कि बैठ जाएं। ये 16 मिनट

में अपनी बात कह कर बैठ गए। (विघ्न) करतार देवी जी 30 मिनट बोलीं, सतविन्द्र सिंह राणा जी 23 मिनट बोले, धर्मवीर गाबा जी 32 मिनट बोले, कुलदीप बिश्नोई 19 मिनट बोले और चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी 64 मिनट बोले लेकिन फिर भी आप लोग कहते हैं कि बोलने का टाईम नहीं दिया। (विघ्न एवं शोर)

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, ये लोग हाउस को चलने नहीं देना चाहते हैं। ये क्या करते हैं यह भी मैं क्लीयर कर देता हूं। ये लोग समझते हैं ये तो चुन कर आए हैं और हम नोमिनेटिड हैं। अपनी मस्सल पावर से यह समझते हैं कि they can hold us in ransom. But we are not going to be held in ransom. We will not allow them to do so. क्वेश्चन आवर में कभी वाक आउट नहीं होता लेकिन क्वेश्चन आवर में भी ये लोग वाक आउट करते हैं। ये लोग तो आराम से बोलें और हम कुछ भी न बोलें और हमारा कोई आदमी अगर बोले तो ये लोग उसको बोलने न दें और बीच में खड़े हो जाएं। यह इन्होंने तरीका बना लिया है। प्रश्न काल में हमने कभी भी वाक आउट नहीं देखा था और इन्होंने वाक आउट किया है। अगर ये चाहें कि हाउस इनके तरीके से चले तो ऐसा नहीं हो सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय बहुत से सदस्य खड़े होकर बोलने लगे)

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जाएं। मैं सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना करता हूं कि सब बैठ जाएं और जिसको बोलने का समय दिया जाए वही बोले। मैंने बहन कमला वर्मा जी को समय दिया है आप सब बैठकर उनको सुनें। (शोर एवं व्यवधान) राव साहब बैठ जाएं। अब बहन कमला वर्मा जी बोलेंगी। जिसको बोलने का समय नहीं मिला है उसको बोलने का समय दिया जाएगा। अब आप बैठकर सुनें। (शोर एवं व्यवधान) मैं आप सब से प्रार्थना करता हूं कि जिसको अब बोलने का समय नहीं मिलेगा उसको बजट पर बोलने का समय मिल जाएगा। मैंने कल रणदीप सिंह सुर्जेवाला का नाम लिया था लेकिन वे सदन में नहीं थे। (शोर एवं व्यवधान) मेरी आप सब से प्रार्थना है कि हाउस को चलने दें। अगर आप इस तरह से करेंगे तो मुझे आप सबको नेम करना पड़ेगा। (शोर एवं व्यवधान)

(At this stage, Shri Khurshid Ahmed continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : Khurshid Ahmed Ji, please take your seat.

Shri Khurshid Ahmed : Mr. Speaker Sir, ...

Mr. Speaker : I warn you. Please take your seat.

(At this stage, Shri Khurshid Ahmed continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : I name Shri Khurshid Ahmed. He may please leave the House.

(At this stage, Shri Khurshid Ahmed withdrew from the House.)

(At this stage Shri Ramesh Kumar Khatak continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : Mr. Khatak please take your seat.

Shri Ramesh Kumar : Mr. Speaker Sir, ...

Mr. Speaker : I warn you. Please take your seat. (Interruptions)

(At this stage, Shri Ramesh Kumar Khatak continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : I name Shri Ramesh Kumar Khatak. He may please leave the House.

(At this stage, Shri Ramesh Kumar Khatak withdrew from the House.)

(At this stage, Sarvshri Ajay Singh, Dharambir Gauba, Narender Singh, Nafe Singh (Bahadurgarh), Dillu Ram and Balwant Singh continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : All of you please take your seat otherwise, I will have to name you. (Interruptions).

(At this stage these members continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : I name Sarvshri Ajay Singh, Dharambir Gauba, Narender Singh, Nafe Singh (Bahadurgarh), Dillu Ram and Balwant Singh Maina. They may please leave the House.

(At this stage, Sarvshri Ajay Singh, Dharambir Gauba, Narender Singh, Nafe Singh (Bahadurgarh), Dillu Ram and Balwant Singh Maina withdrew from the House.)

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, अगर हाउस में विपक्ष के सदस्य नहीं होंगे या विपक्ष का नेता नहीं होगा तो फिर हाउस कैसे चलेगा ? इसका मतलब तो आप जो चाहें वह कर लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, जो यह आप कर रहे हैं चाहे आप यह हंसी में कर रहे हैं या मजाक में कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है। हमें तो ऐसा लगता है कि आपने ऐसा करना ही करना है। आपका फैसला लोहे की लकीर तो है नहीं कि इसको बदला ही नहीं जा सकता। आपकी यह बात अच्छी नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप अपनी ही बात कहती रहती हैं लेकिन दूसरों की बात नहीं सुनतीं। अगर आप दूसरों की बात न सुनें तो फिर मैं क्या कर सकता हूं ? आप अपनी सीट पर बैठें।

श्रीमती करतार देवी : मैं तो रोजाना ही यहां पर बैठकर दूसरों की बातें सुनती हूं। लेकिन क्या हम यहां पर बैठकर ऐसे ही देखते रहें। जो कुछ आप कर रहे हैं क्या हम उसको ही देखते रहें ? अगर आप हमारी बात नहीं सुनते तो हम चले जाते हैं।

Mr. Speaker : Please leave the House. शायद देवराज दीवान जी भी इनका साथ देना चाहते हैं। दीवान साहब, आप बैठें।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि आप अपना फैसला वापस लें।

श्री अध्यक्ष : पहले आप अपनी सीट पर जाएं और फिर अपनी बात कहें।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैं यह चाहता हूं कि आपने जो यह फैसला दिया है इसको आप वापस ले लें क्योंकि उस समय उन्होंने ऐसी कोई बात नहीं कही थी। सुर्जेवाला जी, वीरेन्द्र सिंह जी एवं सम्पत सिंह जी ने ऐसा कुछ नहीं कहा है जिससे उनको फिर से यहां पर बुलाया नहीं जा सकता।

आपने तो उनको नेम बाद में किया है जबकि वह पहले ही चले गए थे। ऐसा तो कोर्ट में भी नहीं होता है। (शोर एवम् विघ्न)

Mr. Speaker : Now, I name Mr. Diwan. I request him to kindly leave the House.

श्री देवराज दीवान : मैं तो जा रहा हूं लेकिन आप अपना फैसला वापस ले लें।

(इस समय कई सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो गए)

श्री अध्यक्ष: जो सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हैं कृपया वे बैठ जाएं।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, आपने सभी सदस्यों को बोलने का समय दिया है इसमें कोई दो राय नहीं है।

Mr. Speaker : I name Mr. Bhagi Ram, Please leave the House. मेरी उन सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है जो अपनी सीटों पर खड़े हैं वे कृपया अपनी सीटों पर बैठ जाएं या फिर वे हाउस छोड़कर चले जाएं।

(At this stage, Sh. Bhagi Ram withdrew from the House.)

श्री सिरी कृष्ण हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, हम यहां पर बैठना चाहते हैं और मुख्य मंत्री जी की रिप्लाई सुनना चाहते हैं लेकिन आप विपक्ष के दूसरे सदस्यों को भी वापस बुला लें। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : I name Shri Siri Krishan Hooda. He may leave the House.

(At this stage, Shri Siri Krishan Hooda withdrew from the House.)

श्री बंता राम वाल्मिकी : अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ कहना चाहता हूं।

Mr. Speaker : Shri Banta Ram ji, I name you. You may please leave the House.

(At this stage, Shri Banta Ram withdrew from the House.)

(At this stage, Shri Ram Phal Kundu continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : Shri Ram Phal Kundu ji, I also name you. You may please leave the House.

(At this stage, Shri Ram Phal Kundu withdrew from the House.)

(At this stage, Shri Nafe Singh Jundla continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : Shri Nafe Singh Jundla ji, I also name you. You may please leave the House.

(At this stage, Shri Nafe Singh Jundla withdrew from the House.)

(At this stage, Shri Ramji Lal continued speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker : I name Shri Ramji Lal. He may please leave the House.

(At this stage, Shri Ramji Lal withdrew from the House.)

18.00 Hrs. **श्री बलबीर सिंह :** अध्यक्ष महोदय, आपको अधिकार है। मैं तो हाउस के लीडर से व सम्मानित मंत्री जी से अर्ज करना चाहता हूं कि बजट भी पेश होना है। अभी आप उनको वापस बुला लें अगर वे फिर गड़बड़ करें तो फिर नेम कर देना। इस सैशन को बुलाने पर बहुत ज्यादा खर्च पड़ा है और बहुत सारे कर्मचारी परेशान हुए हैं।

श्री अध्यक्ष : बलबीर सिंह जी, इसका मतलब है कि आपने जाना है।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं तो आपसे रिक्वैस्ट कर रहा हूं।

Mr. Speaker : I name Shri Balbir Singh. He may please leave the House.

(At this stage Shri Balbir Singh withdrew from the House).

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनारम्भ)

श्रीमती कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, ये लोग लोकतंत्र की दुहाई देते हैं लेकिन लोकतंत्र की भावना को नहीं समझते हैं तानाशाही अपने आप करते हैं, बोल लेते हैं लेकिन सुनने की हिम्मत इनमें नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मेरे सम्मानित साथियों ने कहा कि इन सारी योजनाओं का प्रचार अच्छी तरह से होना चाहिए और सरपंचों तक जाना चाहिए। हमने ये जो पोस्टर छपवाए हैं ये आंगनवाड़ियों में देने हैं। आंगनवाड़ी उस गांव में होती है जहां एक हजार की आबादी होती है हरियाणा प्रदेश में 13 हजार से ऊपर आंगनवाड़ी हैं उन पोस्टर्ज से पंच और सरपंच सारी योजनाओं की जानकारी ले लेंगे। हमने ये दो बुकलेट्स भी छपवाई हैं और ये सारे पोस्टर व बुकलेट हम सारे विधायकों को अवश्य पहुंचा देंगे ताकि वह सारी जानकारी प्राप्त करके, हल्के के लोगों को लाभ पहुंचा सकें और इसके अलावा ये उस योजना को कार्यान्वित करवा सकें। अब बहन करतार देवी जी बैठी नहीं हैं उन्होंने बोलते हुए 2-3 ऐसी समस्यायें रखी हैं अच्छा होता अगर वह स्वयं हाउस में बैठ कर सुनतीं, लेकिन फिर भी मैं उनका जवाब दे देती हूं। उन्होंने एक बात कही कि जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षायें होती हैं उनमें जो अमली जामा पहनाया जाता है उनमें क्या पिछड़े वर्गों को भी कुछ सहायता दी जाती है ? मैं इस बारे में कहना चाहती हूं कि इसके लिए चार हजार रुपये की आर्थिक सहायता पिछड़े वर्गों के प्रतियोगियों को भी दी जाती है। पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को कालेज स्तर पर पढ़ाई के लिए 50 रुपये से लेकर 200 रुपये तक की छात्रवृत्ति भी दी जाती है। दूसरी बात बहन करतार देवी जी ने आरक्षण के बारे में कही कि क्या सरकारी सेवाओं में पिछड़े वर्गों और अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों को पूरा आरक्षण दिया जाता है ? मैं इस बारे में कहना चाहती हूं कि सरकार ने एक रोस्टर बनाया हुआ है उसके हिसाब से सभी पिछड़े वर्गों और अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों को नौकरी में आरक्षण दिया जाता है। जो भी वैकलॉग होता है उसको भरने का प्रयास किया जाता है। अब सरकार ने 30-6-1999 तक सभी विभागों को हिदायत दी हुई है कि हर विभाग के अन्दर सर्वे कराया जाये और जो आरक्षण से संबंधित रिक्तियां हैं उनको अवश्य भरने का प्रयास किया जाये। इसी प्रकार विभाग के विकलांगों के लिए रिक्तियां भरने की हिदायतें 31-3-99 तक दी गई थीं उनका परिणाम यह हुआ कि अभी मार्च महीना आया भी नहीं है लेकिन बहुत सी रिक्तियां जो विकलांग उम्मीदवारों के लिए रिक्त थीं वे भर गई हैं और जो बाकी रह गई हैं उनको भरने का सरकार प्रयास करेगी। बहन जी बैठी नहीं हैं। मैं उनको विश्वास दिलाना चाहती थी कि हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में चलने वाली सरकार है, यह जो कहती है वही करती है, यह सरकार झूठे वायदे नहीं करती। क्योंकि यह

सरकार जितने भी अनुसूचित जाति के लड़के और लड़कियां हैं उनको हर प्रकार की आर्थिक सहायता देकर समानता का पूरा सम्मान देना चाहती है। इसलिए उन्होंने जो प्रश्न किया था वह निराधार हो गया है। एक बात और बहन जी ने स्टेशनरी के बारे में कही थी। उन्होंने कहा कि स्टेशनरी के लिए 10 रुपये मिलते हैं। यह मैं भी मानती हूं कि स्टेशनरी के लिए 10 रुपये कम हैं। मैं शिक्षा विभाग से प्रार्थना करूंगी कि वह इस बात पर पुनर्विचार करके अगर इसको बढ़ाया जा सकता है तो हमें लिखकर भेजें हम उसको बढ़ाने का प्रयास करेंगे। **(इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)** एक बात बन्ता राम जी ने कही कि मकान बनाने के लिए पांच हजार रुपये दिये जाते हैं जो कम हैं। हमने वित्त विभाग को लिखा हुआ है, जब भी वित्त विभाग से इसकी स्वीकृति आ जायेगी तो हम इसको बढ़ाने का प्रयास करेंगे। मुझे उम्मीद है कि इनके जो छोटे-छोटे प्रश्न थे उनका मैंने जवाब दे दिया है और मुझे आशा है कि ये इन योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में अवश्य प्रयास करेंगे। धन्यवाद।

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण इस सदन में पढ़ा है और मेरे साथी श्री अनिल विज ने उसका धन्यवाद प्रस्ताव रखा है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं और उसके समर्थन में अपनी बात कहना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है। हरियाणा के किसान की खुशहाली के लिए किसान की समस्याओं को हमारी सरकार बड़ी गम्भीरता से लेती है। उपाध्यक्ष महोदय, किसान के लिए पानी की बहुत आवश्यकता होती है क्योंकि उसको फसल की सिंचाई करनी होती है। पानी कृषि का अंग होता है इसके बगैर फसल नष्ट हो जाती है। उपाध्यक्ष महोदय, आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी ने जिस तरीके से अपने दिमाग का इस्तेमाल करके हरियाणा के किसानों को पानी देने की परियोजनाओं का शुभारम्भ किया है उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले आगरा कैनाल के बारे में बताऊंगा क्योंकि यह मेरे क्षेत्र का मसला है। आगरा कैनाल उत्तर प्रदेश सरकार की नहर है और इससे उत्तर प्रदेश, राजस्थान तथा हरियाणा की भूमि सिंचित होती है। आज से पहले जो भी सरकारें रहीं उन्होंने इस मसले को इतनी गंभीरता से नहीं लिया जितना कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने लिया है क्योंकि उन्होंने हमारे क्षेत्र के किसानों से इलैक्शन से पहले वायदा किया था कि वे उनकी फसल के लिए पानी मुहैया करायेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने इलैक्शन से पहले वायदा किया था कि वे हरियाणा प्रदेश में शराब बंदी करेंगे और उनकी सरकार बनते ही उन्होंने सबसे पहले अपने इसी वायदे को पूरा किया, उसी तरह से आगरा कैनाल का वायदा भी पूरा किया। उपाध्यक्ष महोदय, आगरा कैनाल के फरीदाबाद और गुड़गांव जिले में 11 चैनल हैं, इन 11 चैनलों के कंट्रोल, मेंटीनेंस और रख-रखाव का काम हमारी सरकार ने अपने हाथ में लिया। ये 11 चैनल लगभग 380 कि०मी० लम्बे हैं, इन सभी की गाद निकालने का काम पूरा किया है चाहे कोई चैनल छोटा हो या बड़ा हो और वहां के किसानों को पानी दिया। इस कैनाल का काम पूरा करने से लगभग उस एरिया की एक लाख 47 हजार एकड़ भूमि सिंचित होती है। आज उस कैनाल की टेल तक पानी पहुंचा हुआ है और किसान पूरी तरह से लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त उपाध्यक्ष महोदय, सन् 1962 में हरियाणा प्रदेश के पिछड़े क्षेत्र मेवात के लिए पानी मुहैया कराने के लिए गुड़गांव कैनाल निकाली गई थी और उस समय इस नहर की पानी की क्षमता 2200 क्यूसिक रखी गई थी। उपाध्यक्ष महोदय, सन् 1962 के बाद उस नहर का किसी भी सरकार ने रख रखाव नहीं किया और वह नहर आधी से ज्यादा गाद से भर गई। फरीदाबाद का जितना भी दूषित पानी था वह उस नहर में गिरता था और उसकी वाटर क्षमता 2200 क्यूसिक से घटकर 330 क्यूसिक ही रह गई। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने इस नहर की तरफ भी अपनी दिलचस्पी दिखाई है और इस नहर की सफाई तथा मरम्मत का काम शुरू करवा दिया है। जो उम्मीद मेवात के लोगों ने चौधरी बंसी लाल जी से की थी

[श्री हर्ष कुमार]

उनकी वह उम्मीद अब जल्दी ही पूरी होने वाली है। उपाध्यक्ष महोदय, जमुना में पानी की कमी की वजह से इस नहर की वाटर क्षमता 2200 क्यूसिक से कम हो गई थी और इस नहर को पूरा पानी नहीं मिलता था। पिछली सरकारों ने इस बारे में जो भी स्कीमें बनाई थीं उनकी सारी की सारी स्कीमें अधूरी ही रह गई लेकिन अब चौधरी बंसी लाल जी ने इस गुड़गांव कैनाल को बनाने का बेड़ा उठा लिया है। आज लगभग 211 करोड़ रुपये की मेवात कैनाल की स्कीम को भी हरियाणा सरकार ने मन्जूरी दी है जिसमें पलवल के पास धन्तरी एक ऐसी जगह है जहां पर यमुना के दोनों तरफ हरियाणा का इलाका है और वहां एक बहुत बड़ा बैराज बनाकर पानी को स्टोर किया जायेगा और दूसरी फीडर वगैरा बनाकर वहां से लिफ्ट द्वारा पानी उठाकर गुड़गांव कैनाल से तीन लाख से ज्यादा एकड़ भूमि को सिंचित किया जाना था। आज इस मेवात कैनाल के बन जाने से यह तीन लाख एकड़ के करीब एरिया सिंचित होगा। जैसा कि मैंने ऊपर बताया है कि 211 करोड़ के लगभग हरियाणा सरकार ने इस कैनाल के लिये मन्जूर किया है और इससे पहले बजट में उसका प्रावधान रखा था। आज यह कैनाल सैन्ट्रल वाटर कमीशन के पास मन्जूरी के लिये भेजी हुई है और जैसे ही स्वीकृति मिल जायेगी तो हमारी सरकार गुड़गांव, मेवात के इलाके और फरीदाबाद के कुछ इलाके की पानी की पूर्ति के लिये एवं किसानों की खुशहाली के लिये मेवात कैनाल का काम पूरा करेगी। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी कई तरह की बातों की दुहाई देते रहते हैं लेकिन एक भी आंकड़ा वे तर्क के साथ प्रस्तुत नहीं करते। आज तक दक्षिणी हरियाणा का जो अहीरवाल क्षेत्र है और स्वयं मुख्यमंत्री जी भी वहां से हैं, उस क्षेत्र में कई नेताओं ने जाकर अपने आपको वहां से जोड़ने की कोशिश की और उस इलाके से अपना संबंध बताने के लिये वहां जन्म दिन भी मनाये लेकिन किसी भी सरकार ने उस अहीरवाल क्षेत्र में खुशहाली के लिये कोई सिंचाई की नई योजना शुरू नहीं की थी। आज मैं चौधरी बंसी लाल जी का धन्यवाद करता हूं क्योंकि मेरा इलाका भी उस दक्षिणी हरियाणा से है। जिन्होंने लगभग 50 करोड़ रुपये की एक मेवात लिफ्ट स्कीम को मन्जूरी दी है और अहीरवाल के जो 100 गांव हैं और उन सभी 100 गांवों की 79000 एकड़ भूमि इस मेवात लिफ्ट से सिंचित होगी। उपाध्यक्ष महोदय, वही एक मात्र दक्षिणी हरियाणा का ऐसा इलाका है जहां पानी का लैवल बहुत नीचे जा चुका है और पीने के पानी की वहां बहुत कमी है। उन इलाकों के लिये ये नहरें मील का पत्थर साबित होंगी। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के एक साथी श्री रामपाल माजरा ने कल पानी के बटवारे का एक मुद्दा उठाया था कि हरियाणा का जितना भी पानी है उसका 72% पानी आज की तारीख में केवल भिवानी जिले के लिये जा रहा है। पता नहीं वे इस तरह के आंकड़े कहां से ले आते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जनता इन माननीय सदस्यों को इस उम्मीद के साथ चुन कर भेजती है कि ये सदस्य सदन में बैठेंगे और उनके इलाकों की समस्याओं को गंभीरता से वहां उठायेंगे और उनको दूर करवायेंगे। लेकिन ये लोग इन कामों को करने की बजाय गलत बयान बाजी करने में और गलत आंकड़ों में ही उलझे रहते हैं। इसलिये बड़ा अफसोस होता है। उपाध्यक्ष महोदय, उन्होंने कहा कि 72 प्रतिशत पानी आज भिवानी को जा रहा है लेकिन आज वे यहां मौजूद नहीं है फिर भी मैं हाउस की जानकारी के लिये बता देना चाहता हूं कि आज भिवानी एरिया तो क्या पूरे दक्षिणी हरियाणा जिसमें अहीरवाल भी शामिल है और जे०एल०एन० का भी इलाका है। वहां पर 72% तो क्या जो कैरियल चैनल हैं और जो नहरें वहां उस इलाके तक जाती हैं उनकी क्षमता भी इतनी नहीं है कि उनमें पूरे हरियाणा प्रदेश का 35 प्रतिशत पानी चलाया जा सके तो फिर 72 प्रतिशत पानी अकेले भिवानी जिले को कैसे जा सकता है ? उपाध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी सिंचाई के मामले में बड़ी गम्भीरता से और बड़ी तत्परता से परियोजनाओं को शुरू करवाने में लगे हुए हैं। उनमें सभी बड़ी नहरें चाहे डब्ल्यू०जे०सी० हो

चाहे सिरसा ब्रांच हो और चाहे सिवानी फीडर हो जितनी बड़ी नहरें हैं उनकी रिमोडलिंग और रीहैबलीटेशन का काम हो रहा है ताकि किसानों को सिंचाई का पानी पूरा मिल सके। यदि किसानों को नहरी पानी पूरी मात्रा में मिलेगा तो स्वाभाविक है कि किसान खुशहाल होगा। इस हरियाणा प्रान्त की तरक्की होगी। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, हमारे विरोधी पक्ष के साथी अगर सदन में होते तो उनसे मेरा कुछ अनुरोध भी होता और उनसे कुछ सलाह भी होती लेकिन वे हाउस में नहीं हैं यह बड़े अफसोस की बात है। फिर भी मैं एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि आज की सरकार हरियाणा प्रदेश की खुशहाली के लिए बड़ी गम्भीरता से और बड़ी तत्परता से अपने कार्य में लगी हुई है। जहां तक महामहीम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण की बात है इसमें जितनी भी परियोजनाओं का दर्शाया गया है उन पर आज की सरकार कार्य कर रही है। यह अभिभाषण महामहीम राज्यपाल महोदय ने बहुत आत्मविश्वास के साथ इस सदन में पढ़ा है। जितने आत्म विश्वास के साथ महामहीम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण को पढ़ा है उतनी ही लगन और उतने ही मनोबल के साथ हमारी सरकार उन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वचनबद्ध है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात निश्चित तौर पर कहना चाहूंगा कि जो परियोजनाएं हैं या यह कह लीजिए कि इस बार का जो महामहीम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण है यह हरियाणा प्रदेश की खुशहाली में, हरियाणा प्रदेश की तरक्की में और हरियाणा प्रदेश की व्यवस्था में मील का एक पत्थर होगा। इतना कहते हुए मैं दोबारा से महामहीम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर पेश हुए धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Deputy Speaker : Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended upto 7.30 P.M.?

Voices : Yes.

Mr. Deputy Speaker : The time of the sitting is extended upto 7.30 P.M.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे आज बड़ा दुख है कि हमारे विपक्ष के भाई सदन से चले गए। आज सरकार राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर पेश हुए धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रही है। हमारे विपक्ष के भाई इस पर 84-84 और 64-64 मिनट बोले और उन्होंने सारी बातें कही। हमने उनकी सारी बातों को बड़े आदर से सुना। डिप्टी स्पीकर साहब, कल भी आपने देखा होगा कि वे कोई बात नहीं कह सके हमने सच्चाई को स्वीकार किया परन्तु फिर भी उन्होंने हंगामा किया। डिप्टी स्पीकर साहब, आज किस तरह से माइक तोड़ा गया और वह माइक हमारे उद्योग मंत्री शशिपाल मेहता के सिर पर लगा और एक दूसरे विपक्ष के साथी ने दूसरा माइक खींचा। प्रजातंत्र में कई बार यह हो जाता है हम ही न्यायधीश हैं और हम ही बोलें और हम जो बोलें वही ब्रह्म वाक्य हो परन्तु डिप्टी स्पीकर साहब, यह प्रजातंत्र प्रणाली बहुत श्रेष्ठ प्रणाली है। इसमें जनता अदालत होती है। विपक्ष की भूमिका में होते हुए भी इस देश में कैसी रवायात कायम की गई हैं वह भी मैं बताऊंगा। लेकिन यहां पर सच्चाई कहना भी गुनाह हो गया। एक विदेशी को विदेशी कहना भी गुनाह हो गया। जो बात संसद में कही जा चुकी है उसको दोहराना भी गुनाह हो गया। जिन लोगों ने विपक्ष की भूमिका पिछले 50 साल तक निभाई उन्होंने इस देश के लिए ऐसी परम्परा कायम की हैं जिसका उदाहरण बहुत कम

[श्री राम बिलास शर्मा]

देखने को मिलता है। जब अपने देश की बात को जनेवा में कश्मीर के मामले को ठीक तरह से रखा नहीं गया तब देश हार रहा था तो उस वक्त के प्रधान मंत्री ने आज के प्रधानमंत्री से कहा कि आप जनेवा में जाएं और इस कश्मीर के मामले में भारत का पक्ष रखें। आज के प्रधान मंत्री ने जो विपक्ष में थे, कहा कि चाहे मैं विपक्ष में हूं या पक्ष में हूं परन्तु देश के हित का मामला है इसलिए मैं इस मामले के लिए जनेवा जाऊंगा और आज के प्रधानमंत्री जनेवा में कश्मीर का मामला जीत कर आये थे। विपक्ष के लोगों ने ऐसे रवायात भी कायम किए हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरु इस देश के 18 साल तक प्रधानमंत्री रहे। जब वाजपेयी जी को बोलना होता था तो पंडित जी उनसे पूछते थे कि आपने कब बोलना है ताकि मैं उस समय सदन में उपस्थित रह सकूं। ऐसी परंपरा भी इस देश में कायम है। उपाध्यक्ष महोदय, आज के हमारे सदन के नेता चौधरी बंसी लाल जी और हम जब उधर विपक्ष में बैठते थे तो बंसी लाल जी को पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर भी बोलने का समय नहीं दिया जबकि विधान सभा में यह एक ऐसा प्रोविजन है कि प्रत्येक मैम्बर अपनी पर्सनल एक्सप्लेनेशन दे सकता है। उस वक्त ऐसा उदाहरण भी किया गया जो मिलता नहीं क्योंकि पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर तो अवसर मिलता ही है। It is mandatory. It is constitutional. उपाध्यक्ष महोदय, उस वक्त 3 दिन तक चौधरी बंसी लाल जी को जो पार्लियामेंट में भी रह चुके हैं और इस प्रदेश के मुख्य मंत्री भी रह चुके थे, पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर बोलने का समय नहीं दिया। ये तीन दिन तक खड़े होते रहे। उस वक्त कर्ण सिंह दलाल जी थे, आप थे और हम थे तो हमें बोलने नहीं देते थे बार-बार टोकते थे। डिप्टी स्पीकर साहब, कौन कैसी भूमिका निभायेगा इसका फैसला इस प्रदेश की और देश की जनता जनार्दन करती है। हम हाउस में रहें या न रहें इसका फैसला इस प्रदेश की जनता जनार्दन जो 1 करोड़ 60 लाख है उसने फैसला करना है और ऐसा फैसला उसने हमारी सरकार बनाते वक्त किया भी। हमें इस बात का दुःख है कि आज वे इस समय सदन में नहीं हैं। जो बात उन्होंने कही उनका जवाब वे सुनते और अपनी विपक्ष की जिम्मेवारी निभाते। इस देश की जनता खाली कुश्ती को पसंद नहीं करती बल्कि शालीनता को भी पसंद करती है। इस देश की जनता जनार्दन ने इन लोगों को विपक्ष में बैठाया अब उनके पास कोई मुद्दा नहीं है जिससे वे सरकार की आलोचना कर सकें। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने विभाग से संबंधित कुछ बातें कहूंगा। लेकिन मैं अपने विभाग की बात से पहले यह कहना चाहूंगा कि कल हमारे एक साथी ने कहा कि 2392 मैगावाट बिजली मिल रही है जबकि हमें 4000 मैगावाट बिजली चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, कल तक बोलने वालों में सम्पत सिंह जी, करतार देवी, सतविन्द्र राणा, राव नरेन्द्र सिंह, अशोक कुमार, धर्मवीर गाधा, धीरपाल, कुलदीप सिंह, बीरेन्द्र सिंह, बलवंत सिंह मायना, बलबीर सिंह, कृष्णलाल, रामफल कुण्डू, चन्द्र भाटिया, रामपाल माजरा, बन्ता राम, रिसाल सिंह, जयसिंह राणा व अन्य कुछ साथी बोले। चन्द्र भाटिया को छोड़कर सभी ने एक कोमन बात कही कि 24 घंटे बिजली मिलनी चाहिए सरकार 24 घंटे बिजली नहीं दे रही। सभी ने एक कोमन बात यह कही कि बिलो पावर्टी लाईन से नीचे रहने वालों की तरफ सरकार ध्यान नहीं दे रही। डिप्टी स्पीकर सर, मैं इस महान सदन के सामने कहना चाहता हूं कि अक्सर जो हम बोलते हैं वह एग्जॉस्ट नहीं होता, वह समाप्त नहीं होता और उसका अस्तित्व ब्रह्माण्ड में रहता है। उपाध्यक्ष महोदय, सबने इस बात को स्वीकार किया कि आज बिजली की आवश्यकता है। बिजली उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। हरियाणा में कोई भी ऐसी चीज़ नहीं है जिसमें बिजली की आवश्यकता न पड़े। उपाध्यक्ष महोदय, जिन्होंने सुधारीकरण की आलोचना भी की उन्होंने भी इस बात को माना कि 2392 मैगावाट बिजली की आज आवश्यकता है और 863 मैगावाट बिजली उपलब्ध है। आज बिजली हर काम के लिए जरूरी है आज खेत में बिजली की आवश्यकता है, पशुओं का चारा काटने के लिए, आटा पीसने के लिए, दूध

बिलौने के लिए, कपड़े धोने के लिए, पानी गर्म करने के लिए बिजली चाहिए। मेरे कहने का मतलब है कि आज ऐसी कोई गतिविधि नहीं है जिसमें बिजली की आवश्यकता न पड़े। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ठीक फरमा रहे हैं कि अब तो नाई भाई भी जो राछ इस्तेमाल करते हैं वे भी बिजली से चलते हैं आज दाढ़ी बनाने के लिए भी बिजली का इस्तेमाल हो रहा है। सदन के सभी साथी मानते हैं कि अधिक बिजली की आवश्यकता है। उपाध्यक्ष महोदय, बी०जे०पी० और एच०बी०पी० की सरकार ने आते ही पहले दिन से इस बात को समझा है कि यदि हरियाणा प्रदेश की तरक्की करनी है, यदि हरियाणा की खेती की तरक्की करनी है, यदि उद्योग बढ़ाने हैं और हरियाणा में बेरोजगारी का इलाज करना है, हरियाणा में यदि शांति स्थापित करनी है तो बिजली का उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है और यह सबसे महत्वपूर्ण काम है जिसे सरकार ने अपने हाथ में लिया। इसके जो परिणाम हैं वह माननीय मुख्य मन्त्री महोदय बताएंगे। डिप्टी स्पीकर सर, मेरे हाथ में यह पत्र है जो कि मैं इस महान सदन के सामने रखना चाहता हूं। हरियाणा की सरकार इतने वर्षों से चल रही है लेकिन किसी भी प्रधान मंत्री ने किसी भी प्रोजैक्ट की प्रशंसा नहीं की है। मेरे हाथ में सचिव, भारत सरकार का यह पत्र है जिसको मैं यहां उद्धृत करना चाहता हूं यह पत्र इस प्रकार है :—

> "The Prime Minister had expressed satisfaction in regard to the performance of the Thermal Plants in particular and the overall performance of the sector in general. He had desired that we should convey his appreciation to the workers and the officers in the power plants which has performed well during the first six months of the year."

उपाध्यक्ष महोदय, यह प्रधान मंत्री जी की भावनाओं को कन्वे करता हुआ पत्र है जो कि भारत सरकार के सचिव ने लिखा है। डिप्टी स्पीकर सर, आज हरियाणा प्रदेश का हर आदमी यह महसूस करने लगा है कि हमने जिस काम को अपने हाथ में लिया है इसे पूरा करने जा रहे हैं। पावर जैनरेशन कोई छोटा काम नहीं है। बिजली के उत्पादन के लिए कोई भी डैम बनाएं, कोई भी प्लांट या प्रोजैक्ट लगाएं तो उसके लिए डेढ़ या दो साल से पहले इतना इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार नहीं हो सकता। हमारे इन दूसरे भाइयों ने शूगर मिल से जुड़े किसानों को भड़काया, शुगर मिल के लोगों को भड़काया, हमारे गरीब सफाई कर्मचारियों को भड़काया और बिजली बोर्ड के कर्मचारियों को भड़काया लेकिन इन सब बातों के बावजूद आज हरियाणा में पहले से ज्यादा बिजली उपलब्ध है। ये लोग किसान के हितों की बात करते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं उस इलाके को रिप्रैजैंट करता हूं जहां पर केवल एक फसल होती थी और आज के दिन सरसों की फसल में फली आती है और गेहूं की बाली का उत्पादन दुगना बढ़ गया है, आज किसान को वहां पर बिजली मिल रही है जब कि हम लोग कभी बिजली के लिए आन्दोलन किया करते थे। आज पूरे हरियाणा में राहत महसूस की जा रही है। गांव का किसान, शहर का व्यापारी इस बात को मानता है कि बिजली का उत्पादन बढ़ा है और बिजली की सप्लाई में सुधार हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, जून, 1999 तक 24 घण्टे बिजली देने का अपना वायदा यह सरकार पूरा करेगी। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी मंत्री रहे हैं और चौधरी सम्पत सिंह जी भी बिजली एवं सिंचाई मंत्री रहे हैं उन्होंने एक ऐसी बात कही कि डब्ल्यू०आर०पी० का पैसा खर्च कर दिया। तो हर्ष कुमार जी ने उनको बताया कि डब्ल्यू०आर०पी० का कोई पैसा हमने खर्च ही नहीं किया है।

डिप्टी स्पीकर साहब, शिक्षा के सम्बन्ध में कुछ साथियों ने बहुत अच्छे सुझाव दिए। राम पाल माजरा ने कहा कि स्कूलों की वार्षिक इन्सपैक्शन होनी चाहिए। हम इसे वर्ष की जगह तीन महीने में जिला

[श्री राम बिलास शर्मा]

स्तर पर सुधार कर रहे हैं, नैतिक शिक्षा के लिए हमारा पूरा विभाग लगा हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, अध्यापकों को पूरा सम्मान मिलना चाहिए। भारत के संस्कारों की अपनी पद्धति है, संस्कारों की अपनी प्रक्रिया है, भारत जीवन का एक दर्शन है, भारत की अपनी ही उठने बैठने की शैली है, जीने मरने की अपनी ही शैली है और पूरी दुनिया ने इस शैली को स्वीकार किया है। आज तक जितने भी चिन्तक हुए हैं जिन्होंने जीवन के सम्बन्ध में चिन्तन किया है, मनन किया उन सबने यह कहा है कि पहली शताब्दी में यांगशान ने कहा, इतसिंग ने कहा। पूरी दुनिया का चिन्तनशील, मननशील आदमी इस धरती पर कभी नालंदा में कभी तक्षशिला में आया और सब ने माना कि भारत की कुछ बातें ऐसी हैं जिनका दुनिया में कोई मुकाबला नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, उसके हिसाब से ही हमारी शिक्षा पद्धति है। हमारे संस्कारों में नैतिकता आई, जीवन मूल्य इसमें आए। हम समय-समय पर अनेक संस्थाओं से, अनेक महापुरुषों के साथ अपने विभाग को लेकर मंत्रणा करते रहे। उपाध्यक्ष महोदय, बात आंकड़े से होती है। हमने जब 1996 में इस सरकार में टेक ओवर किया तो हरियाणा में 1995 के सीनियर सैकेन्डरी के परीक्षा परिणाम 14.54 परसैंट थे और 1996 में 31 परसैंट परिणाम थे। इस बारे में इन अढ़ाई वर्षों के परिश्रम से शिक्षा विभाग के अध्यापक भाई बहनों के परिश्रम से, हम सब के सूपरविजन से और मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन से ये परीक्षा परिणाम इस बार 54.12 परसैंट आए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आप तो श्रेष्ठ अध्यापक रहे हैं और आपने प्रदेश से भी और देश से भी पुरस्कार पाए हैं। आप तो जानते हैं कि परीक्षा परिणाम में इतनी बढ़ौतरी अढ़ाई वर्षों के समय में कैसे हुई ? जब छठी कक्षा को पढाते हैं तब जाकर उनके परिणाम नौवीं-दसवीं में दिखते हैं। इस अढ़ाई वर्षों में 14 परसैंट से 54 परसैंट सीनियर सैकेंडरी का परिणाम बढ़ा है। उपाध्यक्ष महोदय, मैट्रिक का 1995 में परिणाम 23.88 प्रतिशत था, 1996 में 40.28 प्रतिशत परिणाम था और इस बार 1998 में 57.53 परसैंट है। उपाध्यक्ष महोदय, 1995 में आठवीं के परिणाम 29.3 परसैंट थे, 1996 में 44.18 परसैंट थे और इस बार 54.51 परसैंट ये परिणाम आए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, सात जिलों में प्राथमिक शिक्षा योजना चल रही है। इस बारे में वर्ल्ड बैंक की टीम यहां पर आई। उन्होंने 27 अक्तूबर से 31 अक्तूबर 1998 तक यहां पर दौरा किया। वर्ल्ड बैंक की टीम में वाशिंगटन की मैडम सीमीलंदा मैनटेनैंस थी और श्री लाल कृष्ण अडवानी जी भारत को रिप्रजैंट कर रहे थे। इन्होंने भांगल चौधरी, भगीना और गुड़गांवा के खण्डों का दौरा किया और एक-एक प्राथमिक विद्यालय में गए। उसके बाद जो इन्होंने रिपोर्ट दी वह यह है कि जिस तरह से हरियाणा में यह योजना कामयाब है वैसी कहीं पर नहीं है। प्राथमिक बच्चों को पढ़ाने वाले अध्यापकों का प्रशिक्षण बहुत अच्छा है। हरिजन बच्चों का, अनुसूचित जाति के बच्चों और घुमन्तु परिवारों के बच्चों की हाजिरी बढ़ी है, वह 38 प्रतिशत बढ़ी है। यह हाजिरी हरियाणा के राजकीय विद्यालयों में बढ़ी हैं। उपाध्यक्ष महोदय, अशोक जी ने कहा है कि कुछ प्राईवेट स्कूलों के बारे में हमें शिकायतें मिली हैं। पिछले 50 वर्षों में शिक्षा एक बहुत बड़ा व्यापार भी हो गया है। पिछली सरकारों के कारण शिक्षा के बारे में लोगों में एक गलत फहमी बैठ गयी थी कि जो बड़े-बड़े स्कूलों में ज्यादा पैसा खर्च करके पढ़ेगा वही अच्छी शिक्षा पा सकता है। परन्तु मैं इस सदन में निवेदन करना चाहता हूं कि जब भी भारत में कोई सर्वश्रेष्ठ रहा है तो वह गरीब घर का बच्चा जो सरकारी विद्यालय में पढ़ता था, ही रहा है चाहे वह नोबेल पुरस्कार विजेता अमृत्यासेन हो, चाहे वह कल्पना चावला हो या कोई दूसरा हो। ये सभी आम परिवारों के बच्चे रहे हैं। डिप्टी स्पीकर सर, मैंने शुरू के दिन ही आवीचुएरी रैफरैंसिज के संदर्भ में अतुल कठारिया जो गुड़गांव का रहने वाला था, का नाम लिया था वह एक बहादुर जवान था। इन जैसे लोगों ने ही स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लड़ी। इन सभी लोगों ने भारत में ही शिक्षा गृहण की और पूरी दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया है। इसी

तरह से लोकायुक्त की नियुक्ति के बारे में कहा गया है। भारत सरकार के बारे में भी इन मित्रों को बड़ी तकलीफ हो रही है। सर, भारत के पूर्व राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री जी को एक पत्र लिखकर कहा कि आपने जो 15 मई, 1998 को परमाणु विस्फोट किया उससे पूरी दुनिया में हिन्दुस्तान का नाम ऊंचा हो गया। आपका यह काम हिन्दुस्तान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। जो काम कोई भी नहीं कर सकता था उसको आपने कर दिया। भारत का नाम आपने इज्जत के साथ जोड़ दिया, सम्मान के साथ जोड़ दिया। हिन्दुस्तान की मिट्टी से जुड़े हुए जो लोग विदेशों में रहते हैं उन्होंने भी शिकागो में प्रधानमंत्री जी से कहा कि आर्थिक पाबंदियों से मत घबराना। उन्होंने कहा कि पहले भारत का नाम कहीं पर भी नहीं आता था लेकिन आपने जो यह काम किया है उससे भारत का नाम रोजाना टी०वी० पर आने लगा है। They used to say, what India, which India. Now they say, that India, we are proud of India. डिप्टी स्पीकर सर, जब केन्द्र सरकार ने आर्थिक पाबंदियों का मुकाबला करने के लिए रिसर्जेन्ट बॉंड जारी किए तो विदेशों में रहने वाले लोगों ने साढ़े सत्तर हजार करोड़ रुपये के ये बॉंड भरे और वह भी 14 दिन के अंदर अंदर के टाईम में। परन्तु कुछ लोग उसको भी राजनैतिक मुद्दा बनाना चाहते हैं जो ठीक नहीं है। इसके अलावा भारत सरकार ने जब डीजल के ऊपर एक रुपया कम किया तो उसमें भी ये कहने लगे कि इसका तो रेट पूरी दुनिया में ही कम हुआ है। मैं इस बारे में किसी का नाम नहीं लेना चाहता लेकिन हर तबके के लोगों ने चाहे वह खेत में हाली-पाली हो या चाहे वह कोई और हो, सबने हिन्दुस्तान के प्रधानमंत्री जी को बधाई दी है। परमाणु विस्फोट के बाद हिन्दुस्तान की सरहद पर खड़े सेनाओं के जवानों में एक अलग ही आत्मविश्वास आया है। अब वह पहले वाला ओर०डी०एक्स० कहां गया या अब वह बम कहां गए जो कलकत्ता या बम्बई में पहले फटे थे। अब वह इसलिए नहीं दिखाई देते क्योंकि अब भारत की चौकसी बहुत ही मजबूत हाथों में आयी है लेकिन उसके बावजूद भी हमारे उधर के मित्रों को तकलीफ हो रही है। डिप्टी स्पीकर सर, इसके अलावा ये हरियाणा में अपराध की भी चर्चा करते हैं। यह बात ठीक है कि पिछले 50 वर्षों में देश में विदेशी हवाएं चलीं और कुछ बीमारियां विदेश से हिन्दुस्तान में आयीं। इसके अलावा विदेश से पर्यावरण खराब करने वाली कांग्रेस घास भी विदेश से ही आयी। इसी वजह से लोगों में ऐसी मानसिकता आयी कि वे अपराध करने लगे। इन्होंने बहादुरगढ़ में बेबी किलर कांड की भी चर्चा की। सर, इस कांड का हत्यारा इतने सालों से ऐसे ही घूम रहा था लेकिन हमारे चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व वाली सरकार ने उसको पकड़ा। हमारी पुलिस ने उसको पकड़ा। इसी तरह से झज्जर और बहादुरगढ़ में जिन 6 लोगों की मौत हुई उनके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि उनके हत्यारों को चाहे हमने हिमाचल में जाकर पकड़ा लेकिन उनको गिरफ्तार जरूर किया। बहादुरगढ़ पैट्रोल पम्प पर जो घटना हुई उनको भी हमारी पुलिस ने सही सलामत बिना किसी हादसे के उनके घर पहुंचाया। इसके अलावा गावा साहब जिस गुड़गांव के डाकखाने की डकैती की बात कर रहे थे उसके दोषियों को भी हमारी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये बातें उन लोगों द्वारा कही गयी हैं जिनके अपने राज में लोगों की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। वे लोग तो कहकर चले गए लेकिन उनके अपने राज में स्कूलों में पढ़ने वाली बच्चियों की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। रेणुका जो रेलवे कर्मचारी की लड़की थी उसके साथ क्या किया गया वह कहने की बात नहीं है। लेकिन उसकी लाश बोरी में भरकर जमीन में दबा दी गयी। वह सरकार उसके हत्यारों का पता नहीं लगा सकी थी। उपाध्यक्ष महोदय, द्रोपदी कांड करनाल में हुआ, सुशीला कांड हिसार में, रेणुका कांड यमुनानगर में, कुसुम और विमला कांड भूतमाजरा में हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, यह जरूर है कि आज कुछ अपराध की घटनाएं हुई हैं लेकिन आज हरियाणा की पुलिस से आदमी बच के नहीं जा पा रहा है। ये जो कुछ थोड़े बहुत अपराध हो रहे हैं वह पाश्चात्य प्रभाव के कारण से हैं। राजनीति में ये प्याज के दम पर राजी हो रहे हैं कल मैंने ईस्ट इंडिया कम्पनी का जिक्र कर दिया। अब

[श्री राम बिलास शर्मा]

हिन्दुस्तान का जनमानस चेतनायुक्त है गुलामी को कई पीढ़ियों ने भुगता है Again, I say अब उस तरह के हालात देश में कभी नहीं होंगे। कोई कुछ भी बात करे लेकिन राजनीति तप है, भोग नहीं है। राजनीति पराक्रम है, राजनीति तप है, राजनीति धर्म है और हरियाणा का एक करोड़ साठ लाख का जनार्दन अब ऐसा नहीं है कि जिसको कुछ सूझता नहीं हो। अपनी इस संक्षिप्त सी बात के साथ महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया है, मैं उसके समर्थन में खड़ा हूं, अब मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। आपका धन्यवाद।

श्री उपाध्यक्ष : अब मुख्यमंत्री जी जवाब देंगे।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : उपाध्यक्ष महोदय, बड़ा अफसोस है कि हमारे जो विरोधी भाई हैं वे अपनी सब बातें तीन दिन में कह गए, जो नहीं कहना चाहते थे वह भी कह गए लेकिन जब से ये सरकार बनी है, ये सदन बनी है उस समय से इन्होंने एक रवैया अपनाया हुआ है कि जवाब नहीं सुनना क्योंकि जवाब सुनने की इनमें शक्ति नहीं है अगर कोई बात कहते हैं तो उसका जवाब भी सुनना चाहिए आपने देखा आज सुबह से वो लोग क्वेशचन ऑवर में हर मिनिस्टर को टोकना, सुबेरे चौधरी जगन नाथ जवाब दे रहे थे, तब इनको टोक रहे थे और क्वेशचन ऑवर में भी वाकाउट कर गए। क्वेशचन ऑवर में प्वाइंट ऑफ ऑर्डर रेज कर रहे थे जो होता नहीं है। अच्छा होता कि वे जवाब सुनते। सबसे पहले मैं पॉवर के बारे में बात कहना चाहूंगा। हमारे विरोधी भाइयों को सबसे बड़ी तकलीफ पावर की है क्योंकि आने वाली 30 जून तक हम पूरे हरियाणा को 24 घंटे बिजली देंगे। (इस समय मेजें थपथपाई गई) उनकी तकलीफ यह है। चौधरी सम्पत सिंह जी पूछ रहे थे और कह रहे थे कि चार हजार मेगावाट बिजली की जरूरत है कहां से लाएंगे ? पहली बात तो यह है कि हमको चार हजार मैगावाट की जरूरत अभी नहीं है जब चार हजार मैगावाट बिजली की जरूरत होगी तब शायद हमारे पास पांच हजार मेगावाट बिजली हो। हमने दो-एक दफा सितम्बर में और एक दफा नवम्बर में 24 घंटे बिजली सप्लाई करके देखी और उस बिजली की सप्लाई करने में हमको जो कमी महसूस हुई उसके बारे में नवम्बर महीने में हमने तीन दिन तक लगातार पूरे स्टेट का 24 घण्टे बिजली देकर एक एक्सपैरीमैंट किया। 25-11-1998 को 11 लाख यूनिट बिजली की कमी रही, 26-11-98 को 34 लाख यूनिट बिजली की कमी रही और 27-11-1998 को 32 लाख यूनिट बिजली की कमी रही जो हमें बाहर से लानी पड़ी। अब हम जो 30 जून तक 24 घण्टे पॉवर देंगे उस वक्त तक हमारे पास 143-143 मैगावाट के एन०टी०पी०सी० फरीदाबाद की दो यूनिट की बिजली मिलने लग जायेगी जिसमें से एक यूनिट तो 31 मार्च या 15 अप्रैल तक तथा दूसरा यूनिट 30 जून से पहले तैयार हो जायेंगे। इस तरह हमको कुल बिजली 58 लाख यूनिट मिल जायेगी जबकि कमी 32,34,40 या 45 लाख यूनिट की हमारे पास है। इसके अलावा पानीपत के जो 110-110 मैगावाट के चार प्लांट हैं उनकी हम रिफर्निशिंग करा रहे हैं। एक यूनिट हमारे पास 30 जून से पहले पानीपत की आ जायेगी जिससे हमें 14 लाख यूनिट बिजली मिलेगी, बाकी 7 लाख यूनिट बिजली हिमाचल से ज्यादा आ जायेगी और दस लाख यूनिट बिजली हम पंजाब से खरीद रहे हैं। इस प्रकार उस वक्त तक 89 लाख यूनिट बिजली ज्यादा होगी। **(इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)** अतः हम 24 घण्टे बिजली देने की अहमियत में हैं और आराम से देंगे। इन विपक्ष वालों को पता नहीं क्या तकलीफ होती है। एक बार विपक्ष के 3-4 एम०एल०ए० किसी और काम से मेरे पास आये। यह दो-तीन महीने पहले की बात है, मैंने चाय मंगवा ली, चाय पीते-पीते कहने लगे कि चौधरी साहब आप एक साल के अन्दर 24 घण्टे बिजली कैसे देंगे। मैंने कहा कि एक साल तो ज्यादा है हम तो उससे पहले दे देंगे। तब

उन्होंने मेरे से कहा कि हम गांव में जाकर क्या कहेंगे। अध्यक्ष महोदय, तब मैंने उनसे कहा कि भगवान करे दिन अच्छे रहें तो ढाई साल के बाद आप लोगों को गांव में जाने के लायक ही नहीं छोड़ूंगा। बात यह है कि जब से हरियाणा बना उस वक्त से लेकर या पंजाब के वक्त तक या बाद में मैंने जो बिजली के प्लांट लगाये, चाहे चौधरी भजनलाल जी ने लगाये, चाहे चौधरी देवीलाल जी ने लगाये, उन्होंने तो क्या लगाये हमारे किये हुए ही आगे बढ़ाये होंगे हम उस बिजली में 1212 मैगावाट बिजली और शामिल करने वाले हैं। यह हम किस तरह करेंगे। जब पानीपत थर्मल प्लांट की छठी इकाई बन जायेगी तो इससे हमें 210 मैगावाट बिजली मिलेगी। इसी तरह हमें फरीदाबाद में 432 मैगावाट के तीन प्लांट जो 143, 143 और 146 मैगावाट के हैं इनमें से तीसरा प्लांट 146 मैगावाट का ज्यादा से ज्यादा अगली फरवरी या मार्च तक तैयार हो जायेगा और उससे भी बिजली मिलनी शुरू हो जायेगी। इसके अलावा वहां पर एक लिक्विड वेसड प्लांट है उससे भी हमें 300 मैगावाट बिजली मिलेगी। पानीपत थर्मल प्लांट में जो चार 110-110 मैगावाट की यूनिट हैं उनको हम रिफर्निसिंग करवा रहे हैं इससे भी हमें 270 मैगावाट बिजली मिलेगी। इन सब का टोटल 1212 मैगावाट बनता है, यह हमें अतिरिक्त बिजली मिलेगी। लेकिन ये सब बातें विपक्षी भाईयों को हज्म नहीं हो रही हैं। यमुनानगर में 500 मैगावाट के प्लांट के लिए भी टैण्डर इन्वाईट किये जा चुके हैं अध्यक्ष महोदय, शोर्ट-लिस्ट हो गये हैं अब आगे के टैंडर मांगने वाले हैं, शायद मांग भी लिये होंगे। मुझे उमीद है कि उसका फैसला अगले 2-3 महीने के अंदर-अंदर हो जायेगा, शायद सितम्बर-अक्तूबर में काम चालू हो जाये और बनना शुरू हो जायेगा। उसकी कंस्ट्रैक्शन का काम चालू हो जायेगा और उससे हमें 500 मैगावाट बिजली मिलने लगेगी। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद हम 250, 250 मैगावाट के कुल 500 मैगावाट के दो प्लांट हिसार में लगाने के लिए टैंडर मांगेंगे और इसी तरह से हमने पानीपत में जो रिफायनरी बन रही है, तेल शोधक कारखाना बन रहा है उसका जो पैजीडूवल मैटीरियल निकलता है उससे बिजली बनती है उनके साथ भी एग्रीमैंट कर लिया है तथा वे हमें 301 मैगावाट बिजली देंगे। उन्होंने फाईनैंशियल प्रबन्ध भी जापान की कंपनी मारूबेनी से कर लिया है। अध्यक्ष महोदय, इस काम के लिए भारत सरकार की पोलिटीकल अफेयर्ज कमेटी से परमीशन लेनी होती है वह भी हमें मिल गई है। इस तरह वहां से हमें 301 मैगावाट बिजली अतिरिक्त मिलने लगेगी। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हमने एन०टी०पी०सी० के साथ कंट्रैक्ट साईन कर लिया है। एक एक्सटैंशन प्रोजैक्ट, आद्रा, ओरइया, उंचाहार तथा रीहंद का आयेगा, इनसे भी हमें 300 मैगावाट बिजली और मिलने लगेगी। इसके अलावा और प्लांट भी आ जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त उड़ीसा में एक बहुत बड़ा प्लांट लग रहा है, उनसे भी हम 500 मैगावाट बिजली ले लेंगे, दूसरी स्टेट्स भी ले रही हैं क्योंकि यह प्लांट 3-4 हजार मैगावाट का लगा हुआ है। इस तरह से हमारे पास बिजली की कमी नहीं रहेगी क्योंकि हमारी प्लानिंग ही इस तरह की है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के साथियों को तकलीफ यह हो रही है कि जब हम यह काम कर देंगे तो जनता को ये क्या कहेंगे और क्या वायदा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, अब हरियाणा प्रदेश के गांवों और शहरों में 24 के 24 घंटे बिजली रहेगी और जनता उसका इस्तेमाल करेगी तब ये लोग ये भी नहीं कह सकेंगे कि बिजली नहीं मिलती। अध्यक्ष महोदय, बिजली को फार सैंक्शनिंग करने के लिए, डिस्ट्रीब्यूशन करने के लिए हमें लाईन्ज की स्ट्रैंथनिंग भी करनी पड़ेगी और जिस बिजली के बारे में मैंने आपको बताया है उस बिजली के अतिरिक्त हमें 20 मैगावाट बिजली मारूती उद्योग से मिलनी शुरू हो गई है जो मारूती कार बनाते हैं। इसके अतिरिक्त 25 मैगावाट का तरल ईंधन और मैगनम से चलने वाला प्लांट 3-4 महीने पहले गुड़गांवा में चालू हो गया है। अध्यक्ष महोदय, कुल मिलाकर 1267 मैगावाट बिजली हो जायेगी तथा हम यहीं नहीं रूकेंगे और भी आगे बढ़ेंगे। हम चाहते हैं कि हरियाणा की जनता को बिजली की तकलीफ कभी भी न हो, हम यह प्रोग्राम लेकर चल रहे हैं।

[श्री बंसी लाल]

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मार्च-2000 तक पानीपत के भी सभी प्लांट पूरे हो जायेंगे, शायद अगले साल मिडल तक भी पूरे हो जायें। अध्यक्ष महोदय, हमारी 1282 मैगावाट बिजली पंजाब ने रोक रखी है, क्योंकि वह बिजली पंजाब के रास्ते से आती है जिसकी कीमत 18-20 पैसे पर यूनिट पड़ती है उसका इस्तेमाल पंजाब कर रहा है। अध्यक्ष महोदय जो पावर भाखड़ा नंगल प्रोजैक्ट से बनती है उसमें हमारा ज्यादा हिस्सा है, तथा ब्यास प्रोजैक्ट यूनिट-I और 2 में जो बिजली बनती है उसमें भी हमारा ज्यादा हिस्सा है। इसके अतिरिक्त आनंदपुर साहब हाईडल प्रोजैक्ट, थीन डैम, मुकेरियां हाइडल, यू०बी०डी० स्टेज-II, शाहपुर कंडी वगैरा जो हैं, एस०वाई०एल० के ऊपर रास्ते में लगाये गये हैं और 1984 में जब हमने पंजाब को एस०वाई०एल० के रास्ते में पावर हाउस लगाने की इजाजत दी तो एक एग्रीमैन्ट हुआ था और हरियाणा और राजस्थान दोनों ने इस कंडीशन पर सहमति दी थी कि उसकी बिजली का जो अपोर्शनमैन्ट होगा वह भारत सरकार सुप्रीमकोर्ट को भेज देगी लेकिन अभी तक भेजा नहीं है। इस सम्बन्ध में हम भारत सरकार से खतो-किताबत भी कर रहे हैं और मिले भी हैं, हमारी बातचीत भी चल रही है। जो बिजली हमें अब मिल रही है, उसके अलावा भाखड़ा नंगल प्रोजैक्ट से 290 मैगावाट, ब्यास प्रोजैक्ट नं० 1 और 2 से 428 मैगावाट, आनन्दपुर साहब हाईडल प्रोजैक्ट से 67 मैगावाट, थीन डैम से 300 मैगावाट, मुकेरियां हाईडल से 103 मैगावाट, यू०बी०डी० स्टेज-II से 22 मैगावाट, शाहपुर कंडी प्रोजैक्ट से 47 मैगावाट और एस०वाई०एल० पावर हाउस से 25 मैगावाट बिजली मिलेगी। लेकिन पंजाब वाले भाई अब तक उसे रोके बैठे हैं और दूसरी तरफ श्री प्रकाश सिंह बादल को हमारे विपक्ष के भाई जीन्द में जलसे में लाये भी थे और वे जीन्द में ही कह गये कि हम एस०वाई०एल० का पानी नहीं देंगे। मेरे विपक्ष के साथी जो इस वक्त यहां बैठे नहीं है, इनकी दोस्ती उनसे है। अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० का केस पिछली कांग्रेस की जो सरकार थी, उसने सुप्रीमकोर्ट में किया था लेकिन उसमें कई खामियां छोड़ दी थी क्योंकि केस अच्छी तरह से तैयार नहीं किया गया और सुप्रीमकोर्ट में जब वह खारिज होने लगा तो हमने कहा कि हम इसे वापिस ले लेते हैं। हमने उसे वापिस लेकर सारी खामियां दूर करके व कार्यवाही पूरी करके फिर से यह केस सुप्रीम कोर्ट में दायर कर दिया जिसकी 27 जनवरी को हियरिंग भी थी और पंजाब ने जवाब देने के लिये छः हफ्ते का समय मांगा है, ये छः हफ्ते भी आ जायेंगे मगर पानी तो एस०वाई०एल का हम हर हालत में लेंगे और किसी भी सूरत में नहीं छोड़ेंगे। (इस समय सदन में मेज़ें थपथपाई गई) अध्यक्ष महोदय, हमने वर्ल्ड बैंक से पावर की स्ट्रैंथनिंग के लिये 2400 करोड़ रुपये का लोन मन्जूर करवाया है और कमिटमैंट भी 2400 करोड़ रुपये का है जिसकी पहली इंस्टॉलमैन्ट हमने ली है जो कि 240 करोड़ रुपये है। जब हम यह खर्च कर लेंगे तो आगे हमें और पैसा मिल जायेगा। इससे हम छोटे-बड़े सभी किस्म के ट्रांसफार्मर्ज़ बदलेंगे और कुछ पोलुज बदलेंगे और कुछ एक्सट्रा भी लगायेंगे। अध्यक्ष महोदय हमने 50 ओवर लोड फीडर ठीक कर दिये हैं और 5950 डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर्ज़ भी ऑगमैन्ट कर दिये हैं। इसके अलावा हमने पल्ला में 220 के०वी० सब-स्टेशन 18 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से लगाया है और तीन नई लाइनें पल्ला से पाली, पल्ला से समयपुर और यमुना नगर से शाहबाद के लिये हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हम अम्बाला को यमुना नगर के सब स्टेशन के साथ जोड़ेंगे। अध्यक्ष महोदय, ए०पी०एल०-1 में 240 करोड़ रुपए की जो किश्त आई है उससे हम 24 सब स्टेशंज 33 के०वी० के आगमैंट करेंगे। वे सब स्टेशंज हैं दिवाना (कुरूक्षेत्र), मथाना (कुरूक्षेत्र), राम्बा (करनाल), थरसत (करनाल), राम नगर (करनाल), लोहानी (भिवानी), लाड (भिवानी), मिनि सैक्रेटेरिएट (सोनीपत), सूरज स्टील (सोनीपत), खरखोदा (सोनीपत), एच०एस०आई०डी०सी० कुण्डली (सोनीपत), रामराय/बीबीपुर (जींद), दनौदा (जींद), अलेवा (हिसार), भाटला (हिसार), आर्य नगर (हिसार), भट्टू

(हिसार) थरवाला (हिसार), मुंढाल (हिसार), नाथुसरी चोपटा (सिरसा), नीजामपुर (नारनौल), मुंडियाखेड़ा (नारनौल), जड़थल (नारनौल) और झारोदा (रोहतक)। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, 33 के०वी० के 22 सब स्टेशन और हैं जिनको हम अंडर फेस-2 औफ ए०पी०एल० आगमैंट करेंगे वह हैं पाटला (कुरूक्षेत्र), तिऔंथा (कुरूक्षेत्र), ढ्रांड (कुरूक्षेत्र), सीवन गेट (कैथल), घोर (करनाल), कुटेल (करनाल), इसराना (करनाल), मोरवाला (भिवानी), सिंघाणा (जींद), गंगा (सिरसा), बेगू (सिरसा), बहुदिन (सिरसा), कालांवाली (सिरसा), आई०ए० (सिरसा), रामनगरिया (सिरसा), सिकन्दरपुर (सिरसा), केहरवाला (सिरसा), गढ़ी महासर (नारनौल), माडल टाउन (रिवाड़ी), एम०आई०ई० (बहादुरगढ़), जहाजगढ़ (झज्जर) और एच०एम०जी० (बहादुरगढ़)। इन सब स्टेशंज का 90 परसैंट काम अक्तूबर 1999 तक पूरा हो जाएगा। जो बाकी बचेंगे उनका दिसम्बर 1999 तक काम पूरा हो जाएगा और इनमें से कुछ सब स्टेशंज का काम 28 फरवरी 1999 तक पूरा हो जाएगा। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, ए०पी०एल०-1 के तहत 50 ओवर लोडिड फीडर्ज की बिजली अक्तूबर 1999 तक आगमैंट कर दी जाएगी। Mr. Speaker, Sir, these are the 50 overloaded feeders, which are going to be augmented under APL-1.

The work on those six feeders on which, the work has already started and would finish by 28th February, 1999 are-Madhuban, 66 KV, Nalvi, Emanating Sub-Division No. 2, Shahbad, Distt. Kurukshetra, Dhanaura, 66 KV, Bilaspur, Sub Division, Bilaspur, Distt. Yamuna Nagar, Bhondsi, 66 KV, Badashahpur Distt. Gurgaon, Parvatia Colony, 66 KV, Sub-Divison, F.C.I. Faridabad, Distt. Faridabad. Old Faridabad, 66 KV-P.3, Pala, West Old Faridabad, Distt. Faridabad, M.C. Krishna Colony, 33 KV, Industrial Area, Sub-Division, Bhiwani, Distt. Bhiwani. Rest of the names /details are as under :—

Sr. No.	Name of the Feeder	Emanating Sub-Station	Name of Sub-Division	Name of the District
1.	Rurki	66KV Ladwa	Ladwa/ Kurukshetra	Kurukshetra
2.	Dhola Majra	220KV Shahabad	No. 1 Shahabad	Kurukshetra
3.	Mangoli	66 KV Babain		Kurukshetra
4.	Harnol	66 KV Y. Nagar	No. 1 Yamuna Nagar	Yamuna Nagar
5.	Bakana	66 KV Radaur	Radaur	Yamuna Nagar
6.	Malikpur	66 KV Shahzadpur	Shahzadpur	Ambala
7.	Barola	66 KV Jansui	Chaurmastpur	Ambala
8.	Dhanipur	132 KV Ismailabad	Chaurmastpur	Ambala
9.	Ugala	66 KV Adhoya	Barara	Ambala
10.	Tandwal	66 KV Adhoya	Barara	Ambala
11.	Sohata	66 KV Adhoya	Barara	Ambala
12.	City-II	66 KV Mahrauli Rd.	Gurgaon	Gurgaon
13.	Urban Estate	66 KV Mahrauli Rd.	New Colony	Gurgaon

[श्री बंसी लाल]

14.	Sultanpur	66 KV Farukh Nagar	Farukhnagar	Gurgaon
15.	Taj Nagar	66 KV Farukh Nagar	Farukhnagar	Gurgaon
16.	Binola	66 KV Pataudi	Bhorakalan	Gurgaon
17.	Raisena	66 KV Sohna	Sohna	Gurgaon
18.	Township	66 KV A-2 Faridabad	No. 1 Faridabad	Faridabad
19.	Dabua	66 KV FCI Faridabad	No. 2 Faridabad	Faridabad
20.	NH-3	66 KV FCI Faridabad	No. 4, Faridabad	Faridabad
21.	Ballabhgarh-III	66 KV A-5, Ballabhgarh	City Ballabhgarh	Faridabad
22.	City-II Palwal	66 KV Palwal	Palwal/Palwal	Faridabad
23.	Lallupura	33 KV Barsat	S/U Gharaunda	Karnal
24.	Malikpur	132 KV Gharaunda	S/U Gharaunda	Karnal
25.	Abla	132 KV Amin	Amin	Karnal
26.	Janmana	132 KV Chhajpur	Chhajpur	Panipat
27.	Palheri	132 KV Chandoli	S/U Panipat	Panipat
28.	Gujjarwas	132 KV Ateli	Ateli Mandi/ Narnaul	Mahendergarh
29.	Kunjpura	132 KV Ateli	Ateli Mandi	Mahendergarh
30.	Narel Khera	132 KV Ding	Ding	Sirsa
31.	Handi Khera	220 KV Sirsa	S/U Sirsa	Sirsa
32.	Odhan	33 KV Kalanwali	Kalanwali	Sirsa
33.	CR Park	33 KV HUDA Rohtak	No. II Rohtak	Rohtak
34.	City Bahadurgarh	132 KV Bahadurgarh	City Bahadurgarh	Jhajjar
35.	ITI, Hissar	132 KV Beer	Civil Line Hissar	Hissar
36.	Satrod	132 KV Poly Steel	Satrod	Hissar
37.	Highway Hansi	132 KV Hansi	Hansi	Hissar
38.	Aharwan	132 KV Ratia	City Ratia	Fatehabad
39.	City No. 1 Tohana	132 KV Tohana	City Tohana	Hissar
40.	Chehar	33 KV Pahari	Digwan Jattan	Bhiwani
41.	Dadri Urban	132 KV Charkhi Dadri	Ch. Dadri	Bhiwani

42.	Kandela	33 KV Naguran	Naguran	Jind
43.	Haripura	33 KV Dhanouri	Garhi	Jind
44.	Pindara	33 KV Pindara	S/U-II Jind	Jind

90% of these works would be completed by October, 1999 and the remaining by December, 1999.

अध्यक्ष महोदय, शायद चौधरी सम्पत सिंह, चौधरी धीरपाल और चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने एक बात कही थी कि भाजपा, हविपा की गठबंधन सरकार ने वजूद में आने के बाद बिजली के रेट 7-8 बार बढ़ाए हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने बिजली के रेट केवल दो बार बढ़ाए हैं। हमने एक बार 1-7-1996 को 20 परसैंट और दूसरी बार 15-6-1998 को 15 परसैंट जोकि टोटल 38 परसैंट बनता है अगर इनको विद कम्पूलेटिव इफैक्ट भी लगायें तो । अध्यक्ष महोदय, जहां तक फ्यूअल सरचार्ज की बात है जैसे जैसे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, कोयले की कीमतें बढ़ती हैं, रेल का किराया बढ़ता है तो ओवर हैड एक्सपैंसिज भी ज्यादा हो जाते हैं इसलिए फयूअल सरचार्ज लगाना पड़ता है। कभी 8 पैसे कभी 5 पैसे और कभी 3 पैसे सरचार्ज लगाना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, जब लोकदल की सरकार थी उन्होंने 8 बार फ्यूअल सरचार्ज लगाया था जबकि हमने केवल 7 बार फ्यूअल सरचार्ज लगाया है। अध्यक्ष महोदय, लोकदल की सरकार ने डोमैस्टिक बिजली को छोड़ कर बिजली के रेट 1-12-1987 को 25 परसैंट बढ़ाए, 1-9-1988 को 45 परसैंट बढ़ाए, 1-12-1990 को 25 परसैंट बढ़ाए जिसका टोटल विद कम्पूलेटिव 126 परसैंट बनता है। इसके बावजूद भी वे कहते हैं कि बिजली के रेट इस सरकार ने बढ़ाए हैं। अध्यक्ष महोदय, जब प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी और उस समय चौधरी भजन लाल मुख्य मंत्री थे उस समय उन्होंने 5-6-1992 को बिजली का रेट 25 परसैंट बढ़ाया, 1-2-1994 को 12 परसैंट बढ़ाया, 28-12-1994 को 40 परसैंट बढ़ाया यह टोटल विद कम्पूलेटिव 96 परसैंट बनता है और उस समय कांग्रेस पार्टी की सरकार ने फ्यूअल सरचार्ज 11 बार लगाया था और वे शिक्षा हमें दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, एक बात चौधरी धीर पाल जी ने बिजली के बारे मे कही, उस बारे में मैं उनको बताना चाहता हूं कि बिजली के क्षेत्र में हम जो रिफोर्म्ज कर रहे हैं उसका पब्लिक पर कोई असर नहीं पड़ा है। अध्यक्ष महोदय, कहने के लिए ये कुछ भी कहें। बिजली के क्षेत्र में हम जो रिफोर्म्ज कर रहे हैं उसका बिजली के जनरेशन, ट्रांसमिशन और सप्लाई पर बहुत अच्छा इफैक्ट पड़ा है। पब्लिक को आज भी बिजली ज्यादा मिल रही है और आगे आगे भी पब्लिक को बहुत ज्यादा बिजली मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, जो हमने किया उसके बारे में ये कहते हैं कि हमने बिजली बोर्ड का निजीकरण कर दिया। इस बारे में सम्पत सिंह, धीरपाल, वीरेन्द्र सिंह जी व दूसरे सदस्यों ने कहा। मैं बताना चाहूंगा कि हमने निजीकरण नहीं किया। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि यदि कांग्रेस की सरकार उस वक्त 2-4 महीने और रह जाती तो वह पूरा निजीकरण इस बिजली बोर्ड का कर जाती। उस वक्त की सरकार जो बिल सदन में ला रही थी और कैबिनेट में जो पास हो चुका था वह टोटल निजीकरण का था। सरकार का उसमें कोई दखल नहीं होता यानी सरकार का उससे कोई वास्ता नहीं रहता। हमने निजीकरण नहीं बल्कि सुधारीकरण का काम किया है। हमने इस बिजली बोर्ड की चार कम्पनियां बनानी हैं। एक जेनको, एक ट्रांस्को और दो डिस्ट्रीब्यूशन्ज की कम्पनियां बनानी हैं जिनको हम एक महीने या बीस दिन में बना देंगे। जेनको 100 परसैंट हरियाणा सरकार की होगी इसमें किसी प्राईवेट का कोई शेयर आदि नहीं होगा और इसी प्रकार से ट्रांस्को भी 100 परसैंट हरियाणा सरकार की होगी। इसमें भी कोई प्राईवेट आदमी शामिल नहीं होगा। ये दोनों कम्पनियां पूरी तरह से हरियाणा सरकार की होंगी। इसमें किसी प्राईवेट आदमी का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। जो डिस्ट्रिब्यूशनज की दो कम्पनियां हम बनाने जा रहे हैं वह दो हिस्सों में होगी और इसके

[श्री बंसी लाल]

लिए हरियाणा को दो हिस्से में बांटेंगे। एक तो पूरी तरह हरियाणा सरकार की होगी और एक के लिए हम ग्लोबल टैण्डर मंगवायेंगे जिसमें कोई प्राईवेट पार्टी एक या दो मिल कर हरियाणा सरकार के साथ सांझीदार होगी। उस के साथ हम 3 या 5 साल का एग्रीमेंट करेंगे। उसमें अगर हम कामयाब हो गए तो एग्रीमेंट आगे बढ़ाया जा सकता है और अगर कामयाबी नहीं मिली तो 3 या 5 साल का जो भी एग्रीमेंट होगा उसके बाद उसको राम राम कर देंगे लेकिन सरकार की उसमें पूरी बराबर की सांझेदारी होगी। हो सकता है एक आध परसैंट उनका हम शेयर देख-रेख आदि का अधिक कर दें, वरना हरियाणा सरकार का पूरा शेयर इस कम्पनी में भी रहेगा। बिजली बोर्ड की कोई चीज हमने नहीं बेची और न बेचेंगे। अब आप बताएं कि इसमें निजीकरण कहां से हो गया। हम किसानों को जो बिजली देते हैं वह हमको 2 रुपये 88 पैसे पड़ती है जबकि हम 50 पैसे प्रति यूनिट दे रहे हैं। हमने किसानों को 1996-97 में 747 करोड़ 37 लाख यानी 7 अरब से ज्यादा की सबसिडी दी। इसी प्रकार से 1997-98 में 872 करोड़ 36 लाख यानी 8 अरब 72 करोड़ की सबसिडी किसानों को दी। इसी प्रकार से वर्ष 1998-99 में हमारा अन्दाजा है, क्योंकि अभी साल पूरा हुआ नहीं है। हम सबसिडी देंगे 880 करोड़ 47 लाख रुपये की और अगले साल यानी 1999-2000 में हम किसानों को 928 करोड़ की सबसिडी देंगे। ये बात करते हैं कि हम मुफ्त में बिजली और पानी देंगे। अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा और हरियाणा की जनता भी जानती है कि जब ये 1987 में पावर में आये थे तो कर्जा माफ का वायदा करके आये थे। इन्होंने उस वक्त कितना कर्जा माफ किया वह भी मैं इस सदन के चलते-चलते बता दूंगा कि इन भाईयों ने कितना कर्जा अपने समय में माफ किया था। बाद में ये कर्जा माफ तो पूरा कर नहीं पाये लेकिन एक नारा जरूर लगाया कि कर्जा अपना आप भरो ताऊ को माफ करो। साथ ही उस वक्त उन्होंने नारा लगाया कि हरेक गांव में दो दिन के लिए नोट छापने की मशीन भेज दूंगा। मैं पूछना चाहता हूं कि अब वह नोट छापने वाली मशीन कहां गई। अध्यक्ष महोदय, पता नहीं ये लोग क्या-क्या बातें करते हैं। अध्यक्ष महोदय मैं ज्वायंट बेंचर के बारे में जिक्र कर रहा था। इस बारे में चौधरी भजन लाल जी ने कह दिया था कि additional distribution areas will be privatised in stages. वे तो पूरी बिजली को ही प्राईवेटाईज कर रहे थे जो कि उनका पोलिसी स्टेटमैंट था।

अध्यक्ष महोदय, अब हम बिजली के रेट्स अपनी मर्जी से बढ़ा भी नहीं सकते हैं क्योंकि हमने रैगुलेटरी कमीशन बना दिया है जो कि हमारे मातहत नहीं है, सरकार के मातहत नहीं है। अगर बिजली निगम कोई रेट बढ़ाना चाहे तो रैगुलेटरी कमीशन को दरख्वास्त देनी पड़ेगी। रैगुलेटरी कमीशन उसको अखबारों में शाया करेगा, ऑब्जैक्शन इन्वाईट करेगा, लोगों से ऐतराज मांगेगा और हर आदमी को व्यक्तिगत रूप से या वकील की मार्फत यह कमीशन सुनेगा और सुनने के बाद यह फैसला करेगा कि रेट्स बढ़ाने हैं या नहीं बढ़ाने हैं। रेट्स को बढ़ाना, या घटाना या रेट्स मुकर्रर करना अब हरियाणा सरकार का काम नहीं रहा। रेट मुकर्रर करना, घटाना बढ़ाना अब बिजली बोर्ड का भी काम नहीं रहा यह काम अब रैगुलेटरी कमीशन का है जो कि सरकार के मातहत नहीं है। रैगुलेटरी कमीशन सबसे पहले उपभोक्ता को बुलाएगा और उससे पूछेगा कि बताइये क्या तकलीफ है। रेट बढ़ाया जाए या नहीं बढ़ाया जाए। रैगुलेटरी कमीशन पहले उपभोक्ता की बात सुनेगा और हमारी बात भी सुनेगा तथा फैसला अपनी मर्जी से करेगा। अध्यक्ष महोदय, यह तो एक अदालत हो गई। यह तो जो बातें ये लोग कह रहे हैं इनके प्रचार करने की बात है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी अब हाउस में नहीं बैठे हुए हैं। पिछले साल भी ये कह रहे थे कि अगले दिसम्बर तक बिजली का भाव 6 रुपये न हो गया तो मैं सदन में नहीं आऊंगा। अध्यक्ष महोदय, दिसम्बर तो आ के जा भी चुका वे अगले दिसम्बर की बात कर लें या उससे भी अगले दिसम्बर

की बात कर लें। यह जो चीप पापुलैरिटी की बात ये कहते हैं उससे कुछ बनता नहीं है। ये विपक्ष वाले लोगों को गुमराह करते हैं, लोगों को बहकाते हैं। पता नहीं इनका नाम जनता दल है, ब्लोदरा है या कुछ और रख लिया, हर तीसरे महीने इनका नाम बदल जाता है। वे कहते हैं कि बिजली के बिल न दो हम आएंगे तो माफ कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, ना नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी। कहां से आएंगे, लोग उनको अब समझ गए हैं कि वे क्या हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर बिजली के बिल माफ करना इतना आसान होता तो यह काम मैं इनके भरोसे क्यों छोड़ता, मैं खुद ही नहीं कर देता। हमें बाज़ार में किसी जगह कोयला मुफ्त नहीं मिलता है, मार्किट में हमें किसी जगह पर कोई ट्रांसफारमर मुफ्त नहीं मिलता, बिजली का कोई तार या खम्भा कहीं कोई मुफ्त नहीं मिलता। रेल बगैर किराये के कोयला नहीं लाती। हम किस चीज़ से बिल माफ करें क्योंकि हमारे पास न तो नोट छापने की मशीन है और न ही नोट छाप सकते हैं, यहां तक कि नोट तो एक लिमिट से बाहर भारत सरकार भी छाप नहीं सकती है तो हम तो क्या छापेंगे। अध्यक्ष महोदय, ये इस प्रकार का प्रचार करते हैं, लोगों को बहकाते हैं और फिर उन को कहते हैं कि बिजली के बिल ही न भरो। ये लोग बात तो कहते हैं ट्यूबवैल के बिल माफ करने की ऊपर से जो घर की बिजली खर्च करते हैं उसका भी बिल नहीं भरने देते। अध्यक्ष महोदय, उनका काम तो अजीब है, जो बात मन में आए कह दो, जो मन में आए कर दो क्योंकि न तो इनको किसी को जवाब देना है और न ही इनको पब्लिक को फेस करना है इनका काम तो लोगों को गुमराह करना है और लोगों को बहकाना है, इसके अलावा इनका कोई काम नहीं है और वर्ल्ड बैंक लोन के बारे में बार-बार कहते हैं कि 240 करोड़ ही मन्जूर किया है जब कि 2400 करोड़ रुपये की वर्ल्ड बैंक की कमिटमैंट हमारे पास है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी ने एक बात और कही कि वर्ल्ड बैंक ने हरियाणा गवर्नमैंट को डिसप्लीयर कनवे कर दिया या उन्होंने यह कह दिया कि काम तसल्ली बख्श नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि 15 जनवरी, 1998 को एक लैटर मिस्टर एडविन आर० लिम ने जो इण्डिया के लिए कंट्री डायरैक्टर हैं, हरियाणा के चीफ सैक्रेटरी को लिखा है—

> "I am pleased to confirm that the Bank endorses the reform programme. I am also pleased to confirm that today the Board of Executive Directors of the World Bank has approved a loan of 60 million dollars in support of the first phase of the reform programme. The Bank would be ready to continue to suppport the reform programme through a series of additional loans for the next 8 to 10 years in an aggregate amount not exceeding 540 million."

इसमें 60 का 540 कर दिया। हमारे पास उनकी कमिटमैंट है। ये पता नहीं कहां से लाते हैं, क्या करते हैं और क्या नहीं करते हैं। बिजली पर हमने 1997-98 में 287 करोड़ रुपए खर्च किए, 1998-99 में 430 करोड़ रुपया खर्च होगा और अगले साल पांच सौ करोड़ रुपए खर्च करेंगे। हम अपनी हर चीज, हर बात जो-जो हमने चाहे हविपा ने या बी०जे०पी० ने चुनाव से पहले वायदे किए हैं और यह वायदे पांच साल के लिए होते हैं हम उन एक एक वायदे को पूरा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, हमने बहुत से वायदे तो पूरे भी कर दिए हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने जो सब-स्टेशंज अपग्रेड किए हैं या नए बनाए हैं उनकी लिस्ट जैसे मैंने आपसे पहले कहा, दे दूंगा या आपके आफिस में पहुंचा दूंगा। अगर मैं इसको पढ़ूंगा तो इसमें काफी वक्त लग जाएगा। यह लिस्ट मेरी स्पीच में आ जाए। अध्यक्ष महोदय, हमने 1996-97 में 220 के०वी० के 2, 132 के०वी० के 4, 66 के०वी० के 3 और 33 के०वी० के 16 सब स्टेशन लगाए हैं। इसकी डिटेल इस प्रकार है :—

[श्री बंसी लाल]

NEW SUB-STATIONS COMMISSIONED SINCE MAY, 1996

Sr. No.	Name of Sub-station	Capacity added	Cost (Rs. in Lacs)	Date of commis-sioning	Name of District
1	2	3	4	5	6
I.	**220 KV**				
1.	Nissing	100MVA	800	25-5-96	Karnal
2.	Rohtak	100MVA	300	31-3-98	Rohtak
		16MVA	100	2-4-98	
	Total (I)	**216MVA**	**1200**		
II.	**132 KV**				
1.	Sagga	16MVA	200	28-6-96	Karnal
2.	Munak	16MVA	183	24-4-97	Panipat
3.	Ismailabad	16MVA	238	18-7-97	Kurukshetra
4.	Chhajpur	16MVA	421	31-12-97	Panipat
	Total (II)	**64MVA**	**1042**		
III.	**66 KV**				
1.	Hathin	16MVA	100	24-10-96	Faridabad
2.	Chandpur	12MVA	130	21-11-97	Yamuna Nagar
3.	Indl. Area Ambala Cantt.	16MVA	168	28-8-98	Ambala
	Total (III)	**44MVA**	**398**		
IV.	**33KV**				
1.	Alewa	5MVA	50	22-7-96	Jind
2.	Nehla	4 MVA	40	7-8-96	Hisar
3.	Sewan Gate Kaithal	4MVA	63	4-9-96	Kaithal
4.	Barsat	5MVA	83	30-9-96	Panipat
5.	M.I.E. Bahadurgarh	4MVA	40	20-3-97	Jhajjar
6.	Mehmera	4MVA	40	31-8-97	Fatehabad
7.	Aterna	4 MVA	53	29-11-97	Sonepat
8.	Bhatgoan	5MVA	54	31-12-97	Sonepat

1	2	3	4	5	6
9.	Dharamgarh	5MVA	74	16-4-98	Panipat
10.	Dwarka	4MVA	65	29-4-98	Bhiwani
11.	Jasoorkheri	4MVA	50	7-5-98	Jhajjar
12.	Bhiwani Rohila	4MVA	50	8-5-98	Hisar
13.	12-Cross Road, Ambala Cantt.	6.3MVA	56	31-5-98	Ambala
14.	MDU Rohtak	4MVA	28	17-7-98	Rohtak
15.	Teontha	4MVA	83	28-7-98	Kaithal
16.	Model Town Rewari	4MVA	41	2-12-98	Rewari
	Total (IV)	**70.3MVA**	**870**		

ABSTRACT

Category	Number	Capacity added in MVA	Cost (Rs. in lacs)
220KV	2	216	1200
132KV	4	64	1042
66KV	3	44	398
33KV	16	70.3	870
Total	**25**	**394.3**	**3510**

अध्यक्ष महोदय, जी सब-स्टेशन्ज आगुमैंट किए हैं, वे 220 के०वी० के 12, 132 के०वी० के 38, 66 के०वी० के 23 और 33 के०बी० के 50 हैं। टोटल हमने 123 सब-स्टेशनज़ आगुमैंट किए हैं जिस पर 196 करोड़ 51 लाख रुपए खर्च किए हैं। इसकी डिटेल इस प्रकार है :—

CAPACITY OF SUB-STATIONS AUGMENTED SINCE MAY, 1996

Sr. No.	Name of Sub-station	Capacity added	Cost (Rs. in Lacs)	Date of commis-sioning	Name of District
1	2	3	4	5	6
I.	**220 KV**				
1.	Pehowa	16MVA	88	11-6-96	Kurukshetra
		8MVA	68	7-7-96	
2.	Bhiwani	50MVA	127	29-9-96	Bhiwani

[श्री बंसी लाल]

1	2	3	4	5	6
3.	Sirsa	8MVA	50	30-9-96	Sirsa
4.	Nissing	8MVA	70	14-3-97	Karnal
5.	Pehowa	50MVA	315	4-7-97	Kurukshetra
6.	Bhiwani	50MVA	190	20-12-97	Bhiwani
7.	IA Hisar	16MVA	120	27-12-97	Hisar
8.	Kaithal	50MVA	235	25-3-98	Kaithal
9.	Sirsa	9MVA	75	21-5-98	Sirsa
		9MVA	75	21-8-98	
10.	PTPS	100MVA	101	9-9-98	Panipat
11.	Sonipat	16MVA	120	20-9-98	Sonipat
		25MVA	150	3-11-98	
12.	Palwal	10MVA	50	23-12-98	Faridabad
	Total(I)	425MVA	1834		
II.	**132KV**				
1.	Rohtak	9MVA	150	22-5-96	Rohtak
2.	Nilokheri	16MVA	115	5-6-96	Karnal
3.	Jiwan Nagar	5MVA	50	6-6-96	Sirsa
4.	Uklana	8MVA	50	10-7-96	Hisar
5.	Tohana	8MVA	50	22-8-96	Fatehabad
6.	Bhiwani	2.3MVA	20	12-10-96	Bhiwani
7.	Hansi	4MVA	40	14-10-96	Hisar
		1MVA	50	14-3-97	
8.	Cheeka	9MVA	160	17-10-96	Kaithal
9.	Rai	25MVA	125	17-10-96	Sonepat
10.	Kaithal	9MVA	131	22-11-96	Kaithal
11.	Kaninakhas	8MVA	50	29-1-97	Mohinder-garh
12.	Mohindergarh	16MVA	120	10-3-97	Mohinder-garh
13.	Miran	9MVA	135	22-3-97	Bhiwani
14.	Safidon	16MVA	115	2-4-97	Jind
15.	Fatehabad	9MVA	135	13-5-97	Fatehabad
16.	Chandoli	16MVA	125	14-5-97	Panipat
17.	Jind (New)	16MVA	115	23-6-97	Jind
		9MVA	140	6-8-97	

1	2	3	4	5	6
18.	Bahadurgarh	12.5MVA	142	2-7-97	Jhajjar
		16MVA	120	13-11-97	
19.	Sewan	16MVA	111	10-7-97	Kaithal
20.	Thana	16MVA	138	14-7-97	Kurukshetra
		8MVA	138	18-3-98	
21.	Madhuban	25MVA	174	18-7-97	Karnal
22.	Smalkha	6.3MVA	36	29-11-97	Panipat
23.	Bhore	5MVA	75	16-12-97	Kurukshetra
24.	Ateli	4.5MVA	100	3-1-98	Mohinder-garh
25.	Jui	3.5MVA	50	7-1-98	Bhiwani
26.	Hansi	16MVA	125	11-2-98	Hisar
27.	Sirsa	8MVA	125	26-2-98	Sirsa
28.	Sonepat	5MVA	30	27-2-98	Sonepat
29.	Kalanaur	10MVA	125	10-3-98	Rohtak
30.	Kaninakhas	8MVA	125	17-3-98	Mohinder-garh
31.	Gohana Rd. Panipat	6.3 MVA 4MVA	37 90	6-5-98 24-5-98	Panipat
32.	Jhajjar	12MVA	28	27-7-98	Jhajjar
33.	Chhajpur	12.5MVA	110	24-9-98	Panipat
34.	Bhiwani	9MVA	107	28-10-98	Bhiwani
35.	Badhra	16MVA	100	1-11-98	Bhiwani
36.	Chandoli	20MVA	112	2-11-98	Panipat
37.	Ratia	16MVA	75	17-11-98	Fatehabad
38.	Munak	25MVA	150	14-12-98	Panipat
	Total (II)	**475.9MVA**	**4299**		
III.	**66KV**				
1.	F.C.I. Faridabad	16MVA	180	5-6-96	Faridabad
2.	A-3 Palla	16MVA	100	29-6-96	Faridabad

[श्री बंसी लाल]

1	2	3	4	5	6
3.	10-A Gurgaon	16MVA	100	5-10-96	Gurgaon
4.	Palwal	16MVA	100	3-1-97	Faridabad
5.	Sadopur	1.5MVA	50	7-1-97	Ambala
6.	Kesri	8.5MVA	86	17-2-97	Ambala
7.	IOC Ambala Cantt.	4MVA	60	12-4-97	Ambala
8.	Dharuhera	6MVA	180	22-4-97	Rewari
9.	Hyderabad Asbestos	8MVA	180	23-4-97	Faridabad
10.	Adhoya	4MVA	60	19-5-97	Ambala
11.	A-2 Faridabad	3.5 MVA 3.5MVA	180 100	25-5-97 31-1-98	Faridabad
12.	Chaurmastpur	12MVA	57	12-8-97	Ambala
13.	Maruti. Gurgaon	2.5MVA	100	24-9-97	Gurgaon
14.	Ford Faridabad	10MVA	80	30-8-97	Faridabad
15.	Babain	16MVA	110	22-12-97	Kurukshetra
16.	Jansui	16MVA	86	31-12-97	Ambala
17.	Hodel	8.5MVA	100	1-1-98	Faridabad
18.	Mehrauli Rd Gurgaon	16MVA	100	18-2-98	Gurgaon
19.	Basantpur	1.5MVA	45	31-3-98	Yamuna Nagar
20.	Shahbad	8MVA	43	16-4-98	Kurukshetra
21.	Dhauj	8MVA	40	28-7-98	Faridabad
22.	Nuh	10MVA	100	5-11-98	Gurgaon
23.	A-5 Faridabad	6MVA	56	30-11-98	Faridabad
	Total (III)	**217.5MVA**	**2293**		
IV.	**33KV**				
1.	Rajgarh Road, Hisar	1.3.MVA 1.3MVA	50 50	1.5.96 3-5-96	Hisar

1	2	3	4	5	6
2.	Noutch	4MVA	13	22-5-96	Kaithal
3.	Siwani	3MVA	50	30-5-96	Bhiwani
4.	Sasrauli	4MVA	40	3-6-96	Rohtak
5.	Kahanaur	2MVA	20	4-6-96	Rohtak
6.	Lukhi	2.3MVA	20	13-6-96	Kurukshetra
7.	Ajrana	2.3MVA 2.3MVA	15 15	14-6-96 16-7-96	Kurukshetra
8.	Sanoli Road, Panipat	4MVA 1MVA	10 20	23-1-97 25-6-96	Panipat
9.	Jamba	2.3MVA	15	11-7-96	Karnal
10.	RD-O	4MVA	40	12-7-96	Bhiwani
11.	Mastgarh	3.3MVA	15	26-7-96	Kaithal
12.	Daba	4MVA	15	13-8-96	Kaithal
13.	Behal	1.3MVA 5MVA	40 50	30-9-96 28-10-96	Bhiwani
14.	M.R. Karnal	5MVA	25	26-9-96	Karnal
15.	Pali/Gothra	7.5MVA	100	28-9-96	Rewari
16.	Ferozepur Jhirka	1MVA	15	8-10-96	Gurgaon
17.	Badopal	2MVA	20	31-10-96	Hisar
18.	Kadma	2MVA	20	20-11-96	Bhiwani
19.	Nakipur	5MVA	50	21-11-96	Bhiwani
20.	Bawani Khera	2MVA	20	3-12-96	Bhiwani
21.	Engg. College Murthal	2MVA	15	10-1-97	Sonepat
22.	Lad	2 MVA	20	10-1-97	Bhiwani
23.	I.A. Karnal	6.3 MVA	37	1-3-97	Karnal
24.	Munak	5 MVA	20	18-6-97	Panipat
25.	Jindal Metal Hisar	2.3MVA	60	5-8-97	Hisar
26.	Beholi	2.3 MVA 2.3.MVA	20 20	22-8-97 8-11-97	Panipat

[श्री बंसी लाल]

1	2	3	4	5	6
27.	Kharkhoda	1.3 MVA 2.3 MVA	25 20	22-8-97 3-2-98	Sonepat
28.	I.A. Panipat	6.3MVA	20	27-8-97	Panipat
29.	Mathana	4MVA	15	29-8-97	Kurukshetra
30.	Sampla	6.3MVA	60	24-10-97	Rohtak
31.	I.D.C. Rohtak	2.3MVA	20	30-12-97	Rohtak
32.	V. Ngr. Hisar	2.3MVA	20	24-1-98	Hisar
33.	Mundia Khera	2.3MVA	60	4-1-98	Mohinder-garh
34.	Sanjarwas	4MVA	40	27.1.98	Bhiwani
35.	Ram Nagar	2MVA	20	8-2-98	Karnal
36.	Mehmara	2.3MVA	60	13.2.98	Fatehabad
37.	Mundhal	2MVA	20	21-2-98	Hisar
38.	Badopal	2MVA	20	28-2-98	Hisar
39.	Madho Singhana	1MVA 5MVA	10 50	30-7-97 24-3-98	Sirsa
40.	KU Kurukshetra	4MVA	18	26-3-98	Kurukshetra
41.	Punhana	1.3MVA	20	11-4-98	Gurgaon
42.	Telewara	1MVA	18	16-4-98	Sirsa
43.	12-Cross Road, Ambala	6.3MVA	25	11-6-98	Ambala
44.	Kutail	4MVA	20	15-6-98	Karnal
45.	Madho Singhana	2.3MVA	20	30-6-98	Sirsa
46.	Larsoli	1.3MVA	25	22-7-98	Sonipat
47.	REC Kurukshetra	7.5MVA	28	27-7-98	Kurukshetra
48.	MIE Bahadurgarh	6.3MVA	50	14-10-98	Jhajjar
49.	Newal	2.3MVA	20	14-10-98	Karnal
50.	Ram Nagaria	5MVA	41	28-11-98	Sirsa
	Total (IV)	**180.8MVA**	**1665**		

ABSTRACT

Category	Number	Capacity Added in MVA	Cost (Rs. in lacs)
220KV	12	425	1834
132KV	38	475.9	4299
66KV	23	217.5	2293
33KV	50	180.8	1665
Total	123	1299.2	10091

इसी के साथ अध्यक्ष महोदय, हमने मई 1996 से निम्नलिखित नई ट्रांसमिशन लाईन कमीशन की है, जिसकी डिटेल इस प्रकार है :—

TRANSMISSION LINES COMMISSIONED SINCE MAY, 1996

Sr. No.	Name of transmission line	District	Length (in KMs)	Cost (Rs. in lacs)	Date of commis-sioning
1	2	3	4	5	6
I. 220KV					
1.	PTPP-Nissing D/C line	Karnal	40	694	24-5-96
2.	Kaithal-Pehowa 2nd Circuit	Kurukshetra	31.185	80	9-7-96
3.	2nd Circuit between 400KV Sub-station Bhiwani (BBMB) to 220KV Sub-station Bhiwani	Bhiwani	6.8	200	18-3-97
4.	Pehowa-Shahbad D/C 2nd Circuit	Kurukshetra	35.32	550	18-6-97
5.	Badshahpur-Rewari S/C line on D/C tower	Rewari	50.167	612	21-10-97
6.	PTPP-Rohtak S/C line on D/C towers	Rohtak	63.05	890	21-3-98
7.	One Ckt of D/C Nissing-Kaithal line	Kaithal	34.86	763	31-5-98
8.	PTPS-Nissing (Ckt. I) line	Karnal	40	200	21-8-98
	Total (I)		**301.382**	**3989**	

[श्री बंसी लाल]

1	2	3	4	5	6
II.	**132KV**				
1.	Nissing-Sagga S/C line	Karnal	10.98	67	28.6.96
2.	Extension of PTPP-IOC D/C line to 132KV S/Stn., Munak	Panipat	18	170	21-4-97
3.	Pehowa-Malikpur-Ismailabad S/C line	Kurukshetra	23.5	103	11-7-97
4.	PTPS-IOC Refinery D/C line	Panipat	15.22	380	21-8-97
5.	Chandoli-Chhajpur S/C line	Panipat	10.5	75	1-12-97
6.	Diversion of 132KVA S/C Rohtak-Gohana line to 220KV Sub-station Rohtak	Rohtak	1.850	47	11-4-98
7.	132KV D/C line from 220KV Sub-station Rohtak to 132KV Sub-station Rohtak	Rohtak	1.984	49.5	12-4-98
8.	2nd Circuit of Narwana-Tohana line	Fatehabad	29	358	27-12-98
	Total (II)		**111.034**	**1249.5**	
III.	**66KV**				
1.	Diversion of Pinjore-Panchkula line S/C	Panchkula	2.415	14	27-10-96
2.	Palwal-Hathin line S/C	Faridabad	14.11	85	24-10-96
3.	4th circuit of 66KV line from A1 Faridabad-A2 Faridabad	Faridabad	7.15	57	11-5-97
4.	A5 Faridabad-Badrola line	Faridabad	12	24	27-10-97
5.	T-off from Gobindpuri Paper Mill line for 66KV Sub-station Chandpur S/C	Yamuna Nagar	0.986	8	21-11-97
6.	Badshahpur-Dundahera S/C on D/C line	Gurgaon	17.2	126	4-2-98

1	2	3	4	5	6
7.	66KV line for evacuation of power from M/s MAGNUM Power Limited, Gurgaon	Gurgaon	4.13	60	9-7-98
8.	T-off line from Dhulkote-IOC to 66KV Sub-station I.A. Ambala Cantt.	Ambala	1.754	21	28-8-98
	Total (III)		**59.745**	**395**	
IV.	**33KV**				
1.	33KV Assandh-Alewa line	Jind	15	48	22-7-96
2.	Cheeka-Mastgarh line	Kaithal	12	16	2-8-96
3.	Bhuna-Nehla line	Hisar	11	40	7-8-96
4.	T-off Kaithal-Sewan line for Sewan Gate Kaithal Sub-station	Kaithal	1.132	3	3-9-96
5.	Chandoli-Barsat line	Panipat	11.348	26	26-9-96
6.	Link line from 132KV Sub-station Bahadurgarh to 33KV Sub-station MIE Bahadurgarh	Jhajjar	2	4	20-3-97
7.	T-off Ratia-Teliwara for 33KV Sub-station Mehmara	Fatehabad	6.2	12	30-8-97
8.	T-off from 33KV Bahadurgarh-Sampla line to 33KV Sub-station Surya Roshni, Bahadurgarh	Jhajjar	1.9	4	10.9.97
9.	Link line from 132KV Sub-station Gohana Road Panipat to 33KV Sub-station I.A. Panipat	Panipat	1.1	6	26-9-97
10.	Link line from 132KV Sub-station Bahadurgarh-Delhi line Circuit-I for 33KV Sub-station MIE Bahadurgarh	Jhajjar	5.5	11	29-9-97

[श्री बंसी लाल]

1	2	3	4	5	6
11.	Shifting of 33KV S/C Badrola-Chhainsa link line from proposed FGPP	Faridabad	3.04	6	5-11-97
12.	Rai-Aterna line	Sonipat	4.79	10	29-11-97
13.	T-off Fazilpur-Kharkhoda line for 33KV Sub-station Bhatgaon	Sonipat	12	25	31-12-97
14.	Safidon-Singhana line	Jind	15	30	10-3-98
15.	Thana-Nautch line	Kurukshetra	4.8	11	7-4-98
16.	Munak-Dharamgarh line	Panipat	8	20	16-4-98
17.	T-off Jui-Behal line for 33KV Sub-station Dwarka	Bhiwani	4.5	18	29-4-98
18.	T-off from 33KV Bahadurgarh-Sampla line for 33KV Sub-station Jassorkheri	Jhajjar	5	19	7-5-98
19.	33KV Siswal-Bhiwani Rohilla line	Hisar	17.5	44	8-5-98
20.	Pundri-Teontha line	Kaithal	7	16	1-7-98
21.	Link line from 33KV Sub-station Old Rohtak to 33KV Sub-station MDU Rohtak	Rohtak	1.2	0.18	17-7-98
22.	Bahadurgarh-Sampla line	Rohtak	15	29.50	30-8-98
23.	Link line from 132KV Sub-station Jhajjar to 33KV Sub-station Jhajjar	Jhajjar	1.7	17.76	29-11-98
24.	T-off from 33KV Rewari-JC4 line to 33KV Sub-station Model town Rewari	Rewari	0.2	0.4	2-12-98
	Total (IV)		**166.91**	**416.84**	

ABSTRACT

Transmission lines	Length (in KMs)	Cost (Rs. in lacs)
220KV	301.382	3989.00
132KV	111.034	1249.50
66KV	59.745	395.00
33KV	166.91	416.84
Total	**639.071**	**6050.34**

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर सदन की सहमति हो तो सदन का समय आधा घंटा और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : सदन का समय आधा घंटा बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, अब हम आगे जो नए सब स्टेशंज बनाने जा रहे हैं वह इस तरह से हैं :— 220 के०वी० के 9, 132 के०वी० के 25, 66 के०वी० के 20 और 33 के०वी० के 39 यानी टोटल 93 सब स्टेशंज लगाने जा रहे हैं। जो सब स्टेशंज आगुमैंट करेंगे उसमें 220 के०वी० के 9, 132 के०वी० के 25, 66 के०वी० के 5, और 33 के०वी० के 50 हैं। हम टोटल 89 सब स्टेशंज आगुमैंट करेंगे। ट्रांसमिशन की जो नई लाईन बिछाएंगे वह 220 के०वी० की 520 किलोमीटर, 132 के०वी० की 177 किलोमीटर, 66 के०वी० की 248 किलोमीटर, 33 के०वी० की 315 किलोमीटर और 11 के०वी० की 16000 किलोमीटर है। इस पर 1025 करोड़ रुपए खर्च होंगे। 1996 में हमने जो नये सब स्टेशंज कमीशन किए हैं वह इस तरह से हैं— 220 के०वी० के दो, 132 के०वी० के चार, 66 के०वी० के तीन और 33 के०वी० के सौलह। अध्यक्ष महोदय, इनकी लिस्ट भी मैं आपको बाद में भिजवा दूंगा। इस तरह से अध्यक्ष महोदय, Our programme is going according to the schedule. We are not lagging behind anywhere. तो अगर जिसको न दिखे या जो न देखना चाहे तो उसका मैं क्या करूं ? इसके अलावा नहरों के बारे में भाई हर्ष कुमार ने बता ही दिया है। हथनीकुंड बैराज का काम हमने अक्टूबर या सितम्बर, 1996 में आकर शुरू किया है। इस बैराज के निर्माण में बहुत देर लगती थी लेकिन हमने जल्दी करके काम को तेज करके, बार-बार उसका इंसपैक्शन करके काम शुरू करवाया है। मैं भी उसको चैक करने कई बार वहां जाता हूं और कई बार मिनिस्टर्ज भी वहां चैक करने के लिए जाते हैं। हमारे जो यमुनानगर के दो मिनिस्टर्ज हैं हमने उनकी इस बारे ड्यूटी लगा रखी है इसलिए वे भी वहां जाते रहते हैं, इसके अलावा हमारे अधिकारी भी वहां पर समय-समय पर जाते रहते हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि हम इसको जून तक चालू कर देंगे। चौधरी सम्पत सिंह या चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने कहा कि हथनी कुंड बैराज बनाने का क्या फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, उनको तो यही नहीं पता कि इसका क्या फायदा होगा तो मैं उनको क्या बताऊं ? अध्यक्ष महोदय, 126 साल पुराना ताजेवाला हैड वर्क्स है जो कभी भी टूट सकता है। इस हविपा या भाजपा की

[श्री बंसी लाल]

सरकार आने से करीब दो साल पहले चौधरी भजन लाल जी ने इस बैराज का फाउंडेशन स्टोन रखवाया था। हमारी सरकार बनने के बाद मैं वहां उसको देखने के लिए चला गया। मैंने वहां पर देखा कि वहां पर केवल पत्थर ही पत्थर रखा था इसके अलावा वहां पर एक भी ईंट नहीं लगी थी। मैंने तो सोचा था कि इसका फाउंडेशन स्टोन रखे हुए बहुत दिन हो गये इसलिए मैं देखूं कि वहां पर क्या-क्या काम हुआ है। लेकिन कुछ भी नहीं हुआ था। खैर हमने आते ही इस बैराज का ठेका दिया और इसका काम शुरू करवाया। हमें पूरी उम्मीद है कि जून के महीने तक यह बनकर तैयार हो जाएगा। आज ताजेवाला हैड वर्क्स की कैपेसिटी 11 हजार क्यूसिक की ही रह गयी है जबकि इसकी कैपेसिटी 16 हजार क्यूसिक की थी। अब 11 हजार क्यूसिक से ज्यादा पानी इसमें नहीं चल सकता। इस हथनीकुंड बैराज के बनने से यह फायदा होगा कि जब यमुना नदी में पानी ज्यादा होगा उस वक्त हमको वहां से 11 हजार या 16 हजार क्यूसिक पानी के बजाए बीस हजार या 25 हजार क्यूसिक पानी मिलेगा। वैसे नोर्मली साल में तीन महीने ही ज्यादा पानी होता है। जितने इलाके में वैस्टर्न यमुना कैनाल का पानी लगता है यदि उतने इलाके में तीन महीने वह पानी चला जाए तो वह खरीफ की फसल पका देगा और साढी की फसल की भी कास्त करवा देगा लेकिन हमारे इन भाईयों को इसका कोई फायदा ही नजर नहीं आता कि इससे क्या फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सिंचाई का सवाल है हमने कहा था कि हम टेल तक पानी पहुंचाएंगे इसलिए हम 1995-96 के मुकाबले जब कांग्रेस की सरकार थी, 6 लाख एकड़ से ज्यादा धरती के लिए नहरें साफ करके टेल तक पानी पहुंचा रहे हैं। अगर आप कम से कम भी कीमत लगाओ तो किसान को सालाना तीन सौ करोड़ रुपये का फायदा इससे हुआ है। चौधरी सम्पत सिंह ने यह भी कह दिया कि वर्ल्ड बैंक ने जो डब्ल्यू०आर०सी०पी० का हथनीकुण्ड बैराज व नहरों का काम है वह ठीक नहीं हो रहा है। 4 दिसम्बर 1998 को आज से करीब डेढ़ या पौने दो महीने पहले हमारे पास यह चिट्ठी आई है। वर्ल्ड बैंक के मि० लिम की, उन्होंने लिखा है—

> "I am pleased to note that for the first time the detailed monitoring of the project progress has started. Implementation capacity has been improved through filling of all Chief Engineer's, posts; and coordination which has been a persistent weakness, has been strengthened by the appointment of full-time Project Director. These improvements in overall object, management are showing signs of positive impact on implementations."

वे हमारी तारीफ कर रहे हैं ये कहते हैं कि काम ठीक नहीं हो रहा। पता नहीं ए से जैड पढ़ते हैं या जैड से ए पढ़ते हैं। अध्यक्ष महोदय, 1987 से 1991 तक जब लोकदल की सरकार थी उस वक्त प्रदेश में टोटल 930 टेल थीं और पानी की शॉर्टेज थी। 190 टेलों में पानी नहीं पहुंचता था। आज हमने कुछ नहरें और बनाई हैं 930 की बजाय 1072 टेल हो गई और 1072 में से जिन टेलों पर पानी नहीं पहुंच रहा है वे टेल 79 हैं और इसमें भी वैस्टर्न यमुना कैनाल के इलाकों में 8 टेलों में पानी नहीं आता, भाखड़ा कैनाल में 6 में नहीं आता, लिफ्ट इरीगेशन में 65 टेलों में पानी नहीं आता। हम ये पानी पहुंचाने की भी पूरी कोशिश कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, एक सरकार को, प्रजातंत्र की सरकार को, एक चुनी हुई सरकार को जितने काम करने चाहिए वह हम कर रहे हैं और हम जनता की भलाई के काम कर रहे हैं। मैं तो एक बात और कहता हूं कि जितना भी विरोधी हमारे खिलाफ शोर मचाते हैं उतना ही समझ लेना चाहिए कि हम हरियाणा की जनता के हक में अच्छे काम कर रहे हैं क्योंकि लोग हमारे पास आएंगे और इनसे भाग जाएंगे, इनके पास कोई जाएगा नहीं तो इनको दर्द होगा और यह दर्द तो बढ़ता

जाएगा, घटेगा नहीं। मुझे नहीं लगता कि यह दर्द कभी घटेगा। पंजाब से जो पानी हमको आता है उसके दो रास्ते हैं एक तो भाखड़ा की मेन लाइन और एक नरवाना ब्रांच। दो में पानी आता है इनमें पानी आना चाहिए 10800 या 10900 क्यूसिक। आज वी०एम०एल० में पानी की कैपेसिटी 6772 है। और एक्जिसटिंग कपैसिटी में पानी आज 5700 क्यूसिक आ रहा है जो 1072 क्यूसिक कम है। यह पानी कम क्यों आ रहा है क्योंकि धीरे-धीरे शिल्ट बढ़ती गई और किनारे कमजोर होते गए और यह सिलसिला पिछले 15-20 सालों से चल रहा है। नरवाना ब्रांच में 4022 क्यूसिक की कैपेसिटी है और पानी आ रहा है 3400 क्यूसिक यानी 622 क्यूसिक पानी कम आ रहा है। अध्यक्ष महोदय, हमने पंजाब सरकार को 10 करोड़ 84 लाख रुपये दे रखे हैं और हमारा काम है कि हम अपना पानी पूरा लें। 200-400 क्यूसिक पानी तो शायद बढ़ा है उससे हमारी तसल्ली नहीं होती। हम चाहते हैं कि जो पानी कम आ रहा है वह हमको पूरा मिले। पीछे जो सरकारें रहीं चाहे वह लोकदल की सरकार रही हो या कांग्रेस की सरकार, अगर वे इस बात पर ध्यान देती तो आज हरियाणा के किसानों को पूरा पानी मिलता और यह पानी कम नहीं होता। हम किसान को पूरा पानी देंगे चाहे इसके लिए हमें और पैसा पंजाब सरकार को देना पड़े। मगर हम किसानों को पूरा पानी लाकर देंगे। विपक्षी भाईयों को पेट में दर्द क्यों होता है क्योंकि जो 18 लाख एकड़ भूमि के लिए पानी था वह दक्षिणी हरियाणा का पानी था वे उस पानी को अपने इलाके में ले गये जो कि दक्षिणी हरियाणा का पानी था। फिर कहते हैं कि दक्षिणी हरियाणा के साथ अन्याय हो रहा है। अरे, मैं तो खुद दक्षिणी हरियाणा का हूं, मुझे दर्द होना चाहिये था लेकिन उनको इतना दर्द है यह सब रिकार्ड से साबित हो सकता है। और फिर कहते हैं कि दक्षिणी हरियाणा के साथ भेदभाव हो रहा है। दक्षिणी हरियाणा के साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, वे विपक्ष के साथी सदन में नहीं है मैं उनको बताना चाहता हूं कि दक्षिणी हरियाणा के लिए मेरे सिवाय किसी और सरकार ने किया क्या है? जब से हरियाणा बना है तबसे लेकर आज तक जितने भी मुख्यमंत्री आये मेरे से ज्यादा दक्षिणी हरियाणा का काम किसी ने नहीं किया। दक्षिणी हरियाणा के हर गांव में बिजली मैंने लगवाई, हर गांव में सड़कें मैंने पहुंचाई, वहां नहरों की बात कोई सोच भी नहीं सकता था लेकिन लिफ्ट इरीगेशन स्कीम मैंने चलाई, अहीरवाल के लिए जवाहर लाल नेहरू कैनाल मैंने बनवाई, इस नहर का काम मैंने जहां पर छोड़ा था वह काम वहीं पर मिला दूसरी सरकारों ने तो इस काम पर एक ईंट भी नहीं लगाई। उनमें अहीरवाल क्षेत्र के कुछ मंत्री भी रहे जैसे कैप्टन अजय सिंह और दूसरे जो भजन लाल की सरकार में मंत्री होते थे। वे मुझे यह बता दें कि अपने समय में अहीरवाल क्षेत्र के लिए उन्होंने एक किलोमीटर का खालिया भी बनवाया हो तो। उन्होंने अपने समय में एक ईंच भी नहर नहीं बनवाई। वह भी दक्षिणी हरियाणा के रहने वाले थे। वे लोगों को बहकाने की बातें करते हैं। मुझे तो उनकी बातों को सुनकर ताज्जुब होता है कि वे क्या कहते हैं। अध्यक्ष महोदय, दक्षिणी हरियाणा के लिए कुछ कर सकूंगा तो मैं ही कुछ करूंगा। अब रिवाड़ी लिफ्ट इरीगेशन स्कीम जिस पर 40-45 करोड़ के लगभग पैसा खर्च होना है उसका फाउंडेशन स्टोन रख कर आया हूं और उसको हम दो साल में बनाकर तैयार कर देंगे। इनको दक्षिणी हरियाणा का दर्द है। आज कैप्टन अजय सिंह मुझ से कहते हैं कि मेरे खेत में पानी लगवा दो तो मैंने कहा कि भाई आप पांच साल तक मिनिस्टर थे उस समय क्यों नहीं लगाया ? जब नहीं बोले। तो मुझे तो उन लोगों की बातों पर हैरानी होती है कि वे क्या कर रहे हैं, और किस लिये कह रहे हैं ? चौधरी सम्पत सिंह जी ने एक बात कही। उन्होंने कहा कि एस्टिब्लिसमैंट पर खर्चा ज्यादा होता है। अध्यक्ष महोदय, हम तो एस्टिब्लिसमैंट पर खर्चा उन्हीं का पैदा किया हुआ भुगत रहे हैं। वे अपने समय में लोगों को भर्ती करते गये, भर्ती करने का कंसीडिरेशन क्या था यह मुझे मालूम नहीं है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के लोगों ने उस समय इतना ज्यादा स्टाफ भर्ती कर दिया जो आज भी सरप्लस है। हम तो उनके द्वारा जो ज्यादा स्टाफ

[श्री बंसी लाल]

भर्ती किया है उसको ही इधर-उधर अवजोर्ब कर रहे हैं तथा ये लोग उल्टा हमें ही कहते हैं कि एस्टिब्लिसमैंट पर खर्चा ज्यादा है। अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि एस्टिब्लिसमैंट पर ज्यादा खर्चा हो रहा है और यह कम होना चाहिए लेकिन हम किसी भी कर्मचारी को निकाल नहीं सकते, न ही हम किसी को निकालना चाहते हैं। अगर हम किसी गरीब आदमी को निकाल देते हैं तो वह कहां जायेगा, और हम किसी को निकालना भी नहीं चाहते। अध्यक्ष महोदय, ये जो हालात आज पैदा हो गये हैं ये इनकी सरकार के द्वारा ही ज्यादा भर्ती करके पैदा किये हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई सिंचाई और फसल के बारे में भी कहते हैं कि इस साल बहुत सी जगह फसल की बिजाई नहीं हुई। इस बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं कि इस साल पिछले साल के मुकाबले 2.50 लाख एकड़ भूमि में रबी की फसल की ज्यादा बिजाई हुई है। यह बिजाई कांग्रेस या लोकदल की सरकार के समय से तो बहुत ज्यादा है। इन लोगों को तो इस बारे में कुछ भी नहीं पता और न ही ये जानने की कोशिश करते हैं। अध्यक्ष महोदय, जितनी जमीन इस साल बगैर बिजाई के रही है इतनी जमीन तो हर साल रहती है। कोई साल ऐसा नहीं जिसमें न रहती हो। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय, खेतों से पानी निकालने के लिए जितनी जल्दी कार्यवाही मेरी सरकार ने की है, इतनी जल्दी किसी दूसरी सरकार ने नहीं की, चाहे इस बारे में मेरे विपक्ष के भाई किसानों से पूछ लें या किसी और से पूछ लें। जहां तक एस०वाई०एल० नहर का संबंध है यह नहर तो मैं बनवाकर ही रहूंगा। अध्यक्ष महोदय, इस साल बेमौसमी बरसात की वजह से किसान, दुकानदार और सरकार सभी का बहुत ज्यादा नुक्सान हुआ है तथा इस ओर भारत सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया और भारत सरकार के प्रधान मंत्री ने एक टीम भेजकर स्टेट में बाढ़ से जो नुक्सान हुआ उसका निरीक्षण करवाया और उस टीम ने अपनी रिपोर्ट भी दे दी है। अध्यक्ष महोदय, नेचरल कलेमेटी के लिए एक मिटिंग केन्द्रीय मंत्रियों की हुआ करती है वह अभी नहीं हुई है इसलिए हमें बाढ़ पीड़ितों की राहत के लिए केंद्र से पैसा नहीं मिला और न ही पंजाब की सरकार को मिला है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी पक्ष के भाई कह रहे थे कि पंजाब में जिस खेत में फसल नहीं बोई गई उस खेत के किसान को 3000 रुपये मुआवजे के रूप में पंजाब सरकार ने दिये। इस बारे में हमने पता कर लिया है कि पंजाब की सरकार ने एक नया पैसा भी नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में जिन किसानों की फसल बरबाद हो गई या उनकी फसल का नुक्सान हो गया हम उनको मुआवजा देंगे। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय, मैं आपको हथनी कुण्ड बैराज के बारे में बताना चाहता हूं कि इस बैराज पर काम शुरू करने की तारीख 14 अक्तूबर है और इस पर 219.19 लाख रुपया खर्च किया जायेगा। इन भाईयों को यह चरमराहट हो रही है कि यह सरकार सब काम कैसे कर रही है। विपक्ष के इन भाईयों को खुद तो कोई काम करना आता नहीं है और दूसरे लोगों को काम करते देखकर गिला-शिकवा करते हैं या उलाहने देते हैं। अध्यक्ष महोदय, नवाई से हमने इरीगेशन की स्कीमों के लिये 212 करोड़ 40 लाख रुपये का ऋण मन्जूर कराया है और रिवाड़ी लिफ्ट इरीगेशन के लिये भी नवाई से 39 करोड़ 60 लाख रुपये का ऋण मन्जूर कराया है जिससे हम 78 हजार 790 एकड़ भूमि में पानी पहुंचायेंगे और पूरे अहीरवाल में 99 गांवों को इससे फायदा पहुंचेगा। हमारे विरोधी भाई बता दें, चाहे वो कांग्रेस के हों या लोकदल के हों कि कभी इन्होंने अहीरवाल में किसी एक गांव को भी फायदा पहुंचाने के लिये कोई काम किया हो। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और डी०ए०पी० खाद के बारे में कहना चाहता हूं। चौधरी धीरपाल जी ने कहा कि इस बार खाद की कमी रही है लेकिन अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध में मैं उनको बताना चाहूंगा कि डी०ए०पी० खाद की कोई कमी नहीं रही है, अलबत्ता सप्लाई में कहीं-कहीं पांच दिन या चार दिन या सात दिन लेट जरूर हुई है और वह देरी अकेले हरियाणा में नहीं हुई बल्कि पूरे हिन्दुस्तान

में यह देरी हुई। पंजाब में तो बहुत बुरा हाल था लेकिन हम तो इस मामले में चौकन्ने थे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक बीज की बात है तो हमने 98 हजार क्विंटल सर्टिफाइड बीज दिया जब कि पिछली फसल में सिर्फ 87 हजार क्विंटल बीज लगा था और जो खाद की बात है इसमें 1998-99 में हमने 2 लाख 96 हजार क्विंटल खाद दी जब कि पिछले साल की फसल में यह फिगर 2 लाख 26 हजार क्विंटल थी। इस बारे में बाकायदा नोट है कि—

> "there was no shortage of D.A.P. fertilizer in the State during the month of November, 1998. The State Govt. arranged 2.19 lakhs meteric tonne D.A.P. fertilizer during the months of October-November. 1998., as against the consumption of 1.99 lakhs metric tonne."

यानी दो लाख 12 हजार मिट्रिक टन का हमने प्रबन्ध किया और 1 लाख 99 हजार मिट्रिक टन की खपत हुई तो कमी कहां रही, कोई खाद की कमी नहीं रही है। हां, लेट की बात मैं मानता हूं कि कई जगह पांच दिन, चार दिन, सात दिन या दो दिन लेट जरूर हुई और बाद में सरपलस भी पड़ी रही। अध्यक्ष महोदय, जहां तक खरीफ की फसल या रबी की फसल की बात है, इस साल हम समझते हैं कि यह 114 लाख 42 हजार टन होगी, यह हमारी उम्मीद है। इसके अलावा जो मिनी सचिवालय या जुडिशियल कम्पलैक्स की बात है ये जगह-जगह बन रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, रबी की फसल की जो पिछले पांच साल में काश्त हुई उसके बारे में, मैं बताना चाहूंगा। 1994-95 में 30 लाख 27 हजार हैक्टेयर भूमि में रबी की फसल की काश्त हुई, 1995-96 में 29 लाख 77 हजार हैक्टेयर भूमि में, 1996-97 में 30 लाख 23 हजार हैक्टेयर भूमि में, 1997-98 में 30 लाख 29 हजार हैक्टेयर भूमि में और 1998-99 में 31 लाख 33 हजार हैक्टेयर भूमि में रबी की फसल की काश्त हुई यानी 1 लाख 56 हजार हैक्टेयर रबी की फसल की काश्त ज्यादा हुई। इसका मतलब यह हुआ कि पीने चार लाख एकड़ धरती में पिछले साल के मुकाबले रबी की फसल की ज्यादा काश्त हुई है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह ने एक दिन एक क्वैश्चन पूछा था, अधिकारियों ने उस बारे में हमें फिग्गर्ज तो दे दिए थे लेकिन वे फिग्गर्ज हिन्दी में लिखी होने की वजह से हम उनको अच्छी तरह से नहीं पढ़ पाए। अध्यक्ष महोदय, 1998 में बेल जम्पर्ज, एस्केपो फरोम जेल और पी०ओज० इस प्रकार है, पी०ओज० 131, बेल जम्पर्ज 807, एस्केपो फरोम जेल 15 टोटल 1006 और 1998 में अबस्कैन्डर्ज 8, बेल जम्पर्ज 193, एस्केपो फरोम जेल 24। दिस इन्कल्यूडज 225 श्री एस्केपो फरोम जेल हमने गिरफ्तार किए 1231, भागे कम और गिरफ्तार ज्यादा किए क्योंकि पिछले सालों के जो भागे हुए थे वे भी गिरफ्तार किए। जो 1998 में भागे हुए थे उनमें से बहुत से एट लारज भी होंगे गिरफ्तार भी नहीं हुई होंगे। अध्यक्ष महोदय, एक बात ठीक है कि गाड़ियों की चोरी ज्यादा हुई है उसका सबसे बड़ा कारण तो यह है कि गाड़ियां बहुत ज्यादा हैं। एक-एक घर में 3-3 और 4-4 गाड़ियां हो गई हैं। घर के अन्दर जगह न होने के कारण गाड़ी खड़ी कर नहीं सकते, घर से बाहर खड़ी कर देते हैं रात को कोई ले कर भाग जाता है। पिछले डेढ़ महीने के अर्से में चोरियां भी हुई हैं क्योंकि सारी रात धुंध होती थी रात को ही नहीं बल्कि दिन भर भी धुंध होती थी। धुंध में चोरी के चांसिज ज्यादा होते हैं। चोरियां हुई हैं उससे हम इन्कार नहीं करते।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by half an hour ?

Voices : Yes.

Mr. Speaker : The time of the sitting is extended by half an hour.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, 1995 में मर्डर के केसिज 703 थे और 1998 में ये 807 हो गए ये केसिज़ बढ़े हैं लेकिन हर साल इनकी रेशो अढ़ाई तीन परसैंट थ्रू आउट कंट्री बढ़ती है । हरियाणा प्रदेश कोई अकेला अलग से नहीं है। अध्यक्ष महोदय, कल्पेबल होमीसाइड आई०पी०सी० 304 के केसिज़ 21 परसैंट घटे हैं। अटैम्पट टू मर्डर 3 परसैंट कम हुए हैं। रेप के केसिज़ अढ़ाई परसैंट कम हुए हैं। किडनैपिंग/अबडक्शन के केसिज़ 20 परसैंट बढ़े हैं लेकिन हमने बहुत से केसिज़ वर्क आउट कर लिए हैं। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, जो मर्डर होते हैं उनमें प्रोपर्टी डिसप्यूट, फैमिली डिसप्यूट, इलिसिट रिलेशन, सस्पीज़न औफ करैक्टर, डिसप्यूट औन वाटर, ओल्ड एनिमिटी, मर्डर टू कमिट क्राइम अगेंस्ट प्रोपर्टी, मर्डर टू कमिट रेप, ट्रांजैक्शन औफ मनि, गैंग राइवलरी, एनी अदर रिजन अन-आईडैंटीफाइड डैड बौडी। अध्यक्ष महोदय, 1998 को 69 डैड बौडीज ऐसी हैं जिनको कोई पहचानने वाला नहीं आया। मर्डर कहीं किया और डैड बौडी हरियाणा प्रदेश में डाल गए। हमने उन डैड बौडीज के बारे में पूरी स्टेट में ख़बर कर दी। दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और उत्तर प्रदेश हर जगह हमने ह्यू एंड क्राइ की सूचना भेज दी लेकिन 69 डैड बौडीज ऐसी हैं जिनका आज तक कोई क्लेमेंट नहीं आया और न ही किसी ने उनको पहचाना। मर्डर्ज की संख्या में बढ़ोतरी का यह भी एक कारण है। अध्यक्ष महोदय, हमने अब तक मर्डर्ज के 76 परसैंट केसिज़ ट्रेस कर लिए और कल्पेबल होमीसाइड के 81 परसैंट केसिज़ ट्रेस कर लिए। इस तरह से रेप के 93 परसैंट, किडनैपिंग और अबडक्शन के 73 परसैंट और टौटल क्राइम अगेंस्ट पर्सन 93 परसैंट केसिज़ ट्रेस कर लिए। अध्यक्ष महोदय, रिकवरी इन क्राईम अगेन्सट पर्सनज 1998 में हमने 61 परसैंट ट्रेस कर लिए और आल इण्डिया की फिगर्ज है 31 परसैंट। रोबरी में 65 परसेंट ट्रेस कर लिया है जबकि आल इण्डिया की 37 परसैंट फिगर्ज हैं। बरगलरी में हमने 34 परसैंट रिकबरी कर ली है जबकि आल इण्डिया लैवल की 27 परसैंट फिगर्ज है। थैफ्ट के केसिज में प्रोपर्टी 40 परसैंट रिकवर कर ली है जबकि आल इण्डिया की फिगर्ज 34 परसैंट है। क्राईम क्लासिफिकेशन के मुताबिक हमने डकैती में 83परसैंट रिकवरी कर ली है और आल इण्डिया की 30 परसैंट रिकवरी है। इसी प्रकार से रोबरी में 60 परसैंट रिकवरी हुई है जबकि आल इण्डिया में 29 परसेंट फिगर्ज बैठती है। इसी प्रकार से बरगलरी में हमने 41 परसैंट रिकबरी कर ली है जबकि आल इण्डिया की 21 परसैंट रिकबरी है। थैफ्ट में हमने 61 परसैंट रिकवरी की है जबकि आल इण्डिया की 38 परसैंट रिकबरी है। It would not be out of place to mention here that the percentage of recovery in crime against the property in Haryana has been the highest in the country as reported by the National Crime Record Bureau. This year total property worth Rs. 2324 lakhs was recovered. अध्यक्ष महोदय, हमने आल इण्डिया से सर्टिफिकेट ले रखा है। क्राईम की प्रोपर्टी रिकवर करने के मामले में हम टौप करते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हमारा जो ऐडमिनिस्ट्रेशन है, हमारी जो पुलिस है वह बड़ी मुस्तैदी के साथ काम कर रही है। कल या परसों गुड़गांव में बैंक डकैती हुई और पहले डाकखाने से भी 11-12 लाख रुपये लूट कर ले गए थे, वे डाकू पकड़े गए। उसमें अकेले 22-23 लोग हरियाणा के थे। इस तरह से गैंग के बाद गैंग पकड़े जा रहे हैं। पुलिस की कार्यवाही से डरते हुई कोई उत्तर प्रदेश भाग रहा है कोई कोल्हापुर भाग रहा है कोई कहीं भाग रहा है। हम भी चाहते हैं कि वे यहां से भाग जायें ताकि यहां पर चोरी न कर सकें। अध्यक्ष महोदय,

वेवी किल्लर कांड बहादुरगढ़ काफी दिन तक चला। पहले एक आदमी कांग्रेस की सरकार के समय पकड़ा गया था, पता नहीं कैसे पकड़ा था। अध्यक्ष महोदय, जो आदमी अब वेवी किल्लर के बारे में झज्जर में पकड़ा गया है उस पर कोई थर्ड डिग्री मैथड इस्तेमाल नहीं किया गया बल्कि एस०पी० ने बड़े प्यार से पूछा कि तूने ऐसा क्यों किया ? यह आदमी गाजियाबाद का रहने वाला है। उसने बताया कि मेरे पिता जी ने मेरे साथ ज्यादती की है। मेरे छोटे-भाई बहन की तो शादी कर दी लेकिन मेरी नहीं की। फिर मैं बहादुरगढ़ से चार हज़ार रुपये कमा कर ले गया था। वे रुपये मेरे चाचा ने छीन लिए और वह हज़म कर गया। उसके बाद मैंने यह काम शुरू कर दिया। एक-एक कर के सिक्वैंसबाईज़ सब क्राईम उसने बता दिए पुलिस वालों ने उसको अखबार वालों के हवाले कर दिया। बहादुरगढ़ में उसने सारी बातें एक-एक करके अखबार वालों को बताईं वे इनको खुद ट्रेस कर लें। अध्यक्ष महोदय, लॉ एण्ड आर्डर को हम पूरी तरह से मेनटेन कर रहे हैं। होम मिनिस्टर साहब और मैं कल रात के 12 बजे तक का जो हीनियस क्राईम स्टेट में दर्ज हुआ है उसकी रिपोर्ट सबसे पहले हमारे पास आ गई होगी और जब हम घर जाएंगे तो वह रिपोर्ट तैयार मिलेगी। पूरी स्टेट की सारी खबर रात को ले कर हम सोते हैं। हम ग्रीन ब्रिगेड के गुण्डे नहीं पालते। अध्यक्ष महोदय, सड़कों का काम हमने बड़ी तेजी से शुरू किया हुआ है इसके लिए हम भारत सरकार को परस्वेड कर रहे हैं और भारत सरकार हम पर मेहरवान भी है। एक तो अम्बाला से हिसार नेशनल हाईवे डिक्लेयर हो गया है और बाबल से रिवाड़ी, रिवाड़ी से झज्जर, झज्जर से रोहतक और रोहतक से पानीपत नेशनल हाईवे डिक्लेयर हो गए हैं और भरवाना से जीन्द और जीन्द से रोहतक नेशनल हाईवे डिक्लेयर हो गया तथा रोहतक का तो पहले नेशनल हाईवे है। अध्यक्ष महोदय, एक सहारनपुर से यमुना नगर, यमुना नगर से साहा, और साहा से पंचकूला नेशनल हाईवे डिक्लेयर हो गया। अध्यक्ष महोदय, एक और नैशनल हाईवे बलदेव नगर अम्बाला से ले कर शहज़ादपुर काला आम्ब और नारायणगढ़ तक मन्जूर हो गया है। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। हम भारत सरकार के शुक्रगुजार हैं कि उन्होंने यह काम कर दिया है। अभी हमारी एक दो मांगें और भी बचती हैं। एक जो मांग हमारी बचती है कोटपुतली से नारनौल, नारनौल से महेन्द्रगढ़, महेन्द्रगढ़ से दादरी, दादरी से भिवानी, भिवानी से जीन्द और जीन्द से कैथल ये हमारी मांग और बचती है और हमें पूरी उम्मीद है कि भारत सरकार इस मांग को मान लेगी। अध्यक्ष महोदय, अगर भारत सरकार इस मांग को नहीं भी मानती तो हम इस काम को खुद करेंगे क्योंकि सड़क का काम तो करना ही पड़ेगा। सड़कों की मरम्मत बड़ी तेजी के साथ शुरू हो गई है। पिछले 6-7 महीनों से मौसम फेरबदल नहीं था। पहले बारिश आ गई और फिर फोग शुरू हो गया तथा नमी शुरू हो गई लेकिन अब सड़कों का काम तेजी से चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, यहां सदन में आज ही पानी के बारे में भी बात आई और यमुना एक्शन प्लान पर चर्चा हुई। अध्यक्ष महोदय, यमुना एक्शन प्लान के तहत जगाधरी, यमुना नगर, इन्द्री, करनाल, घरौण्डा, पानीपत, सोनीपत, गुड़गांव, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, पलवल आदि में से किसी में तो काम पूरा हो गया है और किसी में काम चालू है। इसके अलावा मैं यह बताना चाहता हूं कि हमारा हैल्थ डिपार्टमैंट भी बहुत ही अच्छा काम कर रहा है। आज सुबह लीडर आफ दि ओपोजीशन ने धोतर गांव के बारे में कहा, उस बारे में हम चौकन्ने हैं। पिछले साल हमने डेढ़ करोड़ रुपए के इंजैक्शन लगाए और अब भी जो करना पड़ेगा वह हम करेंगे। अध्यक्ष महोदय, डिवैल्पमैंट और पंचायत का महकमा बहुत ही अच्छा काम कर रहा है। महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में जो कहा है उन सभी बातों पर यहां पर चर्चा हुई है कोई भी बात बाकी नहीं रही। उन्होंने बहुत कुछ इस बारे में कह दिया। शिक्षा के क्षेत्र में जैसे राम विलास शर्मा जी ने बताया कि पढ़ाई का स्टैंडर्ड ऊंचा जा रहा है यह बहुत ही अच्छी बात हो रही है। इन सब चीजों से हरियाणा की जनता को फायदा हो रहा है। हरियाणा की जनता को जितना फायदा हो रहा है उतनी

[श्री बंसी लाल]

ही हमारे विरोधी भाईयों को तकलीफ हो रही है। यह तो उनको होती रहेगी और उनकी यह तकलीफ हमसे घटाई नहीं जाएगी। इन शब्दों के साथ मैं अध्यक्ष महोदय, आपसे और सदन के सभी सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि इस धन्यवाद प्रस्ताव को पास कर दिया जाये। धन्यवाद।

Mr. Speaker : Question is—

"That an Address be presented to the Governor in the following terms :—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in the Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 28th January, 1999."

The motion was carried.

वर्ष 1998-99 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will present the Supplementary Estimates for the year 1998-99.

Finance Minister (Shri Charan Dass) : Sir, I beg to present the Supplementary estimates for the year 1998-99.

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now, Shri Narpender Singh, Chairperson, Estimates Committee will present the report of the Committe on Estimates on the Supplementary Estimates for the year 1998-99.

Chairperson, Estimates Committee (Shri Narpender Singh) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates for the year 1998-99.

सरकारी संकल्प

(i) सरकारी प्रतिभूतियों से संबंधित अधिनियम बारे

Mr. Speaker : Now, a Minister will move the official Resolution.

Minister of State for Parliamentary Affairs (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

"Whereas, the Haryana Legislative Assembly considers that it is desirable to have a uniform law throughout India for the regulation of Public Debt of the States and for all matters connected therewith or ancillary and incidental thereto.

And whereas, the subject matter of such a law is relatable mainly to the matter enumerated in entry 43 in List II in the Seventh Schedule to the Constitution of India.

And whereas, Parliament has no power to make such a law for the States with respect to the matter enumerated in entry 43 in List II aforesaid except as provided in Articles 249 and 250 of the Constitution of India.

And whereas, the Public Debt Act, 1944 is applicable for marketable loans raised by Reserve Bank of India on behalf of both the Union and the State Governments.

And whereas, it is felt desirable to repeal the Public Debt Act, 1944 and replace the same with a new Legislation viz, "Government Securities Act" in order to enable the Reserve Bank of India to render efficient and improved service to the holders of Government Securities.

Now, therefore, in pursuance of clause (1) of Article 252, this Assembly hereby resolves that the Parliament be empowered to regulate by law matters relating to Government securities and all other matters connected therewith or ancillary or incidental thereto.".

Mr. Speaker : Motion moved—

> "Whereas, the Haryana Legislative Assembly considers that it is desirable to have a uniform law throughout India for the regulation of Public Debt of the States and for all matters connected therewith or ancillary and incidental thereto.
>
> And whereas, the subject matter of such a law is relatable mainly to the matter enumerated in entry 43 in List II in the Seventh Schedule to the Constitution of India.
>
> And whereas, Parliament has no power to make such a law for the States with respect to the matter enumerated in entry 43 in List II aforesaid except as provided in Articles 249 and 250 of the Constitution of India.
>
> And whereas, the Public Debt Act, 1944 is applicable for marketable loans raised by Reserve Bank of India on behalf of both the Union and the State Governments.
>
> And whereas, it is felt desirable to repeal the Public Debt Act, 1944 and replace the same with a new Legislation viz, "Government Securities Act." in order to enable the Reserve Bank of India to render efficient and improved service to the holders of Government Securities.
>
> Now, therefore, in pursuance of clause (1) of Article 252, this Assembly hereby resolves that the Parliament be empowered to regulate by law matters relating to Government securities and all other matters connected therewith or ancillary or incidental thereto."

Mr. Speaker : Question is—

> "Whereas, the Haryana Legislative Assembly considers that it is desirable to have a uniform law throughout India for the regulation of Public Debt of the States and for all matters connected therewith or ancillary or incidental thereto.

[Mr. Speaker]

And whereas, the subject matter of such a law is relatable mainly to the matter enumerated in entry 43 in List II in the Seventh Schedule to the Constitution of India.

And whereas, Parliament has no power to make such a law for the States with respect to the matter enumerated in entry 43 in List II aforesaid except as provided in Articles 249 and 250 of the Constitution of India.

And whereas, the Public Debt Act, 1944 is applicable for marketable loans raised by Reserve Bank of India on behalf of both the Union and the State Governments.

And whereas, it is felt desirable to repeal the Public Debt Act, 1944 and replace the same with a new Legislation viz, "Government Securities Act." in order to enable the Reserve Bank of India to render efficient and improved service to the holders of Government Securities.

Now, therefore, in pursuance of Clause (1) of Article 252, this Assembly hereby resolves that the Parliament be empowered to regulate by law matters relating to Government securities and all other matters connected therewith or ancillary or incidental thereto.

The motion was carried.

(ii) कलेसर वन्य जीव अभयारण्य का पुनर्सीमांकन करने सम्बन्धी

Mr. Speaker : Now the Minister of State for Parliamentary Affairs will move the second official resolution.

Minister of State for Parliamentary Affairs (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

> "Whereas the area specified in Haryana Government, Wild Life Preservation Department, Notification No. S.O. 161/C.A. 53/1972/ S. 26-A/96, dated 13th December, 1996, comprising the area of Kalesar was declared to be a sanctuary for the purpose of protecting, propagating and developing Wild Life and its environment from 24th December, 1996.

And whereas for the construction of Western Jamuna Canal Channel and Western Jamuna Canal Hydro Electric Project and area of 29,669 hectares is required.

And whereas the said area of 29,669 hectares forms part of Kalesar Wild Life Sanctuary.

And whereas for requiring the said area of 29,669 hectares the boundaries of the said Kalesar Wild Life Sanctuary are required to be altered.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of Section 26A of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (Act 53 of 1972), the Legislature of the State of Haryana hereby resolves to alter the boundaries of

the said sanctuary declared vide Haryana Government, Wild Life Preservation Department Notification No. S.O. 161/C.A.. 53/1972/S. 26-A/96, dated the 13th December, 1996, by excluding therefrom the area of the Kalesar Wild Life Sanctuary as mentioned in the Schedule appended hereto and redemarcation of the boundaries of the Kalesar Wild Life Sanctuary."

Mr. Speaker : Motion moved—

> "Whereas the area specified in Haryana Government, Wild Life Preservation Department, Notification No. S.O. 161/C.A. 53/1972/ S. 26-A/96, dated 13th December, 1996, comprising the area of Kalesar was declared to be a sanctuary for the purpose of protecting, propagating and developing wild life and its environment from 24th December, 1996.

And whereas for the construction of Western Jamuna Canal Channel and Western Jamuna Canal Hydro Electric Project and area of 29,669 hectares is required.

And whereas the said area of 29,669 hectares form part of Kalesar Wild Life Sanctuary.

And whereas for requiring the said area of 29,669 hectares the boundaries of the said Kalesar Wild Life Sanctuary are required to be altered.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of section 26-A of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (Act 53 of 1972), the Legislature of the State of Haryana hereby resolves to alter the boundaries of the said sanctuary declared vide Haryana Government, Wild Life Preservation Department, Notification No. S.O. 161/C.A. 53/1972/S. 26-A/96, dated the 13th December, 1996, by excluding therefrom the area of the Kalesar Wild Life Sanctuary as mentioned in the Schedule appended hereto and redemarcation of the boundaries of the Kalesar Wild Life Sanctuary."

Mr. Speaker : Question is—

> "Whereas the area specified in Haryana Government, Wild Life Preservation Department, Notification No. S.O. 161/C.A. 53/1972/ S. 26-A/96, dated 13th December, 1996, comprising the area of Kalesar was declared to be a sanctuary for the purpose of protecting, propagating and developing wild life and its environment from 24th December, 1996.

And whereas for the construction of Western Jamuna Canal Channel and Western Jamuna Canal Hydro Electric Project and area of 29,669 hectares is required.

And whereas the said area of 29,669 hectares forms part of Kalesar Wild Life Sanctuary.

And whereas for requiring the said area of 29,669 hectares the boundaries of the said Kalesar Wild Life Sanctuary are required to be altered.

[Mr. Speaker]

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of section 26-A of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (Act 53 of 1972), the Legislature of the State of Haryana hereby resolves to alter the boundaries of the said sanctuary declared vide Haryana Government, Wild Life Preservation Department, Notification No. S.O. 161/C.A. 53/1972/S. 26-A/96, dated the 13th December, 1996, by excluding therefrom the area of the Kalesar Wild Life Sanctuary as mentioned in the Schedule appended hereto and redemarcation of the boundaries of the Kalesar Wild Life Sanctuary."

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House is adjourned till 2.00 P.M. tomorrow, the 3rd February, 1999.

*20.23 Hours (The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Thursday, the 3rd February, 1999.

Vidhan Sabha Secretariat * Haryana * Chandigarh
LIBRARY

30828--H.V.S.--H.G.P. Chd.